Page 11

खेल

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट : पंत ने टेस्ट में लगाया टी-20 का तड़का

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

Page 10

देश

बाल-बाल बची सौरभ गांगुली की बेटी सना, कोलकता में बस ने कार को मारी टक्कर

शुक्ल पक्ष, पूर्व भाद्रपद, विक्रम संवत् 2081

• औरंगाबाद • रविवार • 05 जनवरी 2025 • वर्ष 27 • अंक 29 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹78,710	₹91,500

आज का इतिहास

- **2014 :** भारतीय संचार उपग्रह जीसैट-14 को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया गया। जीसैट -14 में भारत में निर्मित क्रायोजेनिक इंजन का इस्तेमाल हुआ था।
- **1970 :** चीन के यून्नान प्रांत में रिक्टर पैमाने पर 7.7 तीव्रता वाले भूकंप से 15000 लोगों की मौत हुई।

न्यूज बाइट्स

कोहरे की वजह से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट कैंसिल

पटना (नि.सं)। पटना एयरपोर्ट पर फ्लाइटों की लेट लतीफी जारी है। कड़ाके की ठंड और कोहरे की वजह से एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी कम है। विजिबिलिटी कम होने के चलते फ्लाइटें लेट हो रही हैं। जिससे यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार को 13 फ्लाइटें आधे घंटे से 7 घंटे तक डिले रही है। पटना से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई 357 को आज कैंसिल कर दिया गया है। पहले निर्धारित समय सुबह 10:45 बजे से 2 घंटे लेट इस फ्लाइट की आने की सूचना थी, बाद में दोपहर 1 बजे रद्द कर दिया।

शाह ने कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (ए.)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को यहां नई दिल्ली नगर पालिका द्वारा निर्मित नए कामकाजी महिला हॉस्टल ब्लाक 'सुषमा भवन' का उद्घाटन व मोती बाग में पशु चिकित्सालय का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना और नयी दिल्ली की सांसद बाँसुरी स्वराज सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

जबतक मुख्यमंत्री बच्चों से मिल नहीं लेते तबतक अनशन जारी रहेगा : प्रशांत

पटना(नि.सं.)। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने कहा है कि जबतक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के अभ्यर्थियों से मिल नहीं लेते हैं, तबतक उनका अनशन जारी रहेगा। श्री किशोर गुरुवार की शाम से लगातार गांधी मैदान में बीपीएससी अभ्यर्थियों की मांगों को लेकर आमरण अनशन पर बैठे हुएं हैं। इस दौरान पटना के एडीएम ने धरनास्थल पर जाकर श्री किशोर से बातचीत की और उन्हें धरना वापस लेने को कहा। श्री किशोर ने एडीएम को साफ तौर पर कहा कि धरना वापस लेना अब संभव नहीं, हजारों बच्चों का मुझपर विश्वास है और खास कर 29 दिसंबर को प्रशासन के कहने पर मैंने छात्रों को उठने के लिए कहा था और फिर प्रशासन ने क्रूरतापूर्वक बच्चों पर लाठी चलाया है, अब किसी भी हालत में प्रशासन के कहने पर मैं आंदोलन वापस नही लूंगा।

प्रगति यात्रा के दूसरे फेज में गोपालगंज पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

सीएम ने 38 करोड़ से 72 योजनाओं का किया शिलान्यास, आईटीआई भवन का उद्घाटन

निज संवाददाता | गोपालगंज

सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के दूसरे फेज में गोपालगंज पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न प्रखंडों के विभिन्न विभागों की 138 करोड़ की लागत वाली 72 योजनाओं का जिले वासियों को सौगात दिया गया। सीएम ने सबसे पहले सिधवलिया प्रखंड के काशी टेंगराही स्थित आईटीआई भवन का उद्घाटन किया। इसके बाद करसघाट स्थित पुस्तकालय का उद्घाटन करते हुए विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। साथ पोखरे मछली का जीरा और बतख डाल कर जलाजीवन हरियाली की आगे बढ़ाया। इसके बाद मीरगंज के लिए सड़क मार्ग से ही रवाना हुए जहां उन्होंने मीरगंज विजयीपुर बायपास का उद्घाटन करने के बाद जिला समाहरणायल सभागार में पहुंच कर समीक्षा बैठक करने के बाद वापस हैलीकॉप्टर से वापस पटना के लिए रवाना हो गए।

सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का प्रगति यात्रा के दूसरा चरण की शुरुआत गोपालगंज से हुई। गोपालगंज आगमन को लेकर हेलिकॉप्टर से आने की योजना थी लेकिन अत्यधिक घने कोहरे के कारण सीएम का आगमन है। सड़क मार्ग से हुआ और उन्होंने अपने यात्रा को आगे बढ़ाते हुए काशी टेंगराही स्थित 21 करोड़ 60 लाख के लागत से बनकर तैयार आईटीआई भवन का उद्घाटन कर छात्र छात्राओं को सौगात दिए। साथ ही उन्होंने कुल 61 योजनाओं का उद्घाटन किया। इसके अलावा 3 करोड़ 51 लाख की राशि से बनने वाले जिला उत्पाद कार्यालय, चनावे जेल में एक करोड़ 62 लाख की लागत से बन रहे एक पुरुष कक्षपाल बैरक और एक करोड़ 39 लाख की लागत से बन रहे। महिला कक्षपाल बैरक समेत अन्य निर्माण कार्य शामिल हैं। कई नवनिर्मित पंचायत सरकार भवन का भी उद्घाटन हुआ। जिले के अलग-अलग गांवों में तालाब, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल तथा अन्य भवनों के जीर्णोद्धार का उद्घाटन हुआ। प्रगति यात्रा को लेकर गोपालगंज पहुंचे सीएम नीतीश कुमार ने मीरगंज से सबेया एयरपोर्ट को जोड़ने वाली नई सड़क का मैप निरीक्षण किया। साथ ही अफसरों को कई निर्देश दिए। उन्होंने मीरगंज सबेया बाईपास, बैरिया बाईपास तथा मीरगंज-भोरे -पगरा पथ के मैप का भी निरीक्षण किया।

मीरगंज सबेया बाईपास की दूरी तीन किमी तथा लागत 130 करोड़, बैरिया बाईपास की दूरी 5.70 किमी तथा लागत 90 करोड़, मीरगंज -भोरे -पगरा पथ की लंबाई 47 किमी तथा लागत 250 करोड़ की आने वाली है। वहीं उचकागांव प्रखंड में दाहा नदी पर एल ब्रिज के निर्माण पर 12 करोड़ रुपए खर्च होंगे। सीएम ने इन तीनों प्रोजेक्ट का मैप निरीक्षण कर कार्य को शीघ्र शुरू कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के पूर्व गन्ना मंत्री कृष्ण नन्दन पासवान, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक कुंदन कृष्णन, पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव मिहिर सिंह,खाद्य आपूर्ति विभाग के प्रधान सचिव एन श्रवण,लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार सहित कई अफसर मौजूद थे।

63 लाख की लागत से हुए 13 कार्यों का किया उद्घाटन

वहीं सिधवलिया प्रखंड के करसघाट पकड़ी टोला में अलग-अलग योजनाओं के तहत 63 लाख की लागत से हुए 13 कार्यों का उद्घाटन हुआ। इसमें पोखर, पशु शेड, बत्तख शेड, बकरी शेड, रनिंग ट्रैक, चिल्ड्रेन पार्क, पुस्तकालय, स्ट्रीट लाइट, आंगनबाड़ी केंद्र आदि शामिल हैं।

वन विभाग लघु वन उपज योजना के तहत 10,000 लोगों को देगा रोजगार

भर्ती प्रक्रिया जल्द होगी शुरू, मजदूर वर्ग को मिलेगा फायदा : डा. प्रेम कुमार

निज संवाददाता | पटना

वन एवं वन्य प्राणियों के संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के साथ-साथ रोजगार सृजन के लिए वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने एक बड़ी पहल की है। विभाग के मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने घोषणा की कि लघु वन उपज योजना के अंतर्गत 10,000 लोगों को रोजगार दिया जाएगा। डॉ. प्रेम कुमार ने बताया कि इस योजना की तैयारी जोर-शोर से चल रही है, और भर्ती प्रक्रिया अगले वित्तीय वर्ष 2025-2026 में शुरू होगी। उन्होंने कहा कि भर्ती किन पदों पर की जाएगी, इसकी जानकारी आगे साझा की जाएगी। यह योजना मुख्य रूप से मजदूर वर्ग के लोगों को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है। इससे वन प्रेमियों और वन क्षेत्र के आसपास रहने वाले लोगों को रोजगार का बड़ा अवसर मिलेगा। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि सेंचुरी क्षेत्र के बाहर मौजूद जंगलों में चिरौंजी, महुआ, हड़ेबहेड़ा जैसे फल, फूल, और औषधीय पौधे पाए जाते हैं। इनका संग्रहण कर प्रोसेसिंग के जरिए खाद्य सामग्री, दवाइयां, शहद और अन्य उत्पाद तैयार किए जाएंगे।

जिलों और केंद्रों पर रोजगार के अवसर

मंत्री ने बताया कि भभुआ, रोहतास, औरंगाबाद, नवादा, जमुई, मुंगेर, नालंदा, बांका, वाल्मीकि नगर और अन्य ईको-टूरिज्म केंद्रों में रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। इन केंद्रों पर विभिन्न कार्यों के लिए लोगों को शामिल किया जाएगा।

इससे क्षेत्रीय स्तर पर रोजगार का सृजन होगा। वन विभाग के तहत रानीगंज जू, भभुआ में रिजर्व टाइगर क्षेत्र और अन्य दर्जनों साइट्स पर भी रोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे।

जोरदार झटका: 'हॉकी बिहार' की मान्यता रद्द

पटना(नि.सं.)। हॉकी इंडिया ने हॉकी बिहार की मान्यता को रद्द कर दिया है। इससे राज्य में हॉकी के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों को धक्का लगा है।मान्यता रद्द होने से बिहार के हॉकी खिलाड़ी खुश हैं। उनका कहना है कि यह उनके लिए नए साल का तोहफा है। हॉकी इंडिया की ओर से जारी लेटर में महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा कि 4 दिसंबर को हॉकी बिहार के अध्यक्ष श्रवण कुमार ने राजगीर में आयोजित एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप के आयोजन को लेकर कुछ शिकायत की थी। इस दौरान हॉकी बिहार के महासचिव मुश्ताक अहमद ने न तो अधिकारियों से मुलाकात की और न ही आयोजन में कोई विशेष सहयोग दिया।

बीपीएससी 70वीं पीटी की दुबारा हुई परीक्षा में 6000 अभ्यर्थी हुए शामिल

निज संवाददाता | पटना

बिहार लोक सेवा आयोग शनिवार को 70वीं पीटी परीक्षा ले रहा है। यह 13 दिसंबर को बापू परीक्षा परिसर में ली गई थी। लेकिन, गड़बड़ी होने के कारण हंगामा हुआ था। विवाद बढ़ा तो बीपीएससी ने बापू परीक्षा परिसर में ली गई परीक्षा को रद्द कर दिया गया था। आज यह परीक्षा एक ही शिफ्ट में ली जा रही है। अभ्यर्थियों को सुबह 11 बजे के बाद प्रवेश नहीं मिला। 12012 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होने वाले थे। इनमें से 8111 ने एडमिट कार्ड डाउनलोड किया। चौंकने वाली बात यह है धरना प्रदर्शन के बावजूद अभ्यर्थियों ने इस परीक्षा में रुचि दिखाई। पिछली बार यानी 13 दिसंबर को आयोजित परीक्षा के लिए डाउनलोड किए गए एडमिट कार्ड की संख्या से लगभग 1,200 अधिक है। इस बार 6000 छात्रों ने परीक्षा दिया।

इधर, बीपीएससी की ओर से कहा गया है कि दोनों परीक्षा के रिजल्ट एक साथ जारी किए जाएंगे। संभावना है कि जनवरी माह के अंत तक पीटी परीक्षा के रिजल्ट जारी कर दिए जाएं। इधर, प्रशासन की ओर से बताया गया कि परीक्षा के लिए पटना जिले में कुल 22 सेंटर बनाये गये थे। सभी जगह शांतिपूर्व तरीके से परीक्षा संपन्न हुई। किसी तरह की गड़बड़ी न हुई।

पटना जंक्शन पर 250 केजी मिलावटी पनीर बरामद, एक युवक गिरफ्तार

निज संवाददाता | पटना

पटना जंक्शन पर रेल पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। 250 किलोग्राम नकली और मिलावटी पनीर के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। जब्त पनीर की अनुमानित कीमत 75 हजार रुपए है। इसकी सप्लाई ओडिशा के राउरकेला में होनी थी। साउथ बिहार एक्सप्रेस से भेजे जाने की तैयारी थी। रेल एसपी रेल एसपी अमृतेंदु शेखर ठाकुर ने बताया कि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड एक्ट के तहत गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई है। आरोपी धनंजय कुमार बिहार के वैशाली जिला का रहने वाला है। राउरकेला में दुकान चलाता है। जंक्शन से ट्रेन के जरिए मिलावटी पनीर की सप्लाई की जा रही थी। अगर लंबे समय से पटना से पनीर भेजा जा रहा था, तो निश्चित तौर पर रेल कर्मियों की भी इसमें भूमिका होगी।

जंक्शन से कराया था बुकिंग

वहीं, आरोपी ने पूछताछ में बताया कि पटना जंक्शन से पनीर सप्लाई के लिए बुकिंग कराया था। साउथ बिहार एक्सप्रेस से राउरकेला भेजने की तैयारी थी, उससे पहले ही पुलिस ने पकड़ लिया।

बिहार की जीडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान बढ़ेगा : मंगल पांडेय

निज संवाददाता | पटना

कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने कहा है कि राज्य की अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान आने वाले समय में और अधिक बढ़ेगा। उन्होंने यह बात शनिवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हुई बैठक के दौरान कही। बैठक में किसान कल्याण के लिए कार्ययोजना और आगामी बजट पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष बिहार की जीडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 20 प्रतिशत रहा, और यह केंद्र सरकार से मिल रहे सहयोग और राज्य की योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन का नतीजा है। उन्होंने कहा कि भूमिहीन और सीमांत किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर काम कर रही हैं। जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से किसानों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है। मंगल पांडेय ने कहा कि राज्य में कृषि विज्ञान केंद्रों को सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास हो रहे हैं। इससे किसानों को आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक तरीकों से खेती करने में मदद मिलेगी।

सेना का ट्रक खाई में गिरने से चार जवानों की मौत, दो गंभीर

एजेंसी | श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर)

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शनिवार दोपहर सेना का ट्रक खाई में गिर गया। हादसे में 4 जवानों की मौत हो गई। 2 जवान गंभीर घायल हैं। उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुल 6 जवान ही सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि हादसा जिले के एसके पायीन इलाके में हुआ। यहां ट्रक सड़क से फिसलकर खाई में गिरा। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। घटना की डिटेल कुछ देर बाद आर्मी स्पोकपर्सन जारी कर सकते हैं।

इससे पहले 24 दिसंबर को पुंछ जिले आर्मी वैन 350 फीट गहरी खाई में गिरी थी। वैन में 18 जवान सवार थे। इनमें से 5 की मौत हो गई थी। हादसे में शामिल सभी जवान 11 मराठा रेजिमेंट के थे। सेना ने बताया कि काफिले में 6 गाड़ियां थी, जो पुंछ जिले के पास ऑपरेशनल ट्रैक से होते हुए बनोई इलाके की तरफ जा रही थीं। इसी दौरान एक वाहन के ड्राइवर के संतुलन खोने की वजह से वैन खाई में गिर गई। नवंबर में दो अलग-अलग घटनाओं में 5 जवानों की मौत इससे पहले नवंबर में दो अलग-अलग घटनाओं में 5 जवानों की मौत हो गई थी। 4 नवंबर को राजौरी में सड़क हादसे में दो जवानों की जान चली गई थी। वहीं, 2 नवंबर को रियासी जिले में कार खाई में गिर जाने से तीन जवानों की मौत हो गई थी।

आय से अधिक संपत्ति होने का आरोप

बेउर जेल सुपरिंटेंडेंट के ठिकानों पर ईओयू की छापेमारी

निज संवाददाता | पटना

पटना के बेउर जेल के जेल सुपरिंटेंडेंट डॉक्टर विधु कुमार के सरकारी आवास, कार्यालय और पैतृक आवास पर शनिवार की सुबह आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की छापेमारी शुरू हुई। यह छापेमारी आय से अधिक संपत्ति के मामले में की जा रही है। सरकारी आवास और जेल परिसर के अंदर छानबीन जारी है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, अधीक्षक के पास आय से अधिक संपत्ति होने की आशंका है। इसे लेकर 3 जनवरी को मामला दर्ज किया गया था। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि इनके पास आय से 146% अधिक की संपत्ति है। जेल सुपरिंटेंडेंट विधु कुमार 30 जून 2024 को मोतिहारी केंद्रीय कारा से स्थानांतरित होकर पटना के बेउर जेल सुपरिंटेंडेंट के पद पर अपना पदभार ग्रहण किया था। जेल सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नाइंथ लेवल के अधिकारी होने के बावजूद भी गृह विभाग द्वारा नियमों को नजर अंदाज करके इन्हें पटना के बेउर जेल का सुपरिंटेंडेंट बनाया गया। विधु कुमार पर पूर्व में जेल में मारपीट की घटना के बाद इन पर नियंत्रण के अभाव का आरोप लग चुका है।

दिल्ली चुनाव- केजरीवाल के खिलाफ प्रवेश वर्मा लड़ेंगे, आतिशी के खिलाफ बिधूड़ी लड़ेंगे चुनाव

भाजपा ने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी, 16 कैंडिडेट बदले, 13 रिपीट

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। लिस्ट में 29 नाम हैं। 16 सीटों पर कैंडिडेट बदले गए हैं जबकि 13 पर मौजूदा विधायकों को टिकट दी गई है। नई दिल्ली से अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्रवेश वर्मा चुनाव लड़ेंगे। कालकाजी से आतिशी के खिलाफ भाजपा ने रमेश बिधूड़ी को मैदान में उतारा है। इसी सीट से कांग्रेस ने अलका लांबा को टिकट दिया है। दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान जल्द होने वाला है। आम आदमी पार्टी सभी 70 सीटों पर कैंडिडेट घोषित कर चुकी है। कांग्रेस ने भी अब तक तीन लिस्ट में 48 उम्मीदवार उतारे हैं। आप सभी 70 सीटों पर कैंडिडेट का ऐलान कर चुकी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) ने 15 दिसंबर को सभी कैंडिडेट का ऐलान कर दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली से चुनाव लड़ेंगे। सीएम आतिशी को कालकाजी से उम्मीदवार बनाया गया है। सौरभ भारद्वाज ग्रेटर कैलाश, सत्येंद्र जैन शकूर बस्ती से चुनाव लड़ेंगे। आप ने 21 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच यानी 25 दिनों में कुल 4 लिस्ट में 70 प्रत्याशियों के नाम घोषित किए। इस बार 26 मौजूदा विधायकों के टिकट काटे गए हैं। 4 विधायकों की सीट बदली गई है। इनमें मनीष सिसोदिया की सीट पटपड़गंज से जंगपुरा, राखी बिडलान की मंगोलपुरी से मादीपुर, प्रवीण कुमार की जंगपुरा से जनकपुरी और दुर्गेश पाठक की करावल नगर से राजेंद्रनगर सीट बदली गई है। कांग्रेस की तीन लिस्ट जारी, अब तक 48 उम्मीदवार घोषित कांग्रेस महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ कालकाजी सीट से चुनाव लड़ेंगी।

संक्षिप्त समाचार

मशाल-2025 के तहत कार्यक्रम आयोजित

टिकारी। बिहार खेल प्रतिभा पहचान प्रतियोगिता मशाल-2025 के तहत शुक्रवार को टिकारी राज इंटर कॉलेज परिसर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जानकारी हो कि बिहार सरकार द्वारा 2-9 जनवरी तक मशाल-2025 का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में राज इंटर कॉलेज के प्राचार्य सैयद अख्तर हुसैन, एनसीसी इंचार्ज रंजय रश्मि, संजीव शकुंत, नीतीश भारद्वाज, मनु मणि, राहुल कुमार, संजीव कुमार, सहित अन्य शामिल थे।

ठेकही गांव से फरार अभियुक्त गिरफ्तार

फतेहपुर। फतेहपुर थाना क्षेत्र ठेकही गांव से पुलिस ने मारपीट के मामले में फरार एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में वह पांच माह से फरार चल रहा था।थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी महेश यादव थाना क्षेत्र के ठेकही गांव का रहने वाला है। उसके खिलाफ 20 जुलाई 2024 को थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। उसी समय से आरोपी पुलिस की पकड़ से फरार चल रहा था। हालांकि उसे गिरफ्तार करने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। इसी दौरान उसे गुप्ता सूचना पर गिरफ्तार के जेल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

सेल्स टैक्स विभाग की बड़ी कार्रवाई, 17 वाहन जब्त

गया। राज्य कर आयुक्त सह सचिव संजय कुमार सिंह के निर्देश पर गुरुवार को सेल्स टैक्स विभाग के द्वारा सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान मगध प्रमंडल के अन्वेषण ब्यूरो सहित विभिन्न अंचलों द्वारा 17 गाड़ियां जब्त की गईं। उक्त जानकारी देते हुए राज्य कर अपर आयुक्त मोहन कुमार ने बताया कि उक्त गाड़ियों का परिचालन बिना इंवायस, ई-वे बिल व पूरे कागजात के किया जा रहा था। श्री कुमार ने बताया कि जब्त गाड़ियों पर लोहा, सेनिटरी का सामान, खाद, ग्रेनाइट,पेंट, प्लाईवुड व अन्य सामान बरामद किए गए हैं।

आरपीएफ ने पकड़ी 11 हजार लीटर शराब, 28 किलो गांजा और 2.922 किलो अफीम

फतेहपुर। पूर्व मध्य रेलवे अंतर्गत धनबाद रेल मंडल के गया-कोडरमा रेलखंड पर रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट कोडरमा द्वारा साल 2024 में किए कार्य काफी उत्कृष्ट रहे। यह साल आरपीएफ के लिए उपलब्धियों भरा साल रहा। आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार के दिशा-निर्देश और आरपीएफ पोस्ट कोडरमा के निरीक्षक प्रभारी दीपक कुमार के नेतृत्व में आरपीएफ की टीम ने गया-कोडरमा रेलखंड पर 11 हजार लीटर देसी-विदेशी शराब, 28.382 किलो गांजा व 2.922 किलो अफीम जब्त की है। साथ ही इस अवैध धंधे से जुड़े 70 तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। आरपीएफ ने यात्रा के दौरान ट्रेनों में 48 यात्रियों के छूटे हुए सामान को बरामद के लौटाया है। वहीं स्टेशन व ट्रेन से गुमशुदा 21 बच्चों को बरामद कर परिजनों से मिलाया है। गया-कोडरमा रेलखंड पर ट्रेनों और स्टेशनों पर चलाए गए ऑपरेशन सतर्क के तहत 77 मामलों में 5,71,715 रुपए की 11 हजार लीटर देसी-विदेशी शराब जब्त की गई। साथ ही इस अवैध धंधे में संलिप्त 61 तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया। वहीं ट्रेन से तस्करी कर ले जाए जा रहे 46,000 रुपए के 28.604 किलोग्राम कीमती स्टोन को बरामद किया गया। आरपीएफ ने ऑपरेशन नारकोस के तहत कार्रवाई करते हुए ट्रेन से गांजा व अफीम के तीन मामले पकड़े। इसमें 2,05,000 रुपए मूल्य के 28.382 किलोग्राम गांजा और 4 लाख रुपए मूल्य की 2.922 किलोग्राम अफीम की खेप बरामद की। साथ ही एक अफीम तस्कर को भी मौके से गिरफ्तार किया। आरपीएफ ने ऑपरेशन वायलेप के तहत आरपीएफ ने जंगली उत्पादों के तस्करी के छह मामले पकड़े। इसमें ट्रेन से 18500 रुपए मूल्य के 2850 किलोग्राम जंगली लकड़ी जब्त की। साथ ही एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया। वहीं ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत आरपीएफ ने कार्रवाई कर यात्रियों के खिलाफ अपराध के 5 मामले पकड़े। इसमें संलग्न 7 अपराधियों को गिरफ्तार किया। साथ ही उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेज दिया।

3 जोड़ी कुंभ मेला स्पेशल का होगा परिचालन, 06 जनवरी से 17 फरवरी तक कानपुर से भागलपुर जाएगी ट्रेन

नालंदा। रेलवे की ओर से महाकुंभ के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए कई कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 03 जोड़ी और कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। गाड़ी सं. 07107-07108 तिरुपति-बनारस-विजयवाड़ा कुंभ मेला स्पेशल (डीडीयू-सोननगर-गढ़वा रोड-बरकाकाना-रांची-सम्बलपुर-विजयवाड़ा के रास्ते) - गाड़ी सं. 07107 तिरुपति-बनारस कुंभ मेला स्पेशल 18 जनवरी और 08, 15 व 22 फरवरी को तिरुपति से 20.55 बजे खुलकर सोमवार को 11.25 बजे सोननगर, 11.45 डेहरी ऑन सोन, 12.08 बजे सासाराम, 12.45 बजे भभुआ रोड, 13.15 चंदौली मंझवार एवं 14.20 बजे डीडीयू सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए 15.45 बजे बनारस पहुंचेगी। वापसी में, गाड़ी सं. 07108 बनारस-विजयवाड़ा कुंभ मेला स्पेशल 20 जनवरी और 10, 17 व 24 फरवरी को बनारस से 17.30 बजे खुलकर 19.05 बजे डीडीयू, 19.33 बजे चंदौली मंझवार, 19.55 बजे भभुआ रोड, 20.20 बजे सासाराम, 20.40 बजे डेहरी ऑन सोन, 20.53 बजे सोननगर सहित विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए बुधवार को 05.30 बजे विजयवाड़ा पहुंचेगी। गाड़ी सं. 07109-07110 नरसापुर-बनारस-नरसापुर कुंभ मेला स्पेशल (डीडीयू-सोननगर-गढ़वा रोड-बरकाकाना-रांची-सम्बलपुर-राजमुंदरी के रास्ते) - गाड़ी सं. 07109 नरसापुर-बनारस कुंभ मेला स्पेशल 26 जनवरी और 02 फरवरी को नरसापुर से 06.00 बजे खुलकर सोमवार को 11.25 बजे सोननगर, 11.45 डेहरी ऑन सोन, 12.08 बजे सासाराम, 12.45 बजे भभुआ रोड, 13.15 चंदौली मंझवार और 14.20 बजे डीडीयू सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए 15.45 बजे बनारस पहुंचेगी। वापसी में, गाड़ी सं. 07110 बनारस-नरसापुर कुंभ मेला स्पेशल 27 जनवरी और 03 फरवरी को बनारस से 17.30 बजे खुलकर 19.05 बजे डीडीयू, 19.33 बजे चंदौली मंझवार, 19.55 बजे भभुआ रोड, 20.20 बजे सासाराम, 20.40 बजे डेहरी ऑन सोन, 20.53 बजे सोननगर सहित विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए बुधवार को 05.00 बजे नरसापुर पहुंचेगी। गाड़ी सं. 04153-04154 कानपुर-भागलपुर-कानपुर साप्ताहिक कुंभ मेला स्पेशल (प्रयागराज-डीडीयू-पाटलिपुत्र-हाजीपुर-बरौनी-मुंगेर के रास्ते) - गाड़ी सं. 04153 कानपुर-भागलपुर साप्ताहिक कुंभ मेला स्पेशल 06 जनवरी से 17 फरवरी तक हर सोमवार को (13 और 27 जनवरी को छोड़कर) कानपुर से 14.00 बजे खुलकर 16.40 बजे प्रयागराज, 19.25 बजे डीडीयू, 23.45 बजे पाटलिपुत्र, अगले दिन 00.40 बजे हाजीपुर, 02.40 बजे बरौनी सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन 09.15 बजे भागलपुर पहुंचेगी। वापसी में, गाड़ी सं. 04154 भागलपुर-कानपुर साप्ताहिक कुंभ मेला स्पेशल 07 जनवरी से 18 फरवरी तक प्रत्येक मंगलवार को (14 और 28 जनवरी को छोड़कर) भागलपुर से 11.00 बजे खुलकर 17.10 बजे पाटलिपुत्र, 21.20 बजे डीडीयू, अगले दिन 01.05 बजे प्रयागराज रुकते हुए 04.30 बजे कानपुर पहुंचेगी।

नालंदा में इंटर परीक्षा के लिए 41 केंद्र बने, 1 से 15 फरवरी तक होगा एग्जाम, 42,357 परीक्षार्थी होंगे शामिल

नालंदा। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की ओर से आयोजित होने वाली 2025 की इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए नालंदा जिले में 41 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर 1 से 15 फरवरी तक परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। जिले में छात्राओं के लिए 18 और छात्रों के लिए 23 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। बिहारशरीफ में सबसे अधिक 32 केंद्र, राजगीर में 4 और हिलसा में 5 केंद्र बनाए गए हैं। विभागीय रिपोर्ट के अनुसार, कला संकाय में 11 हजार 690, विज्ञान संकाय में 30 हजार 325, कॉमर्स में 340 और वोकेशनल में 2 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। कुछ प्रमुख परीक्षा केंद्रों में एसएस बालिका हाईस्कूल, जेपी इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मकनपुर आरपीएस स्कूल, जलालपुर रुट्स इंटरनेशनल स्कूल, सदानंद इंटरमीडिएट कॉलेज, बिहार टाउन हाईस्कूल, किसान कॉलेज, देवशरण महिला कॉलेज, राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, शेखाना नेशनल हाईस्कूल, सोगरा कॉलेज, पीएमएस कॉलेज पहड़पुरा शामिल हैं। डीएम शशांक शुभंकर ने बताया कि कदाचार मुक्त परीक्षा लेने की पूरी व्यवस्था की जा रही है। परीक्षा केंद्र स्कूलों और कॉलेजों की सूची जारी कर दी गई है। इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्रों की टैगिंग कर दी गई है।

गया में ईंट भट्ठी पर काम करने वाले मुंशी की गला रेतकर हत्या

धारदार हथियार से वारदात को अंजाम, कमरे के गेट पर मिला शव

निज संवाददाता। गया

गया जिले के डोभी थाना क्षेत्र के ग्राम पिरासिन में शनिवार सुबह ईंट भट्ठे पर काम करने वाले मुंशी की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान रामवृक्ष यादव (55) के रूप में की गई है। जिनकी हत्या धारदार हथियार से गला रेतकर की गई है। मृतक का शव कमरे के दरवाजे पर पड़ा मिला। लोगों ने बताया कि रामवृक्ष यादव अपने बहनोई के ईंट भट्ठे पर काम करते थे और भट्ठे में बने कमरे में ही रहते थे। शनिवार की सुबह जब लोग भट्ठे के पास से जा रहे थे तो कमरे के गेट पर शव देखा। जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मृतक का गला किसी धारदार हथियार से रेता गया है। घटना की सूचना मिलते डोभी थानाध्यक्ष मुकेश कुमार अपने दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। जहां इलाके को घेरकर सुरक्षित किया। मामले की जांच के लिए घटनास्थल पर डॉग स्क्वाड, फॉरेंसिक टीम और तकनीकी विशेषज्ञों को बुलाया गया। प्रारंभिक जांच में कई सुराग मिले। जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल हॉस्पिटल, गया भेजा गया है।

विशेष टीम के नेतृत्व में जांचः गया के वरीय पुलिस अधीक्षक ने मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक, गया और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, शेरघाटी-2 के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की है। पुलिस अधीक्षक रामानंद ने कहा कि टीम आसूचना संकलन और तकनीकी अनुसंधान में लगी हुई है। अपराधियों की पहचान जल्दी हो जाएगी और उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। डोभी थाने में इस घटना के संबंध में केस दर्ज कर कार्रवाई जारी है। बता दें कि इस निर्मम हत्या से गांव और आसपास के इलाकों में भय और गुस्से का माहौल बन गया है। स्थानीय लोग इस घटना के बारे में कई तरह के कयास लगा रहे हैं और पुलिस से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की उम्मीद कर रहे हैं।

ठंड और घने कोहरे के बीच श्रद्धालु कर रहे पिंडदान

निज संवाददाता। गया

बोधगया में दर्शन के लिए लोगों की भीड़, प्रशासन ने किया आदेश जारी

कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के बीच गया में विष्णुपद मंदिर के देवघाट पर पिंडदान के लिए आए श्रद्धालु ठिठुरते हुए नदी किनारे अपने पूर्वजों के मोक्ष के लिए पिंडदान कर रहे हैं। इसके साथ बोधगया में भी भगवांन बुद्ध के दर्शन के लिए श्रद्धालु लगातार पहुंच रहे हैं। ठंड और कोहरे से बच्चों को राहत देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने पांचवीं कक्षा तक के स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी किया है। साथ ही, सड़कों और बाजारों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। ठंडी हवाओं ने लोगों को घरों में दुबकने पर मजबूर कर दिया है।

राहत के बाद फिर बढ़ेगी ठंडः मौसम वैज्ञानिक एस.के. पटेल के अनुसार, हिमालय क्षेत्र में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर बिहार तक पहुंचा, जिससे हवा की दिशा बदलने के साथ तापमान में हल्की बढ़ोतरी हुई। शुक्रवार को गया का अधिकतम तापमान 19.4 डिग्री और न्यूनतम 8.7 डिग्री दर्ज किया गया, जो अब भी सामान्य से कम है। हालांकि, 6 जनवरी को एक और पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से तापमान में फिर गिरावट का अनुमान है। इससे ठंड की सर्दी और बढ़ सकती है। बता दें कि गया में सुबह और शाम के समय नमी 90 प्रतिशत तक पहुंच गई। घने कोहरे ने सूरज की किरणों को भी धुंधला कर दिया है। हालांकि, धुंध का असर कम होने के बाद भी सर्दी का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा। देर रात और घने कोहरे ने तापमान को और गिरा दिया। जिला प्रशासन ने ठंड से राहत पाने के लिए अलाव जलाने और कंबल बांटने का इंतजाम किया है। हल्की धूप ने ठंड में कुछ राहत देने की कोशिश की, लेकिन सर्द हवाओं ने ठिठुरन को और बढ़ा दिया। बाजारों में रौनक गायब हो गई है, और दुकानदार हाथ सेंकते हुए नजर आ रहे हैं।

गया कॉलेज के बीएड डिपार्टमेंट ने किया एमओयू, महिला सशक्तीकरण के लिए होंगे कई कार्यक्रम

निज संवाददाता। गया

गया वर्ग कक्ष में सर्वश्रेष्ठ में उपस्थिति वाली छात्राओं को मासिक छात्रवृत्ति मिलेगी। ताकि दूसरे विद्यार्थी को भी इससे प्रेरणा मिले और वे भी रेगुलर क्लास करें। गया कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सतीश सिंह चंद्र के दिशा-निर्देश पर शिक्षा शास्त्र विभाग गया कॉलेज गया में शुक्रवार को सृष्टि स्वाभिमान महिला ट्रस्ट गया के साथ एमओयू साइन किया गया है। इसके बाद महिला सशक्तीकरण व अन्य सृजनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। शिक्षा शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर धनंजय धीरज ने बताया कि इस ट्रस्ट के साथ साझा करार के बाद महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में संयुक्त तत्वावधान में आगे कई प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही साथ ट्रस्ट के द्वारा शिक्षा शास्त्र विभाग की उन तीन छात्राओं को जिनकी उपस्थिति कक्षा में सर्वाधिक है, उन्हें मासिक छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। शिक्षा शास्त्र विभाग में पढ़ने वाली छात्राओं के लिए यह छात्रवृत्ति अभिप्रेरणा का कार्य करेगी। साथ ही कक्षा में अच्छी उपस्थिति सुनिश्चित करने में यह नवाचारी प्रयोग मील का पत्थर साबित होगा। एमओयू के साथ दोनों संस्थान के प्रमुख। मलिन बस्तियों में चलेगा जागरुकता अभियान विभागाध्यक्ष डॉ. धीरज ने बताया कि भविष्य में भी और कई ऐसी योजनाएं हैं जिनको दोनों संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में क्रियान्वित किया जाएगा। इसमें प्रमुख रूप से मलिन बस्तियों में रहने वाली महिलाओं के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी जागरुकता अभियान शामिल है। विभाग की छात्राओं द्वारा मलीन बस्तियों में रहने वाली ऐसी बच्चियां जो विद्यालय जाने से वंचित हैं, उन्हें विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित करने में सहायता प्रदान की जाएगी। उन्हें शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा जाएगा। मौके पर ट्रस्ट के प्रमुख सह पूर्व संकाय अध्यक्ष सामाजिक विज्ञान संकाय मगध विश्वविद्यालय और पूर्व विभाग अध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग गया कॉलेज, शुक्रवार अश्वनी कुमार ने कहा कि इस ट्रस्ट का उद्देश्य है कि समाज में जरूरतमंद व वंचित महिलाओं को समाज की मुख्य धारा में शामिल करना। विगत कई दशकों से यह संस्था शहर में महिला उत्थान के क्षेत्र में कार्यरत है। कहा कि शिक्षाशास्त्र विभाग के साथ एमओयू हस्ताक्षर करके ट्रस्ट ने एक नया अध्याय लिखा है। शैक्षणिक व सह शैक्षणिक गतिविधियों के आदान-प्रदान को शिक्षा शास्त्र विभाग, गया कॉलेज ने पूर्व भी कई शैक्षणिक संस्थानों के साथ एमओयू किए हैं। आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्धता प्राप्त हरि नारायण सिंह इंस्टीच्यूट ऑफ टीचर एजुकेशन, सासाराम, बीआईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के बीच बीएड डिपार्टमेंट का साझा करार हो चुका है। एचओडी डॉ. धीरज ने बताया कि दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी), गया के साथ भी एमओयू की प्रक्रिया चल रही है। ट्रस्ट के प्रमुख सह पूर्व संकायाध्यक्ष डॉ. अश्विनी ने कहा कि छात्रवृति साथ भविष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में हमारी पूर्ण सहभागिता रहेगी।

गरीब परिवारों के लिए खुले उच्च शिक्षा के द्वार, अल्फा इंटरनेशनल स्कूल का अनोखा प्रयास

300 गरीब बच्चों को फ्री में पढ़ाने का लिया फैसला

निज संवाददाता। नालंदा

शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी पहल करते हुए नूरसराय स्थित अल्फा इंटरनेशनल स्कूल ने आगामी शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है। 'हर घर शिक्षा - पढ़े हर बच्चा' अभियान के तहत स्कूल ने 300 आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को पूरी तरह से निशुल्क शिक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया है। स्कूल के प्रधानाचार्या कुमारी सोनी वर्मा के अनुसार, यह पहल समाज के वंचित वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा से जोड़ने का एक साहसिक प्रयास है। कक्षा 6 से 10 तक के विद्यार्थियों को मिलने वाली यह सुविधा न केवल शिक्षण शुल्क को कवर करेगी, बल्कि परीक्षा फीस, कंप्यूटर प्रशिक्षण, और वार्षिक शुल्क जैसे सभी व्यय भी एक प्रतिष्ठित NGO की ओर से ही दिए जाएंगे। क्षेत्रीय शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम शिक्षा के क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखेगा। अल्फा इंटरनेशनल स्कूल, जो पहले से ही अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए जिले में प्रसिद्ध है। इस पहल के माध्यम से सामाजिक समरसता का एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। स्कूल के निदेशक एके डेल्टा ने बताया कि ये योजना उन हजारों अभिभावकों के लिए आशा की किरण है, जो अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने का सपना देखते हैं, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण उसे पूरा नहीं कर पाते। महत्वपूर्ण जानकारी के अनुसार, सीटों की संख्या सीमित होने के कारण विद्यार्थियों का चयन प्रथम आओ-प्रथम पाओ के आधार पर किया जाएगा। इच्छुक अभिभावकों से अनुरोध है कि वे जल्द से जल्द स्कूल कार्यालय में संपर्क करें। यह पहल न केवल शिक्षा के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगी, बल्कि समाज में शैक्षिक समानता लाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। स्कूल प्रशासन का मानना है कि इस तरह के प्रयास से क्षेत्र में शिक्षा का स्तर ऊंचा उठेगा और अधिक से अधिक बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिलेगा।

पेयजल संकट, कूड़ा डंपिंग के खिलाफ जन आक्रोश

नालंदा । नालंदा के बड़ी पहाड़ी क्षेत्र में गंभीर पेयजल संकट और पंचाने नदी के किनारे अवैध कूड़ा डंपिंग के विरोध में स्थानीय नागरिकों ने शनिवार को नगर निगम कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के नेतृत्व में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। भाकपा नेता शिवकुमार यादव ने बताया कि वार्ड संख्या 19 और 20 में जलापूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाई गई है, लेकिन आज तक इनमें पानी की आपूर्ति शुरू नहीं की गई है। कड़ाके की ठंड में भी लोगों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। हिरण्य पर्वत पर आने वाले पर्यटकों को भी बोतलबंद पानी खरीदना पड़ता है। स्थानीय निवासियों की स्थिति और भी दयनीय है।

प्रदर्शनकारी बोले- कूड़े की अवैध डंपिंग भी बड़ी समस्याः इस बीच, पंचाने नदी के तट पर अवैध कूड़ा डंपिंग की समस्या ने विकराल रूप धारण कर लिया है। भाकपा के जिला मंत्री राजकिशोर प्रसाद के अनुसार, कोसूक, राणा बिगहा, सिपाह, पचौड़ी और लखरावा समेत दर्जनों गांवों की लगभग 10,000 की आबादी इससे प्रभावित हो रही है। कूड़े से निकलने वाली दुर्गंध और जलते कचरे का धुआं लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन गया है।

फरवरी 2024 में जिलाधिकारी ने समस्या के समाधान का दिया था आदेशः फरवरी 2024 में जिलाधिकारी ने नगर निगम को इस समस्या के समाधान का आदेश दिया था। आदेश में कूड़े के वैज्ञानिक निस्तारण की व्यवस्था करने को कहा गया था, लेकिन 10 महीने बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। धरना प्रदर्शन में डॉक्टर मनोज कुमार, उमेश चंद्र चौधरी, विष्णु देव पासवान, साधु पासवान, किशोरी साह, महेंद्र ठाकुर, गुड्डू केवट, रामदेव मंडल और राजीव रंजन कुमार समेत कई प्रमुख स्थानीय नेता मौजूद थे। विडंबना यह है कि एक तरफ जहां सरकार स्वच्छ भारत अभियान की बात करती है, वहीं दूसरी ओर नालंदा जैसे ऐतिहासिक महत्व के शहर में बुनियादी नागरिक सुविधाओं की इतनी दयनीय स्थिति है। स्थानीय प्रशासन की इस उदासीनता पर सवाल उठने लाजिमी हैं।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा

डीडीयू डिविजन में वरीय अनुभाग अभियंता/उपरि उपस्कर/डीडीयू, डेहरी ऑन सोन, गया, एवं विक्रमगंज के लिए मिनी ट्रक (04 नं०) 24 घण्टे एवं 36 महीने के लिए किराये पर रखने हेतु।

खुली ई–निविदा जेम सं०–GEM/2025/B/5771807

नीचे दिये कार्य के लिए प्रमाणित अनुभवी कार्य रखने वाले और वैध दस्तावेज द्वारा समर्थित सुदृढ़ वित्तीय क्षमता रखने वाले ख्यातिलब्ध ठेकेदार से ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है :

कार्य का नाम और स्थानः डीडीयू डिविजन में वरीय अनुभाग अभियंता/उपरि उपस्कर/डीडीयू, डेहरी ऑन सोन, गया, एवं विक्रमगंज के लिए मिनी ट्रक (04 नं०) 24 घण्टे एवं 36 महीने के लिए किराये पर रखने हेतु। **अनुमानित रकम :** रू० 96,48,000.00, **बयाना राशि :** रू० 192960.00, **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समयः** दिनांक 28/01/2025 को 16:00 बजे तक। **वेबसाइट का विवरण जहां ई–निविदा जेम की पूर्ण जानकारी उपलब्ध हैः** www.gem.gov.in

वरीय मंडल बिजली इंजीनियर/क०वि०
पूर्व मध्य रेल, डीडीयू

पीआर/1844/डी०डी०यू०/इटीआरडी/टी/24–25/32

स्कूलों की छुट्टी और समय में बदलाव, जिला प्रशासन का आदेश

निज संवाददाता। गया

गया जिले में कड़ाके की ठंड को देखते हुए डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम ने जिले के सभी प्री-स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र और कक्षा 1 से 5 तक के सरकारी और निजी स्कूलों को 8 जनवरी तक बंद रखने का निर्देश दिया है। क्लास 5 से ऊपर के छात्रों के लिए स्कूल और कोचिंग संस्थानों के समय में भी बदलाव किया गया है। निर्देश देते हुए बताया कि 4 से 8 जनवरी तक स्कूल और कोचिंग सुबह 9:30 बजे के बाद शुरू होंगे और शाम 4 बजे से पहले बंद हो जाएंगे। यह निर्णय बच्चों को ठंड के प्रभाव से बचाने के उद्देश्य से लिया गया है। जिससे छोटे बच्चों और उनके अभिभावकों को राहत मिली है।

प्रशासन की अपीलः प्रशासन ने नागरिकों से ठंड से बचने के लिए सतर्क रहने की अपील की है। यह कहा गया है कि लोग केवल आवश्यक काम होने पर ही बाहर निकलें और गर्म कपड़े पहनें। विशेष रूप से बच्चों के खानपान और स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी गई है, जिसमें पौष्टिक भोजन, गर्म पेय पदार्थ और पर्याप्त आराम शामिल हैं। आदेश का उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाईः डीएम ने सभी स्कूल और कोचिंग संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे निर्धारित समय सीमा का कड़ाई से पालन करें। आदेश का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कड़ाके की ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने बच्चों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

गयाः कड़ाके की ठंड के मद्देनजर जिला प्रशासन ने स्कूलों की छुट्टी और समय में बदलाव कियाः गया जिले में कड़ाके की ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने बच्चों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम ने आदेश जारी करते हुए जिले के सभी प्री-स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र और कक्षा 1 से 5 तक के सरकारी व निजी स्कूलों को 8 जनवरी तक बंद रखने का निर्देश दिया है। यह कदम बच्चों को ठंड से बचाने के लिए उठाया गया है। स्कूल और कोचिंग का नया समयः कक्षा 5 से ऊपर के छात्रों के लिए स्कूल और कोचिंग संस्थानों के समय में भी बदलाव किया गया है। 4 से 8 जनवरी तक स्कूल और कोचिंग सुबह 9:30 बजे के बाद शुरू होंगे और शाम 4 बजे से पहले बंद हो जाएंगे। यह निर्णय बच्चों को ठंड के प्रभाव से बचाने के उद्देश्य से लिया गया है।

कार्यालय नगर पंचायत मझिऑंव
Email : nagarpanchayatmanzhiaon@gmail.com

पत्रांक– 07/दिनांक– 03.01.2025

आम सूचना

नगर पंचायत मझिऑंव क्षेत्रांतर्गत आमजनों को सूचित किया जाता है कि मझिऑव प्रखण्ड परिसर के बगल में नवनिर्मित दुकान आवंटन करने का निर्णय लिया गया है। जिसके लिए दिनांक 06.01.2025 से दिनांक 10.01.2025 तक 2000/–(दो हजार रूपये) का बैक ड्राफ्ट (कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत मझिऑंव के पदनाम से) या नगद कार्यालय में जमा कर आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते है। आवेदन पत्र में अपना विवरण भर कर एवं निम्नवत् दस्तावेज स्वःअभिप्रमाणित संलग्न करते हुए दिनांक 11.01.2025 तक कार्यालय अवधि में जमा करना अनिवार्य है। सभी प्राप्त आवेदन के जाँचोपरांत सही पाये गये आवेदनों में से दिनांक 13.01.2025 को लौटरी के माध्यम से दुकान आवंटन की प्रक्रिया की जायेगी।

भाग–01

मझिऑव प्रखण्ड परिसर के बगल में नवनिर्मित दुकान	दुकान संख्या 01 से दुकान संख्या 10 तक।

आवश्यक दस्तावेज।
1. आवेदक का आधार कार्ड एवं पहचान पत्र की प्रति।
2. आवेदक का पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ 2 अदद्।

दुकान आवंटन हेतु नियम एवं शर्तः–
1. एक आवेदक एक से अधिक दुकानों के लिए आवेदन कर सकते है, परन्तु एक आवेदनकर्त्ता को एक ही दुकान आवंटन की जायेगी।
2. दुकान की संख्या से अधिक आवेदन पत्र प्राप्त होने पर लौटरी के माध्यम से दुकान का आवंटन किया जायेगा।
3. दुकान आवंटन के पश्चात् निर्धारित समय के अन्दर एकरारनामा करना अनिवार्य होगा।
4. दुकान आवंटन के पश्चात 50000/–(पचास हजार) रूपये सुरक्षित जमा राशि के रूप में बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से जमा करना अनिवार्य होगा। जो दुकान छोडने के उपरांत वापस किया जाएगा। सुरक्षित जमा राशि में किसी भी प्रकार का ब्याज देय नहीं होगा।
5. दुकान आवंटन 03 (तीन) वर्षो का होगा तथा तीन वर्षो में एकरारनामा नवीनीकरण करना अनिवार्य होगा। इस अवधि के पश्चात एकरारनामा नवीनीकरण करने का निर्णय कार्यपालक पदाधिकारी के द्वारा लिया जायेगा। दुकान का एकरारनामा नवीनीकरण करने अथवा नहीं करने का अधिकार कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत मझिऑव के पास सुरक्षित रहेगा।
6. आवंटित दुकानदारों को प्रतिमाह 1500/–(पन्द्रह सौ) रूपयें किराया शुल्क देना होगा जो माह के 01 से 10 तारिख के बीच जमा करना अनिवार्य होगा। निर्धारित तिथि तक दुकान का किराया जमा नहीं करने पर 10 रू (दस रूपये) प्रतिदिन दण्ड स्वरूप वसूल किया जायेगा।
7. लगातार तीन माह का किराया जमा नही करने पर आवंटन रद्द कर पुनः किसी अन्य को आवंटन कर दिया जायेगा।
8. दुकान का विस्तार या किसी भी प्रकार का निर्माण नगर पंचायत मझिऑव के अनुमति के बिना प्रतिबंधित रहेगा।
9. दुकानदार को अपने दुकान के आस–पास साफ–सफाई रखना अनिवार्य होगा। गंदगी पाए जाने पर नियमानुसार जुर्माना वसुल किया जाएगा।
10. दुकानदार विद्युत का कनेक्शन स्वंय से आवश्यकतानुसार ले सकते है जिसका व्यय भार स्वंय से वहन करना होगा।
11. सभी दुकानदार को ट्रेड लाईसेंस लेना अनिवार्य होगा।

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर पंचायत मझिऑव।

PR 343551 (Urban Development) 24-25 (D)

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

राजपुर (रोहतास) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के विभिन्न गांव से स्थानीय पुलिस ने शनिवार को चार लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष शशि भूषण कुमार ने बताया कि न्यायालय के वारंटी नीमा गांव निवासी काशी साह व मधु साह को गिरफ्तार किया गया। वही पॉक्सो एक्ट तहत तेंदूबाहर गांव निवासी बुलबुल कुमार उर्फ प्रियांशु कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। बुलबुल काफी दिनों से फरार चल रहा था। वहीं दूसरी तरफ़ शराब पीकर हंगामा करने के मामले में बिसेनीकला गांव निवासी विश्वनाथ राम को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार सभी आरोपितों को मेडिकल जांच के बाद न्यायालय को सुपुर्द करते हुए जेल भेज दिया गया।

केंद्रीय गृह मंत्री से मिले बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष

सासाराम (रोहतास) (नि.सं.)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा के पूर्व सांसद गोपाल नारायण सिंह ने दिल्ली स्थित भारत सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के आवास पर आंगल वर्ष के अवसर पर मुलाकात की। इस सामान्य मुलाकात के दौरान श्री सिंह ने बिहार भाजपा के संगठन को लेकर विस्तृत चर्चा की एवं पार्टी की भावी रणनीति पर विचार किया। इस सामान्य मुलाकात में भाजपा नेता श्री सिंह ने गृहमंत्री को वर्तमान परिपेक्ष्य में बिहार भाजपा की स्थिति से अवगत कराया एवं सामयिक विषयों पर विचार साझा कर पार्टी संगठन के विभिन्न पहलुओं पर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। श्री सिंह ने गृह मंत्री को बहुमूल्य समय प्रदान करने हेतु उनका आभार प्रकट किया। मेहरा, माया कुमारी, नीलम कुमारी संतोषी कुमारी समेत अन्य उपस्थित थे।

मॉडर्न रेसिडेंशियल पब्लिक स्कूल के बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिता में शत प्रतिशत पाई सफलता

निज संवाददाता | नवादा

मॉडर्न रेसिडेंशियल पब्लिक स्कूल लाईन पार मिर्जापुर नवादा के बच्चों ने जिला स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताओं में शत प्रतिशत प्रथम स्थान लाकर रचा फिर से इतिहास बता दे की बिहार सेवा संस्थान के निदेशक सुमन सौरभ प्रत्येक वर्ष 3 जनवरी को भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले का जन्मदिन पर करती है बच्चों के बीच में प्रतियोगिता का आयोजन जिसमें जिला के कई विद्यालय के बच्चें ने लिया भाग। यह प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित किया जाता है। वरिय वर्ग एवं कनीय वर्ग, बच्चों के बीच बौद्धिक, मानसिक तथा शारीरिक विकास हेतु निम्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। संगीत, नृत्य, पेंटिंग, निबंध लेखन, भाषण, झांकी (नाटक) प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया। इस प्रतियोगिता में मॉडर्न रेसिडेंशियल पब्लिक स्कूल लाईन पार, मिर्जापुर नवादा के बच्चों ने भी भाग लिया और दोनों वर्गों से विभिन्न प्रतियोगिताओं में सत प्रतिशत प्रथम स्थान प्राप्त करने में सफल रहा। सभी सफल प्रतिभागियों को बुद्ध की प्रतिमा प्रतीक चिन्ह देकर एवं अन्य द्वितीय तृतीय को मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

झांकी मंचन

प्रथम स्थान- कोमल किरण रागिनी अपराजिता शिवानी आयुषी तथा ग्रुप

संगीत-वरीय प्रथम -अक्षय कुमार
कनीय प्रथम - खुशी प्रिया
कनीय द्वितीय-रघुवीर सिंह

नृत्य-

वरीय प्रथम - कोमल किरण रागनी अपराजिता शिवानी आयुषी ग्रुप
कनीय प्रथम - ईशा आयुषी खुशी संजना ऋषिका तथा ग्रुप
कनीय द्वितीय-मानवी स्नेहा शानवी माही रौशनी

चित्रकला -

वरीय		वर्ग
द्वितीय	शिवम	कुमार
तृतीय	अपराजिता	राज
कनीय		वर्ग
प्रथम	-नेहा	कुमारी
द्वितीय	आयुषी	सिंहा
कनीय	द्वितीय-रघुवीर	सिंह

निबंध लेखन-
द्वितीय कोमल
तृतीय शिवम

भाषण में-

वरीय प्रथम-शुभम
द्वितीय आशुतोष कुमार
कनीय प्रथम -सत्यम कुमार
कनीय द्वितीय-ईशा कुमारी।

4 जनवरी 2025 को विद्यालय प्रांगण में इन सभी बच्चों को विद्यालय के द्वारा पुनः विद्यालय में मेडल मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया और भविष्य में हर क्षेत्र में अपना-अपना पहचान बनाएं ऐसा विद्यालय के निदेशक रामचंद्र कुमार सोनी ने सम्मान के दौरान बच्चों को संबोधित किया। मौके पर विद्यालय शिक्षक शिक्षिकाएं पायल वर्मा बॉबी कुमारी सोनी कुमारी अंकिता कुमारी ममता चौधरी अशोक सिंह अभिषेक कुमार रिंकी कुमारी संजू कुमारी प्रीति कुमारी कृष्ण मुरारी मुन्ना कुमार राहुल कुमार आदि उपस्थित थे।

सावित्रीबाई फुले महिला कबड्डी प्रतियोगिता में इंद्रपुरी ने मारी बाजी

निज संवाददाता | डेहरी ऑन-सोन (रोहतास)

सावित्रीबाई फुले जिला स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसके फाइनल मुकाबले में तिलौथू प्रखंड क्षेत्र के सोन बराज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इंद्रपुरी ने डेहरी प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित उच्च विद्यालय भडकुडिया को 07-18 से पराजित कर ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। सावित्रीबाई फुले एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा शहर के रामारानी जैन बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के प्रदेश महासचिव राजीव रंजन सिंह उर्फ सोनू सिंह एवं विकासशील इंसान पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभात रंजन उर्फ नीरज द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। प्रतियोगिता का पहला सेमीफाइनल मैच रामारानी जैन बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डेहरी एवं सोन बराज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इंद्रपुरी तिलौथू के बीच खेला गया। जिसमें सोन बराज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खिलाड़ियों ने अद्भुत खेल का प्रदर्शन करते हुए रामारानी जैन बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को 06-09 अंक से पराजित कर फाइनल में पहुंची वहीं दूसरे सेमीफाइनल में भडकुडिया उत्क्रमित विद्यालय एवं उत्क्रमित विद्यालय शिवपुरी के बीच मैच खेला गया जिसमें भडकुडिया के टीम ने शिवपुर विद्यालय की टीम को 07-04 अंक के अंतर से पराजित किया। फाइनल मुकाबला सोन बराज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इंद्रपुरी एवं उत्क्रमित उच्च विद्यालय भरकुडिया के बीच खेला गया जिसमें इंद्रपुरी टीम की छात्राओं ने प्रखर प्रदर्शन करते हुए भरकुडिया को पराजित कर फाइनल जीत दर्ज कर लिया। विजेता और उपविजेता टीम को ट्राफी प्रदान किया गया एवं सभी प्रतिभागी टीमों को मेडल, शील्ड के साथ पुरस्कार राशि प्रदान किया गया। सोसाइटी के अध्यक्ष अजय कुमार द्वारा आगत अतिथियों का स्वागत अंग वस्त्र देकर किया गया।

जिले के चर्चित बादल हत्याकांड के आठवें दिन डीआईजी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

शाहाबाद प्रक्षेत्र के डीआईजी के रूप में पदभार ग्रहण करने के दूसरे दिन हीं डीआईजी सत्य प्रकाश ने जिले के चर्चित बादल हत्याकांड के घटनास्थल का निरीक्षण किया। हालांकि इस पूरे मामले को पहले हीं जांच के लिए सीआईडी को सौंप दिया गया है लेकिन फिर भी डीआईजी ने रोहतास पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार सहित अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारियों के साथ घटनास्थल का निरीक्षण कर कई जानकारी प्राप्त की। उन्होंने घटनास्थल का बारिकी से निरीक्षण करते हुए आसपास के क्षेत्रों एवं सड़कों का भी मुआयना किया तथा उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृति को रोकने के लिए बेहतर पुलिसिंग सुनिश्चित करें। इस दौरान वे विधि व्यवस्था संधारण के उद्देश्य से भी जिला मुख्यालय सासाराम के विभिन्न क्षेत्रों से अवगत हुए तथा उनके द्वारा पूरे जिले में पुलिस गश्ती तेज करने की बात कही गई। चूंकि इस पूरे मामले में रोहतास पुलिस के एक वरीय पुलिस अधिकारी पर हत्या का आरोप लगा हुआ है जिसको देखते हुए डीआईजी ने स्वयं घटनास्थल पर पहुंचकर घटना के संदर्भ में पूरी जानकारी प्राप्त करने की जरूरत को समझा। उल्लेखनीय है कि शाहाबाद प्रक्षेत्र के तत्कालीन डीआईजी नवीन चांद झा के तबादले के बाद बीते एक जनवरी को हीं सत्य प्रकाश ने डीआईजी का पद भार ग्रहण किया था और मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए उन्होंने मात्र 48 घंटे के भीतर घटनास्थल का निरीक्षण कर कई जानकारियां इकट्ठा की। दरअसल बीते एक हफ्ते पूर्व सासाराम में हुए बादल हत्याकांड की घटना ने बिहार की राजनीति को सुलगा दिया है।

कुम्भी में नये शाखा डाकघर का उद्घाटन

निज संवाददाता | नवादा

डाक मंडल के कादिरगंज उप डाकघर के अंतर्गत कुम्भी में नये शाखा डाकघर का उद्घाटन मुख्य डाक महाध्यक्ष, बिहार अनिल कुमार के कर कमलों से किया गया। बताते चले कि आज ही मुख्य अतिथि के तौर पर मुख्य डाक महाध्यक्ष के द्वारा खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन नवादा में करने के उपरांत ही कुम्भी शाखा डाकघर पहुंचकर उनके द्वारा कुम्भी शाखा डाकघर का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन के दौरान मंच पर अनिल मेहता, जिलाध्यक्ष, भा.ज.पा., नवादा, भोला समाजिक कार्यकर्ता के साथ-साथ डाक अधीक्षक, नवादा नीरज कुमार चौधरी एवं डाक अधीक्षक, नालंदा कुन्दन कुमार भी उपस्थित रहें। मुख्य डाक महाध्यक्ष अनिल कुमार के द्वारा अपने संबोधन में कहा कि कुम्भी शाखा डाकघर खुलने से यहां के आम जनता, ग्रामिणों, महिलाओं के साथ-साथ आस-पास के कई गाँवों को काफी सुविधा मिलेगी। अब लोग डाकघर के विभिन्न योजनाओं का लाभ कुम्भी शाखा डाकघर से ही ले सकेंगें। उन्होने यह भी बताया कि डाकघर अब पुरी तरह ऑन-लाइन कार्य कर रहा है। चाहें बचत खाता हो, बच्चों का आधार बनाना हो या विभिन्न बैंकों के खाता धारक भी अपने पैसे का भुगतान डाकघर के माध्यम से कुम्भी शाखा डाकघर से ही सुविधा ले सकते है। उन्होनें इस दौरान उपस्थित ग्रामिणों खासकर महिलाओं से यह आग्रह किया कि शाखा डाकघर से लाभ लें एवं 10 वर्ष से कम सभी बच्चियों का सुकन्या समृद्धि खाता अवश्य खुलवायें। इस दौरान अनिल मेहता, जिलाध्यक्ष, भा.ज.पा. द्वारा अपने संबोधन में सभी लोगो से डाकघर से जुड़ने का आह्वान किया और बताया कि डाक विभाग में आम लोगों के लिये काफी योजनाएं है, उनका लाभ ले और अपना खाता डाकघर में अवश्य खुलवायें। डाक अधीक्षक नवादा नीरज कुमार चौधरी के द्वारा सभी मंचासीन अतिथियों एवं ग्रामिणों, आम जनता का स्वागत किया गया एवं स्वागत भाषण के दौरान अपने संबोधन में कहा कि कुम्भी शाखा डाकघर के खुल जाने से यहां के आम जनता को काफी सुविधा होगी। मार्केटिंग हेड जितेंद्र कुमार के द्वारा मंच का संचालन किया जा रहा उन्होने यह भी बताया कि जल्द ही यहां डाक विभाग की सभी प्रकार की योजनाओं का लाभ आम जनता को मुहैया कराया जायेगा, आधार सेवा, इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक की सेवा भी जल्द ही कुम्भी शाखा डाकघर से ही आम लोगों को दी जायेगी। डाक अधीक्षक नालंदा कुन्दन कुमार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया एवं अपने संबोधन में उन्होने सभी उपस्थित मंचासीन अतिथियों के साथ-साथ उपस्थित डाकघर के सभी कर्मी एवं दूर-दराज से आये हुये ग्रामिणों का धन्यवाद किया और कहा कि कुम्भी में शाखा डाकघर खुल जाने से लोग डाकघर की योजनाओं को आसानी से सुविधा प्राप्त कर सकेंगें। आयोजन के दौरान फिल्म अभिनेता और नवादा आइकॉन राहुल वर्मा भी मंच पर उपस्थित रहे। उन्होने भी अपने संबोधन में लोगों से डाकघर से जुड़ने की अपील की। साथ ही साथ उन्होने चीफ पोस्टमास्टर जनरल, अनिल कुमार का धन्यवाद किया और कहा कि नवादा के विकास के लिये आप निरंतर कार्य करते रहे है। पुरा नवादा जिला आपको धन्यवाद देता है।

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

अबुआ बजट

पोर्टल तथा मोबाइल ऐप का शुभारम्भ

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

के द्वारा दिनांक 05.01.2025 (रविवार) को मध्याह्न 12:00 बजे होगा।

आईए, अपना बजट बनाएं:

झारखण्ड राज्य बजट 2025-26 के लिए आम जनता का बहुमूल्य सुझाव प्राप्त करने के लिए अबुआ बजट पोर्टल और मोबाईल ऐप प्रारम्भ किया गया है। तीन सर्वश्रेठ सुझाव देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जायेगा। सुझाव देने की अंतिम तिथि 17-01-2025 है।

ऐसे भेजे सुझाव:

- अबुआ बजट पोर्टल **(https://finance.jharkhand.gov-.in/BudgetVichar)** अथवा अबुआ बजट **मोबाईल ऐप** पर स्वयं को पंजीकृत करें।
- होम पृष्ठ पर दिए गए स्थान पर अपना **मोबाइल नंबर अथवा ई-मेल भरें एवं ओटीपी जेनरेट** करने के लिए क्लिक करें और अपना पंजीकरण करें।
- मोबाइल पर आये हुए **ओटीपी एवं स्क्रीन पर दिखाये गए कैप्चा कोड** को उसके स्थान पर भरें एवं रजिस्ट्रेशन पेज में प्रवेश करें।
- **रजिस्ट्रेशन पेज में मांगे गए विवरण** को भर कर सुरक्षित (Save) करें।
- संबन्धित विभाग/क्षेत्र का चयन कर अपना **बहुमूल्य सुझाव पोस्ट** करें।
- Footnote में अंकित **Social Media पेज यथा फेसबुक, X, व्हाट्सएप, इन्स्टाग्राम अथवा ई-मेल** के माध्यम से भी आप अपने सुझाव दे सकते हैं।

https://finance.jharkhand.gov.in/BudgetVichar https://www.facebook.com/abuabudget
@AbuaBudget +91 8742887660 https://www.instagram.com/abuabudget abuabudget@gmail.com

वित्त विभाग, झारखण्ड सरकार

PR. No. 343608/IPRD/2024-25

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

5 साल की बच्ची लापता

नवादा (नि.सं.)। जिले के नरहट थाना क्षेत्र से रहस्मय तरीके से गायब 05 वर्षीय बच्ची का चार दिन बीत जाने के बावजूद सुराग नहीं मिला है। ऐसे में परिजन काफी परेशान और चिंतित है। जिला प्रशासन पुलिस टीम और डॉग स्क्वाड भेजकर लगातार सर्च अभियान चलाकर बच्ची की खोजबीन में जुटी हैं, लेकिन अबतक पुलिस के हाथ खाली है। एसपी अभिनव धीमान के नेतृत्व में छोटी पाली गांव के हर घरों की तलाशी लिया है। स्थानीय तिलैया जंक्शन पर पदस्थापित जीआरपी का सहयोग लिया गया। पुलिस बारीकी से हर बिंदु को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। परिजनों द्वारा अपहरण की आशंका जतायी जा रही है और किसी अनहोनी को लेकर काफी परेशान हैं। बता दें कि 01 जनवरी को पुलिस को बच्ची की लापता होने की सूचना मिली, सूचना मिलते हीं पुलिस हरकत में आयी और पुलिस टीम डॉग स्क्वाड की टीम के साथ घर पहुंचकर मामले की तहकीकात में जुटी है। बच्ची की बरामदगी के लिए दिया जाएगा धरना : -स्थानीय नेता व पूर्व मुखिया कन्हैया कुमार बादल ने पुलिस प्रसाशन की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करते हुए अनिश्चित कालीन धारणा देने की बात कहे हैं। उन्होंने कहा जिला और स्थानीय पुलिस प्रशासन निष्क्रिय है, चार दिन बीत गए, लेकिन अबतक कोई सुराग नहीं मिलना नवादा पुलिस की विफलता व सूचना तंत्र का कमजोर होना दर्शाती है। बच्ची कहां गयी और कैसे गयी यह प्रश्नचिंह बना हुआ है। कंपकंपाती ठंड में बच्ची- किस हाल में होगी यह सोचकर परिजन के हिम्मत टूट रहे हैं। हालांकि समाजसेवियों और स्थानीय लोगों द्वारा परिजनों को हिम्मत और साहस दिया जा रहा है। बता दें कि घटना जिले के नरहट थानाक्षेत्र अंतर्गत नगर परिषद क्षेत्र हिसुआ के छोटी पाली गांव की है,जहां से 05 वर्षीय बच्ची सांवी कुमारी उर्फ काव्या कुमारी पिता शिवशंकर सिंह गायब है। काव्या अपने ननिहाल छोटी पाली में थी, जहां वह घर के बाहर खेल रही थी, तभी बुधवार की दोपहर लगभग 02 बजे से रहस्मय तरीके से अचानक गायब हो गयी। लापता बच्ची काव्या का घर पकरीबरावां थानाक्षेत्र के असमा ग्राम है, वह अपना नानीघर छोटी पाली आयी हुई थी। बच्ची के नाना राजेश कुमार ने बताया बच्ची अचानक गायब हो गयी है। उन्होंने आशंका जताते हुए बताया कि किसी अपराधी द्वारा बच्ची का अपहरण कर लिया गया होगा। हालांकि अभी तक उन्हें अपहरण होने का किसी प्रकार का सूचना या जानकारी नहीं मिला है। घटना के बाद परिजन काफी परेशान है। बुधवार की दोपहर से लेकर शनिवार की सुबह तक काफी खोजबीन किया। सभी रिश्तेदारों एवं सगे-संबंधियों के यहां भी पता किया, लेकिन कोई जानकारी उन्हें नहीं मिली। बच्ची के गायब होने की सूचना परिजनों द्वारा थाना को दिया गया, जिसके बाद रजौली डीएसपी और थानाध्यक्ष पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले पूछताछ और जानकारी लिया। पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है। बच्ची की बरामदगी को लेकर आसूचना और आसपास के सीसीटीवी फुटेज निकाली जा रही है। छोटी पाली गांव के हर घरों की तलाशी ली जा रही है। तिलैया जंक्शन पर तैनात जीआरपी का भी मदद लिया जा रहा है। जल्द हीं बच्ची की बरामदगी की जाएगी। पुलिस अग्रेतर कार्रवाई में जुटी है।

रोजगार मेला, 206 युवाओं को मिला ऑफर

कौआकोल (नवादा) (नि.सं.)। बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति (जीविका) के प्रखंड परियोजना क्रियान्वयन इकाई कौआकोल द्वारा दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के अंतर्गत "चतुर्थ जनजातीय गौरव दिवस" के उपलक्ष्य में ग्रामीण युवाओं के रोजगार एवं स्वरोजगार हेतु रोजगार-सह-मार्गदर्शन मेला का आयोजन शनिवार को प्रखंड मुख्यालय परिसर में किया गया। जिसका उद्घाटन नवादा डीएम रवि प्रकाश एवं डीडीसी प्रियंका रानी ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर लोगों को सम्बोधित करते हुए डीएम ने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता से ही समाज में सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण संभव है। उन्होंने जीविका दीदियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाएं कुशल श्रमिक के रूप में अर्थव्यवस्था में बेहतर योगदान दे रही हैं। उन्होंने मेले में उपस्थित युवाओं से कंपनियों द्वारा प्रदान किए जा रहे अवसरों का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। उप विकास आयुक्त प्रियंका रानी ने इसे बेरोजगार युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर बताते हुए उन्हें अपनी योग्यता के अनुसार रोजगार प्राप्त करने और निरंतर आगे बढ़ने का संदेश दिया। जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक मनोज कुमार गिरी ने स्वागत भाषण में नवादा जिले में जीविका के अंतर्गत संचालित गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन जीविका के प्रबंधक-रोजगार ज्योति प्रकाश ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन कौआकोल के प्रखंड विकास पदाधिकारी अखिलेश कुमार ने किया। इस मेला में टाटा मोटर्स, इन्डो एम.आई.एम., कुएस क्रॉप लिमिटेड, वर्धमान ग्रुप, नवभारत फर्टीलाइजर्स, गार्डियन्स सिक्योरिटी फोर्स सहित कई प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया। मेला में 392 युवाओं ने निबंधन कराया, जिनमें से 206 युवाओं को रोजगार के लिए ऑफर लेटर प्रदान किया गया। 43 युवाओं को साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया गया और 105 आवेदकों को प्रशिक्षण के लिए चयनित किया गया। मौके पर नवादा सदर के अनुमंडल पदाधिकारी अखिलेश कुमार, गोपनीय शाखा पदाधिकारी राजीव कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अमरनाथ कुमार, अंचलाधिकारी मनीष कुमार, जीविका के प्रखंड परियोजना प्रबंधक हलधर दास सहित कई अधिकारी, जीविका दीदियां, कंपनियों के प्रतिनिधि एवं स्थानीय जन उपस्थित थे।

किसान अब ऐप से लें कृषि विद्युत कनेक्शन

विक्रमगंज (रोहतास) (नि.सं.)। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सासाराम अंतर्गत सभी प्रशाखा के कृषकों को कृषि कार्य यथा पटवन हेतु विद्युत कनेक्शन लेना आसान हो गया है। विद्युत कार्यपालक अभियंता, सासाराम ब्रविम ने बताया की आवेदकों को कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं है अब घर बैठे सुविधा एप्प के माध्यम से आवेदन समर्पित कर सकते हैं। मुख्यमंत्री विद्युत सहायता योजना के तहत बिहार विद्युत विनियामक आयोग द्वारा पटवन कार्य की दर 6.74 प्रति यूनिट निर्धारित की गई है। राज्य सरकार द्वारा इस हेतु 6.19 प्रति यूनिट की दर से अनुदान दिया जा रहा है। कृषि कनेक्शन पर राज्य सरकार द्वारा मिलने वाले अनुदान के कारण किसानों को पटवन कार्य के लिए बिजली केवल 55 पैसे प्रति यूनिट पर उपलब्ध कराई जा रही है। योजना का लाभ उठाने के लिए किसान सुविधा ऐप के माध्यम से आवेदन समर्पित कर सकते हैं। आगे बताया गया की सभी कृषक कृषि कार्य हेतु नया विद्युत कनेक्शन लेने के पश्चात ही विद्युत ऊर्जा का उपभोग करें एवं अनावश्यक होने वाली परेशानियों से बचें अन्यथा जांच के दौरान अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करते पाए जाने पर आर्थिक जुर्माना के साथ प्राथमिकी दर्ज कराई जा सकती है।

मुखिया और सचिव पर गबन का मामला दर्ज

नौहट्टा (रोहतास) (नि.सं.)। यदुनाथपुर थाना क्षेत्र के यदुनाथपुर पंचायत के मुखिया भोला चेरो एवं पूर्व पंचायत सचिव राजेंद्र प्रसाद पर बिना काम के सरकारी पैसा निकासी के मामले में स्थानीय थाना में प्राथमिक की दर्ज कराई गई है। बताया गया कि 2021–22 में मटियाव में पंचायत भवन, यदुनाथपुर के आदिवासी टोला में जलमीनार, नावाडीह में जलमिनार, यदुनाथ पुर के सामुदायिक भवन के मरम्मती के लिए मुखिया और पूर्व पंचायत सचिव के मिली भगत से गलत ढंग से पैसे की निकासी की गई थी। जिसको लेकर पंचायत सचिव योगेंद्र कुमार के द्वारा दोनों को आरोपी बनाते हुए आठ लाख सतासी हजार गबन का मामला दर्ज करवाया गया है।

पीएमजी व डीएम ने दीप प्रज्जवलित कर खेल प्रतियोगिता का किया उद्घाटन

निज संवाददाता | नवादा

भारतीय डाक विभाग, नवादा डाक मंडल के सौजन्य से बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। डॉ भीमराव अम्बेडकर बैडमिंटन इंडोर स्टेडियम में आयोजित डाक खेल प्रतियोगिता 2025 का उद्घाटन बिहार सर्किल के मुख्य डाक महाध्यक्ष अनिल कुमार तथा डीएम रवि प्रकाश ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। बैडमिंटन टूर्नामेंट में दर्जनों विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। साथ ही साथ बैडमिंटन हॉल से जुड़े हुए 35 प्लस आयु वर्ग के वेटरंस ने भी इस टूर्नामेंट आयोजन में हिस्सा लिया। इस दौरान अंडर-14 तथा अंडर-19 के बालक एवं बालिकाओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया। उद्घाटन पश्चात डीएम श्री प्रकाश ने कहा कि बच्चे बहुत ही प्रतिभावान है, इन्हे केवल मार्गदर्शन एवं मंच की आवश्यकता है। डीएम ने डाक विभाग के इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस आयोजन से जिले में खेल भावना को प्रोत्साहन मिलेगा। उद्घाटन के दौरान मुख्य डाक महाध्यक्ष, बिहार अनिल ने नवादा डाक मंडल के द्वारा इस आयोजन को सफल बनाने में जुड़े सभी इधिकारी, कर्मचारी, समाजिक कार्यकर्ता, खेल प्रेमियों, विद्यालय के फिजिकल टीचर तथा बच्चों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी एवं युवाओं को खेल के प्रति रूझान रखना चाहिए, इससे शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। उन्होंने कहा कि डाक विभाग लगातार आमलोगों के बीच जनसरोकार से जुड़े योजनाओं का धरातल पर लाने का प्रयास कर रही है। डाकघर वर्तमान में एक मॉल की तरह कार्य कर रहा है, जिसमें एक ही छत के नीचे विभिन्न प्रकार की सैकड़ों योजनाओं का लाभ आमलोगों को दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डाक विभाग के द्वारा इस खेल प्रतियोगिता का आयोजन एक अहम कड़ी है, जिससे युवा पीढ़ी तथा बच्चों के बीच खेल भावना को भी प्रोत्साहन मिलेगा। डाक विभाग ने इसकी पहल करते हुये खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया है। कार्यक्रम के संयोजक सह उद्घोषक श्रवण कुमार वर्णवाल एवं सह संयोजक गुलशन कुमार के अथक प्रयास से यह प्रतियोगिता की शुरूआत की गयी। इस दौरान जिला खेल पदाधिकारी नवीन कुमार पांडेय, ओएसडी राजीव कुमार, डाक अधीक्षक नालंदा कुंदन कुमार तथा डाक अधीक्षक नवादा नीरज कुमार चौधरी की गरिमामय उपस्थिति रही। मंचासीन सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। खेल प्रतियोगिता में भाग ले रहे सभी सफल प्रतिभागियों को 5 जनवरी 2025 को मुख्य डाक महाध्यक्ष अनिल कुमार के द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा। प्रतियोगिता को सफल बनाने में चीफ रेफरी मनीष कुमार, डिप्टी चीफ रेफरी राहुल कुमार, रेफरी राहुल यादव के अलावा अम्पायर के रूप में किशन कुमार, रौशन, स्मृति, तन्मय, अनुराग, अनिकेत कुमार एवं कोर्ट मैन के रूप में विक्की ने अपनी अहम भूमिका निभाई। मौके पर डाक विभाग के मार्केटिंग इक्जिक्यूटिव जितेन्द्र कुमार, डाक निरीक्षक नालंदा रामाशीष कुमार, सहायक डाक अधीक्षक दिनेष्वर साह, डाक निरीक्षक राहुल कुमार व रवि प्रकाश, कार्यालय पर्यवेक्षक सुभाष कुमार, मंडलीय लेखापाल रामकृष्ण प्रसाद, आशुलिपिक गौतम कुमार, डाकपाल नवादा अजय कुमार, डाक सहायक सोनू कुमार सिन्हा, प्रिंस कुमार, खुशबू कुमारी, प्रियंका कुमारी, स्वीटी कुमारी, अभिषेक कुमार, विनय कुमार, प्रवीण कुमार, गौरीशंकर, शंकर कुमार तथा मनीष कुमार आदि मौजूद थे।

गौशाला का दरवाजा तोड़ भैंस खोल ले भागे चोर

राजपुर (रोहतास) (नि.सं.)। बघैला थाना क्षेत्र मे मवेशी चोरी की घटना रूकने का नाम नहीं ले रहा है। गत वर्ष नवम्बर, दिसम्बर 2024 में बघैला, कुशधर व बराव गांव से हुई मवेशी चोरी की पुलिस तहकीकात कर ही रही थी कि नए साल के शुक्रवार की रात नोनियाडीह गांव निवासी योगेन्द्र चौधरी के गौशाला का दरवाजा तोड़ उसमें बाधी हुई भैस चोर खोल कर ले भागे।

पशुपालक द्वारा मवेशी चोरी की सुचना बघैला थाना को दे अज्ञात चोरों के विरूद्ध प्राथमिकी कराई गई है। प्राथमिकी में कहा गया है कि प्रति दिन की भांति योगेन्द्र अपने दोनों भैंस को गौशाला में बाध रात को घर में सो गया।

सुबह मवेशी को बाहर निकालने के लिए गौशाला पहुचा अपने भैस को न देख अवाक रह गया। काफी खोजबीन के बाद पता नहीं चलने पर थाना पहुच अज्ञात चोरों के विरूद्ध प्राथमिकी कराई।

बघैला थाना क्षेत्र में बढी मवेशी चोरी की घटना ने पशुपालकों की नीद उड़ा दी है। बघैला थानाध्यक्ष अंकुश मण्डल ने कहा कि चोरी की सुचना मिली है। बहुत जल्द ही उद्भेदन कर लिया जाएगा।

वारिसलीगंज में नए डाकघर भवन का निर्माण अतिशीघ्र : डाक महाध्यक्ष

निज संवाददाता | वारिसलीगंज (नवादा)

वारिसलीगंज उप डाकघर परिसर में नया व अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस डाकघर भवन का निर्माण होगा। उक्त बातें मुख्य डाक महाध्यक्ष अनिल कुमार ने वारिसलीगंज में शनिवार को आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान कही। इससे पहले डाक महाध्यक्ष ने वारिसलीगंज उप डाकघर का निरीक्षण किया। तत्पश्चात जीणोद्धार कार्य में लगी एजेंसी को दो सप्ताह के भीतर जीर्णोद्धार कार्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया। बाद में पत्रकार से बातचीत में कहा कि पिछले तीन वर्षों में नवादा के ग्रामीण इलाकों में कुल 62 शाखा डाकघर संचालित किया गया है। जबकि बीते 2024 के दिसम्बर माह तक 08 शाखा डाकघर खोला गया है। डाक महाध्यक्ष ने कहा कि जनवरी माह में 6 से 8 शाखा डाकघर नवादा में खोलने की योजना है। जिसमें काशीचक के रेवरा शाखा डाकघर शामिल होगा। उन्होंने प्रेसवार्ता के क्रम में क्षेत्र के युवाओ से डाक घर का फ्रेंचाइजी खोल कर अच्छी कमाई करने का आग्रह किया। इससे पूर्व वारिसलीगंज प्रखण्ड के वरनावां पंचायत की कुम्भी गांव में शाखा डाकघर का उदघाटन किया। मौके पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मुख्य डाक महाध्यक्ष अनिल कुमार ने डाक घर की विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि कुम्भी शाखा डाकघर खुलने से यहां के ग्रामीणों, महिलाओं के साथ-साथ आस-पास के कई गांवो के लोगो को काफी सुविधा मिलेगी। लोग डाकघर के विभिन्न योजनाओं का लाभ कुम्भी शाखा डाकघर से ही ले सकेंगें। चाहें बचत खाता हो, बच्चों का आधार बनाना हो या विभिन्न बैंकों के खाता धारक भी अपने पैसे का भुगतान डाकघर के माध्यम से कुम्भी शाखा डाकघर से ही सुविधा ले सकते है। कार्यक्रम के दौरान डाकघर से जुड़े विभिन्न योजनाओं का अपडेट से पत्रकारों को अबगत करवाया गया। जबकि डाक महाध्यक्ष ने डाक घर परिसर में पीपल का वृक्ष लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मौके पर डाक महाध्यक्ष के साथ अधिवक्ता चंद्रमौलि शर्मा, डाक अधीक्षक नवादा नीरज कुमार चौधरी, डाक उपाधीक्षक व वारिसलीगंज उप डाकघर के कर्मी आदि लोग उपस्थित रहे।

बघैला में मवेशी चोरी की घटना, पशुपालकों में हड़कंप

निज संवाददाता | राजपुर (रोहतास)

बघैला थाना क्षेत्र मे मवेशी चोरी की घटना रूकने का नाम नहीं ले रहा है। गत वर्ष नवम्बर, दिसम्बर 2024 में बघैला, कुशधर व बराव गांव से हुई मवेशी चोरी की पुलिस तहकीकात कर ही रही थी कि नए साल के शुक्रवार की रात नोनियाडीह गांव निवासी योगेन्द्र चौधरी के गौशाला का दरवाजा तोड़ उसमें बाधी हुई भैस चोर खोल कर ले भागे। पशुपालक द्वारा मवेशी चोरी की सुचना बघैला थाना को दे अज्ञात चोरों के विरूद्ध प्राथमिकी कराई गई है। प्राथमिकी में कहा गया है कि प्रति दिन की भांति योगेन्द्र अपने दोनों भैंस को गौशाला में बाध रात को घर में सो गया। सुबह मवेशी को बाहर निकालने के लिए गौशाला पहुचा अपने भैस को न देख अवाक रह गया। काफी खोजबीन के बाद पता नहीं चलने पर थाना पहुच अज्ञात चोरों के विरूद्ध प्राथमिकी कराई।

अंतरराष्ट्रीय कुडखड़ कोहां बेंज आयोजन को लेकर एसडीएम ने किया बैठक

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

प्रखंड क्षेत्र के रोहतासगढ़ किला परिसर में अंतरराष्ट्रीय कुडखड़ कोहां बोंजा समिति के साथ एसडीम सूर्य प्रताप सिंह ने बैठक किया। बताया गया कि कार्यक्रम 12 और 13 जनवरी को किला परिसर में किया जाना है। जिसको लेकर एसडीएम सूर्य प्रताप सिंह के द्वारा अंतरराष्ट्रीय कुडखर कोंहा बोंजा के अध्यक्ष सुदामा उरांव एवं अन्य समाजसेवियों के साथ कार्यक्रम के रूपरेखा पर वार्ता की गई कार्यक्रम के अध्यक्ष सुदामा उरांव ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से डेहरी एसडीएम ने हम सबों के साथ बैठकर कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विस्तृत रूप से विचार विमर्श किया। तथा यथा संभव जिला प्रशासन इस कार्यक्रम को सफल बनाने में भी मदद करेगी। जिसको लेकर कार्यक्रम के आयोजन कर्ता सहित आदिवासी समाजों में खुशी की लहर है। आयोजित कार्यक्रम के दौरान आदिवासी समाज के लोगों का मानना है कि रोहतासगढ़ उनके पूर्वजों की जन्मस्थली है जहां आदिवासी समाज के लोग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जुट कर पुस मांस की पूर्णिमा को दिन अपने पुरखों की धरती पर नमन करते हैं।

साइबर अपराध में लिप्त चार अपराधकर्मियों को पुलिस ने दबोचा

निज संवाददाता | वारिसलीगंज (नवादा)

साईबर अपराधकर्मियों के विरूद्ध कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पु०नि०-सह-थानाध्यक्ष रुपेश कुमार सिन्हा, वारिसलीगंज थाना के द्वारा टीम का गठन किया गया, जिसमें वारिसलीगंज थाना के पुलिस पदाधिकारी, सशस्त्र बल तथा चौकीदार को शामिल किया गया। उक्त टीम के द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर ग्राम फतहा स्थित पैक्स गोदाम से 100 मीटर पूरब स्थित बगीचा में कार्रवाई करते हुये छापामारी की गई। छापामारी में कुल 05 साईबर अपराधियों को पकड़ा गया है। इनके पास से 04 एंड्रोएड मोबाईल, 02 कीपैड मोबाईल को बरामद किया गया है। पकड़ाये अपराधियों से पूछताछ करने पर पता चला कि ये लोग लोन देने के नाम पर ग्राहकों को प्राप्त कस्टमर डाटा जिसमें ग्राहक का मोबाईल नंबर, नाम पता आदि के बारे जानकारी अंकित रहता है। उक्त कस्टमर डाटा में अंकित मोबाईल नंबर पर ये लोग संपर्क कर लोन देने के नाम पर ठगी का काम करते है। मौके पर से भागे अन्य अभियुक्तो की गिरफ्तारी हेतू लगातार छापामारी की जा रही है। गिरफ्तार व्यक्तियों में रणवीर कुमार पिता कमलेश प्रसाद सा० मुरारपुर थाना शेखपुरा जिला शेखपुरा। गुलशन कुमार पे० पारसनाथ सिह सा० फतहा थाना वारिसलीगंज जिला नवादा। सुरज कुमार पे० कारू तांती उम्र करीब 18 वर्ष सा० मीर बिगहा थाना वारिसलीगंज जिला नवादा एवं 02 निरूद्ध किये गये विधि विरूद्ध बालक भी शामिल है।

ट्रैफिक व्यवस्था का पालन कराने को कई वाहनों पर की गई कार्रवाई

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

नवादा एसपी अभिनव धीमान के निर्देश पर शुक्रवार की शाम को एसडीपीओ गुलशन कुमार के नेतृत्व में पुलिस बलों के सहयोग से विभिन्न चौक-चौराहों पर वाहन जांच अभियान चलाया गया। पुलिस के इस अभियान से वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। इस दौरान दर्जनों वाहनों की सघन जांच की गई। साथ ही कई वाहनों से जुर्माना भी वसूला गया। वहीं सड़क से गुजर रही अधिकांश दोपहिया वाहनों की डिक्की के साथ-साथ जरूरी कागजातों की भी जांच की जा रही थी। वहीं अनुमण्डल क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था का पालन कराने के लिए रजौली एसडीपीओ गुलशन कुमार भी भ्रमणशील दिखाई दिए। इसी क्रम में रजौली थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार पुलिस बलों की सहायता से वाहन जांच अभियान चलाया गया। एसडीपीओ ने बताया कि नवादा एसपी के द्वारा निर्देशित समकालीन अभियान के तहत शाम 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक पुलिस बलों के सहयोग से वाहन जांच किया गया। इस दौरान वाहनों के जरूरी कागजातों के अलावे हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस, ओवरलोडींग, नंबर प्लेट सहित अन्य चीजों का जांच किया गया। जांच के क्रम में दोषी पाए जाने वाले कई वाहनों का चालान किया गया। एसडीपीओ ने बताया कि अभी सबसे ज्यादा लोगों की मौत सड़क दुर्घटना में हो रही हे। इसका मुख्य कारण है कि लोग ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करते हैं व हेलमेट का उपयोग नहीं करते हैं। इसके अलावे बाइक पर ओवरलोडिंग सवारी कर वाहनों की गति तेज रखते हैं। एसडीपीओ ने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि अपने गंतव्य स्थान के लिए निकलने से पहले नियमित रूप से अपने वाहन के कागजात की जांच करना सुनिश्चित करें। वहीं उन्होंने मोटरसाइकिल चालक को जरूरी कागजातों व हेलमेट का उपयोग अवश्य करने की बात कही। उन्होंने कहा कि कई वाहन चालक हेलमेट साथ में रखने के बावजूद उसे अपने सर में लगाने के बजाय अपनी मोटरसाइकिल अथवा हाथ में लटका कर चलते हैं। उन्होंने कहा कि हेलमेट आपकी जीवन की सुरक्षा करता है,इसलिए हेलमेट पुलिस के चालान के डर से नहीं अपने आप की सुरक्षा के दृष्टिकोण से इसका उपयोग करें।

शराब के साथ बाइक पर बैठे दो व्यक्ति गिरफ्तार, एक वारंटी भी धराया

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

थाना क्षेत्र के बजरंगबली चौक पर एएसआई संतोष कुमार सिंह ने वाहन जांच के क्रम में एक बाइक पर सवार दो लोगों को शराब के साथ गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि वरीय पदाधिकारियों के निर्देश पर थाना क्षेत्र के बजरंगबली चौक एवं बाईपास चौक समेत अन्य चौक-चौराहों पर वाहनों की सघन जांच किया जा रहा था। जांच के क्रम में बजरंगबली चौक के समीप पुलिस बलों ने एक प्लैटिना पर बैठे युवकों को जांच हेतु रोका गया।जांच के क्रम में दो लीटर बरामद किया गया। शराब बरामदगी के बाद बाइक पर सवार दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार लोगों की पहचान गया जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र के पकरी गांव निवासी बालेश्वर मांझी के पुत्र सुनील मांझी एवं मानिकचंद मांझी के पुत्र बरन मांझी के रूप में हुई है। जब्त शराब व बाइक के अलावे गिरफ्तार लोगों के विरुद्ध बिहार उत्पाद अधिनियम के सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वहीं दूसरी ओर न्यायालय द्वारा निर्गत वारंट के आलोक में रमडीहा गांव निवासी प्रभु यादव के पुत्र बिनोद यादव को गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि तीनों गिरफ्तार लोगों को शनिवार को स्वास्थ्य जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

नहीं थम रही उर्वरक में कालाबाजारी की समस्या

निज संवाददाता | विक्रमगंज (रोहतास)

रबी फसलों के बीज अंकुरण के बाद सिंचाई का चारों तरफ हाहाकार मचा है और किसान उर्वरक के लिए दुकानों की दौड़ लगा रहे हैं। कभी पैक्स की ओर निगाहें घूमा रहे तो कभी स्थानीय विक्रेताओं के पास, इस आस में दौड़ लगाते हैं कि उर्वरक मिल जाए ताकि उन्हें सिंचाई के बाद रवि फसल के लिए खेतों में छिड़काव समय पर करने का मौका मिल जाए। लेकिन दुर्भाग्य है कि उर्वरक विक्रेताओं की मनमानी जबरदस्त पैमाने पर चालू है। कहीं तो उर्वरक रहने के बावजूद यह कह दिया जाता है कि दुकान में उर्वरक नहीं है तो कुछ लोगों ने यह कहकर ठगना शुरू कर दिया है कि युरिया लेने पर सल्फर लेना पड़ेगा और इसके लिए 100 से डेढ़ सौ रुपए अलग से देना पड़ेगा। मतलब साफ है कि वे एक बोरी यूरिया 400 में बेचकर अधिक से अधिक मुनाफा कमाना चाहते हैं। भले ही किसान की कमर टूट जाए और सरकार बार-बार प्रचार प्रसार के माध्यम से यह बतलाएं कि उर्वरक की चारों ओर प्रचुर मात्रा उपलब्ध करा दी गई है। लेकिन यह केवल दिखावा मात्र साबित हो रहा है। कुछ किसानों ने यहां तक बतलाया कि 400 से कम पर दुकानदार सुनने को तैयार नहीं है, तो कुछ किसानों ने यह भी कहा कि अधिकांश दुकानदार उर्वरक नहीं होने की बात कह कर हाथ खड़े कर दे रहे हैं।

अनियंत्रित कंटेनर के चपेट में आने से 8 वर्षीय बच्चे की हुई मौत, परिजनों में पसरा मातम

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

थाना क्षेत्र के दिबौर स्थित पुलिस कैम्प के समीप शनिवार की दोपहर एक अनियंत्रित कंटेनर की चपेट में 8 वर्षीय बच्चे की मौत घटनास्थल पर हो गई।मृतक की पहचान गढ़ दिबौर गांव निवासी मो. शाहनवाज के 8 वर्षीय पुत्र मो रियान के रूप में हुई है। घटना के बाद ग्रामीणों ने कंटेनर को भागने से रोक लिया।साथ ही कुछ उग्र ग्रामीणों ने चालक को पकड़ कर मारपीट भी किया और पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं मृतक बच्चे के परिजनों में मातम पसरा हुआ है।घटना की सूचना थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार को मिलने के बाद वे पुलिस बलों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे एवं घायल चालक को हिरासत में लेकर थाना भेज दिए। साथ ही सड़क जाम करने पर अड़े पीड़ित परिजनों एवं ग्रामीणों को समझा-बुझाकर यातायात को सुचारू रूप से संचालित करवाये। घटनास्थल के समीप ग्रामीण अरमान व शाहबाज आलम ने बताया कि बच्चा सड़क को पार कर घर जा रहा था, इसी क्रम में नवादा की ओर से आ रही कंटेनर संख्या डब्लूबी11डी5546 ने बच्चे पर चढ़ा दिया। इस सड़क दुर्घटना में बच्चे की मौत घटनास्थल पर हो ही गई। घटना की सूचना पर प्रखण्ड प्रमुख प्रतिनिधि बब्लू यादव एवं बीडीओ संजीव झा परिजनों से मिल सांत्वना दिया। वहीं बीडीओ ने पीड़ित परिजनों को सरकारी लाभ दिलवाने को आश्वस्त किया। वहीं थानाध्यक्ष ने बताया कि दुर्घटना में शामिल कंटेनर एवं चालक को पुलिस हिरासत में रखा गया है। वहीं मृतक बच्चे के शव का पोस्टमार्टम कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

मनरेगा पीओ पर हमलाकांड में पुलिस दबिश के कारण एक आरोपी का कोर्ट में सरेंडर

आरा। अगिआंव प्रखंड में मनरेगा के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी महेश कुमार पर हमला और गाड़ियों गाड़ी में तोड़फोड़ के कांड एक आरोपी पंचायत समिति सदस्य मुकेश यादव ने कोर्ट में सरेंडर किया है। मुकेश यादव वर्तमान में डिलिया पंचायत के पंचायत समिति सदस्य है। बताया जाता है कि मनरेगा अधिकारी पर हमला और तोड़फोड़ 19 दिसंबर 2024 को हुई थी। जब वे वरुणा पंचायत के मड़नपुर खेल मैदान का उद्घाटन कर वापस कार्यालय लौट रहे थे। रास्ते में वरुणा पंचायत भवन के पास नामजद आरोपियों ने कांड को अंजाम दिया। कार्यक्रम पदाधिकारी महेश कुमार ने अगिआंव प्रखंड के प्रमुख मुकेश यादव, मो. यासिम, पंचायत समिति सदस्य मुकेश यादव, नारायणपुर पंचायत के मुखिया भूपेंद्र यादव, रवि कुमार , ओमप्रकाश, पप्पू कुमार और ज्वाला के विरुद्ध थाना में एफआईआर किया था। जिसके बाद पुलिस ने घटना में शामिल यासिम को उसी समय गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। उसी केस के नामजद आरोपी मुकेश यादव ने शुक्रवार को कोर्ट में सरेंडर किया है। इस कांड में प्रखंड प्रमुख और मुखिया का नाम आने के बाद मनरेगा कर्मियों ने आक्रोश व्यक्त किया था। कई दिनों तक मनरेगा कार्यालय बंद रहा था। इधर नारायणपुर थाना के थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि कांड के नामजद आरोपी डिलिया पंचायत के मुखिया भूपेंद्र यादव और अगिआंव प्रखंड प्रमुख मुकेश यादव को जांच में रखा गया है।घटना के दिन मोबाइल फोन का लोकेशन और सीसीटीवी फुटेज घटना-स्थल से बाहर का मिला है। इंज्युरी हल्का होने का मिला लाभ नारायणपुर थाना के थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि घटना में जख्मी कार्यक्रम पदाधिकारी महेश कुमार का इंज्युरी हल्का होने के कारण कांड के आरोपी रवि कुमार, ओमप्रकाश, पप्पू कुमार और ज्वाला को नए कानून के तहत 41 का नोटिस दिया गया है। जिसके तहत इन लोगों को तत्काल राहत मिली है। लेकिन कोर्ट से जमानत कराना पड़ेगा। नए कानून के तहत 7 साल से कम सजा वाले विंदु पर आरोपी को नोटिस किया जाना है।

पुलिस ने 42 ग्राम हेरोइन के साथ दो तस्करों को पकड़ा

आरा। टाउन थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर टाउन थाना क्षेत्र के गौस गंज से 42 ग्राम हेरोइन के साथ एक महिला और एक पुरुष तस्कर को गिरफ्तार कर लिया लिया। गिरफ्तार तस्करों में टाउन थाना क्षेत्र के बड़की सिंगही गांव निवासी राजा पासवान पिता-स्व उदय पासवान और गौसगंज मोहल्ला के निवासी बबीता देवी (पति-शैलेश पासवान) है। राजा पासवान के पास से 22 ग्राम और बबीता देवी के पास से 20 ग्राम हेरोइन बरामद किया। एसपी श्री राज ने प्रेस वार्ता में बताया कि टाउन थाना की पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि थाना क्षेत्र गौस गंज में हेरोइन की तस्करी की जा रही है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने सूचना का सत्यापन कर उक्त स्थल पर छापेमारी कर हेरोइन तस्करी के आरोप में पुलिस ने पहले राजा पासवान को 22 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया। राजा के निशानदेही पर बबीता देवी को 20 ग्राम हेरोइन के साथ घर से गिरफ्तार किया गया।

वेलनेस सेंटरों पर सप्ताह में 3 दिन टीकाकरण

बक्सर। अब जिले के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों पर सप्ताह में तीन दिन टीकाकरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। द्वितीय चरण के टीकाकरण का उद्घाटन राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने सारण जिले के सोनपुर प्रखंड के शाहपुर हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर से किया। बक्सर में कार्यक्रम का आयोजन पाण्डेय पट्टी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर किया गया। डीएम अंशुल अग्रवाल ने उद्घाटन कर जिले में दूसरे चरण का टीकाकरण शुरू किया। उन्होंने वेलनेस सेंटर का निरीक्षण भी किया। उन्होंने कहा कि जिले के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने के उपाय किए जा रहे हैं। इसे ध्यान में रखते हुए अब हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों पर सप्ताह में 3 दिन टीकाकरण की शुरुआत की जा रही है। जिले के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर प्रत्येक सोमवार, मंगलवार और वृहस्पतिवार को टीकाकरण कराया जाएगा। बक्सर जिले में प्रथम चरण में सभी प्रखंडों के दो-दो कुल 22 चिह्नित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों पर टीकाकरण की शुरुआत पिछले वर्ष 15 सितंबर से की गयी है। जिले में द्वितीय चरण के लिए सभी प्रखंडों (चौगाई एवं केसठ को छोड़कर) के 19 चिह्नित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों पर टीकाकरण केन्द्र बनाया गया है। सोमवार, मंगलवार एवं वृहस्पतिवार को सभी गर्भवती महिलाओं एवं 0 से 5 वर्ष के सभी बच्चों को टीकाकरण किया जायेगा। एक वर्ष में 47600 बच्चों को टीकाकरण का लक्ष्य बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी गर्भवती महिलाओं एवं 5 वर्ष आयु के सभी बच्चों को 12 जानलेवा बीमारियों से बचाव के लिए पहले से ही जिले के लगभग 1900 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर टीकाकरण सत्र का प्रत्येक माह आयोजन किया जाता है। प्रत्येक वर्ष 1 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 47600 बच्चों को पूर्ण टीकाकरण से अच्छादित करने का लक्ष्य है। परंतु, कुछ बच्चे अब भी पूर्ण टीकाकरण से वंचित रह जाते हैं। इस लक्ष्य के शत-प्रतिशत उपलब्धि के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। पहले दिन 14 नवजात शिशु व तीन गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण टीकाकरण सत्र में 14 नवजात शिशु और 03 गर्भवती माताओं का टीकाकरण किया गया। इस दौरान जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. विनोद प्रताप सिंह, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सदर प्रखंड डॉ. विंध्याचल सिंह, बीडीओ साधु शरण पाण्डेय, बीएचएम प्रिंस कुमार सिंह, डीपीएम मनीष कुमार, सीएचओ श्वेता सिंह, एएनएम किरण कुमारी, जिला अनुश्रवण एंड मूल्यांकन पदाधिकारी, जिला सामुदायिक उत्प्रेरक, एसएमसी युनिसेफ, वीसीसीएम यूएनडीपी, प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक, आशा कार्यकर्ता एवं लाभार्थी उपस्थित थे। सदर पीएचसी के बीएचएम प्रिंस कुमार सिंह ने बताया कि हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, पाण्डेयपट्टी में पदस्थापित सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, श्वेता सिंह और एएनएम किरण कुमारी पदस्थापित हैं। यह संस्थान प्रत्येक कार्यदिवस को संचालित है।

सरकारी उपेक्षा व शिक्षकों के अभाव में वर्ष 1964 में स्थापित यह आज खस्ता-हाल

आरा। कई जिले के नेत्रहीन विद्यार्थियों को शिक्षा देने और उनको ब्रेल-लिपि सिखाने के लिए प्रसिद्ध भोजपुर जिले का श्री आदिनाथ नेत्रविहीन विद्यालय अब खुद अपना अस्तित्व खोने लगा है। यह नेत्रहीन विद्यालय; आरा शहर के धनपुरा में हैं। इस विद्यालय का हाल इन दोनों खस्ता-हाल है। यहां शिक्षकों की कम संख्या है। संसाधन और तकनीक समय के अनुसार नहीं है। बिहार सरकार से मात्र शिक्षकों का दो पद सृजित है। लेकिन दोनों पद पर वर्तमान में कोई शिक्षक नहीं है। ट्रस्ट की से भी दो पद शिक्षकों के लिए सृजित है। इनमें मात्र एक पद पर शिक्षिका कार्यरत है। विद्यालय की नींव 9 सितंबर 1964 को रखी गई थी। दृष्टिहीन विद्यालय होने के कारण यहां कई बच्चें ब्रेल-लिपि की शिक्षा लेने के लिए आते हैऊ। यहां से पढाई पूरी कर चुके कई विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्र में बेहतर नौकरी और अध्ययन-अध्यापन कर रहे हैं। इसके बावजूद शासन-प्रशासन की उपेक्षा के कारण यह विद्यालय संसाधनों के अभाव में दम तोड़ रहा है। पहले इस विद्यालय में ब्रेल लिपि व संगीत के अलावा वोकेशनल कोर्स की भी पढ़ाई होती थी। अब वोकेशनल कोर्स की पढ़ाई बंद कर दिया गया है। पूर्व प्राचार्य जय प्रकाश पाठक ने बताया कि विद्यालय में वर्ग- एक से आठ तक पढ़ाई ब्रेललिपि में कराया जाता है। भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, पटना, औरंगाबाद, अरवल, खगड़िया एवं बाढ़ और अन्य जिले के दृष्टिहीन बच्चें यहां पर ब्रेल लिपि पढ़ने आते हैं। ब्रेल लिपि के महत्व को देखते हुए श्री आदिनाथ ट्रस्ट ने 9 सितंबर 1964 को आरा में नेत्रहीन विद्यालय का स्थापना किया। लोगों ने कहा- इसके अस्तित्व के बचाने की जरूरत है। सरकारी उपेक्षा का दुष्परिणाम, 17 विद्यार्थी नामांकित ट्रस्ट से नियुक्त शिक्षिका सुनीता देवी ने बताया कि अभी वर्तमान में 17 विद्यार्थी नामांकित है। इनमें 4 विद्यार्थी बक्सर जिला एवं 5 रोहतास जिला के है। अभी 6 विद्यार्थी उपस्थित है। अन्य विद्यार्थी कार्यक्रम में बाहर गए है। संदेश प्रखंड के श्याम किशोर शर्मा ने बताया कि इस विद्यालय से वर्ष 2001 से 2009 तक ब्रेललिपि का प्रारंभिक पढ़ाई किया। पंजाब नेशनल बैंक में कार्यरत हूं। खगड़िया जिला के परवता गांव कनिवासी अमित कुमार सिंह ने वर्ष 2002 से 2007 तक ब्रेल लिपि इसी विद्यालय से पढ़ा। वे यूपी के अलीगढ़ में आर्यावत ग्रामीण बैंक में कार्यरत हैं। बक्सर जिले के नेनुआ गांव निवासी सुशील राम श्री आदिनाथ नेत्रविहीन विद्यालय में ब्रेल लिपि पढ़ाई करने के बाद अभी दिल्ली यूनिवर्सिटी में हिन्दी साहित्य की पढ़ाई कर रहे हैं। बड़हरा प्रखंड के पोरहा गांव निवासी संतोष गिरी ब्रेल लिपि का अध्ययन कर दिल्ली में संगीत शिक्षा लोगों को दे रहे है।

हत्या के विरोध में परिजनों ने किया सड़क जाम

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के भरखरा गांव में न्यू ईयर पार्टी के दौरान युवक की हत्या कर दी गई। 2 दिन बाद आरोपी ने सरेंडर कर दिया। पुलिस से कहा कि शराब पार्टी के विवाद में मारपीट के बाद उसने मर्डर कर दिया है। उसके घर में लाश पड़ी है। उसने घर का ताला बाहर से लगा दिया है। मृतक संजय पासवान की पत्नी ने पांच लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। इनका कहना है कि सभी ने फोन कर पति को बुलाया था। हत्या से आक्रोशित लोगों ने शनिवार को बक्सर स्टेट हाइवे को जाम कर दिया। परिजनों ने मुआवजे और बच्चों की पढ़ाई लिखाई का खर्च, नौकरी आदि की मांग की। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हत्या करने वाले सर्वानंद उपाध्याय ने पूछताछ में जानकारी दी है कि पीने के बाद गाली गलौज के कारण विवाद बढ़ गया। इस पर लाठी से पीटकर हत्या कर दी। पुलिस इस मामले में गहनता से जांच करने का दावा कर रही है।

पति को फोन कर बुलाया था: पत्नी पार्वती देवी ने कहा कि न्यू ईयर के दिन पति को फोन कर के बुलाया। शराब पार्टी करने के बाद उनकी हत्या कर दी गई है। मामले की जानकारी तीन दिन बाद हमें हुई है। जब वो काफी समय बाद घर नहीं लौटे तो उनके फोन पर कॉल किया। उनका फोन उठाकर कोई उधर से बोला नहीं। मोबाइल बंद कर दिया गया। आरोपी सर्वानाद के घर गए तो घर में ताला मारा हुआ था। सभी गायब थे। अपने पति को सभी परिवार के साथ मिलकर ढूंढ रहे थे। पत्नी ने आरोपी से बच्चों के परवरिश के लिए दो बीघा जमीन की मांग की है।

तीन दिन तक हत्यारे के घर में बंद रहा का शव: बता दें की संजय पासवान (45) की हत्या का खुलासा तब हुआ। जब हत्या करने वाले सर्वानंद उपाध्याय ने राजपुर थाना में खुद पहुंच कर आत्म समर्पण कर दिया। पुलिस को बताया कि अपने दोस्त संजय पासवान की हत्या लाठी से मारकर कर दी है।जिसका शव घर में बंद है। जिसके बाद पुलिस ने हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। सर्वानंद उपाध्याय के घर को खोल शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। मृतक की पत्नी का कहना है कि पहले से कोई दुश्मनी नहीं थी। दोनों दोस्त थे। मृतक के भाई राजू पासवान ने कहा कि पहले से कोई दुश्मनी नहीं थी। लेकिन किसके मन क्या चल रहा है। यह कौन जानता है।

कई लोगों ने मिलकर की हत्या: पार्टी के दौरान सभी लोगो ने शराब पीने के बाद भाई की हत्या की है। मेरे भाई को कोई एक आदमी नहीं मार सकता था। कई लोगों ने मिलकर हत्या की है।

परसदा गांव में युवक की संदिग्ध स्थिति में मौत

निज संवाददाता। बक्सर

- बक्सर में हत्या की आशंका, पुलिस कर रही जांच

बक्सर के धनसोई थाना क्षेत्र के परसदा गांव में एक 25 साल के युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान चतुरी चौधरी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। मृतक की पत्नी ने पुलिस को बताया कि चतुरी चौधरी की मौत असहनीय पेट दर्द के कारण हुई है। हालांकि, स्थानीय लोगों ने मामले को संदिग्ध मानते हुए पुलिस को सूचना दी। धनसोई थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश सिंह ने बताया कि मृतक के गले पर कुछ निशान पाए गए है, इससे मामला सामान्य नहीं लगता है। पुलिस ने हत्या की आशंका को ध्यान में रखते हुए जांच शुरू कर दी है। सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

चौसा नगर पंचायत का अखौरीपुर गोला बनेगा वाई-फाई जोन

निज संवाददाता। बक्सर

- बक्सर में दिल्ली की तरह मिलेगी फ्री वाई-फाई सुविधा, शिक्षा के क्षेत्र में होगा उपयोग

बक्सर के चौसा नगर पंचायत में लोगों को दिल्ली की तरह फ्री वाई-फाई की सुविधा मिलेगी। नगर पंचायत के वार्ड संख्या 12 में वाई फाई जोन बनाया जाएगा। इससे शहर वासियों को मुफ्त में वाई-फाई की सेवा मिलेगी। बताया गया कि वार्ड 12 के अखौरीपुर गोला शिक्षा का हब है। जहां पर महाविद्यालय के साथ कई निजी विद्यालय और कोचिंग संस्थान है। ऐसे में बच्चो को पढ़ाई करने में सहूलियत होगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए नगर पंचायत के चेयर मैन प्रतिनिधि डॉ मनोज यादव ने कहा कि अखौरीपुर गोला को वाई फाई जोन बनाया जा रहा है। इसका उपयोग शिक्षा के क्षेत्र में किया जाना है। नगर पंचायत के सशक्त समिति की बैठक में इसको सर्वसम्मति से पास किया जा चुका है। बहुत जल्द ही इस पर काम भी शुरू हो जाएगा। फ्री वाई-फाई सुविधा लेने के लिए उपभोक्ताओं को एक पासवर्ड दिया जाएगा।

ब्याह कर आई हूं, दोबारा बांग्लादेश नहीं जाऊंगी

निज संवाददाता। आरा

देश में नागरिकता संशोधन अधिनियम-2019 (सीएए) लागू होने के बाद बिहार में एक विदेशी महिला को पहली बार भारतीय नागरिकता प्रदान की गई है। इस महिला के पास बांग्लादेश की नागरिकता थी। वह भोजपुर जिले में 39 वर्षों से रह रही हैं। लेकिन, देश में सीएए कानून लागू होने के बाद इन्होंने भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन किया था। भारतीय विदेश मंत्रालय, सीबीआई, भारतीय डाक विभाग, पासपोर्ट विभाग, बिहार सरकार व सीआईडी की जांच के बाद अब तक बांग्लादेशी नागरिक रहीं सुमित्रा रानी साहा को गुरुवार को भारतीय नागरिक घोषित कर दिया गया है। लेकिन सुमित्रा को भारतीय नागरिक बनने में 39 वर्ष तक कठिन प्रयास करना पड़ा। उनकी शादी वर्ष 1985 में हुई। इसके बाद में भोजपुर जिला आई थी। अभी इनकी उम्र 60 वर्ष है। यहां इनका अपना परिवार है। इन्हें भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के लिए कई बार अपनी बेटी के साथ कार्यालयों का चक्कर काटती रहीं। उनका पासपोर्ट बंगलादेश का था। भारत में रहने के लिए इनको बार-बार वीजा रिन्यूअल कराना पड़ता था। अभी भी वीजा वर्ष-2025 तक अपडेट है। लेकिन इससे वह स्थाई रूप से भारतीय नागरिक बनने के लिए इस झमेला से छुटकारा पाना चाहती थी। इस बीच देश में कानून लागू हुआ। इससे सुमित्रा के मन में आस जगी। परिवार के सहयोग से भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन की। भारतीय नागरिकता देने के लिए महिला के कागजातों की कोई स्तर से जांच की गई। सीबीआई ने भी मामले पर काफी जांच किया। इसके बाद सीबीआई की रिपोर्ट और अन्य कागजातों की जांच के बाद अंततः सुमित्रा रानी साहा को भारतीय नागरिकता प्रदान कर दी गई है। पति के निधन के बाद जीविकोपार्जन के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी पति के निधन के बाद सुमित्रा रानी साहा का जीवन काफी संघर्षमय रहा। परिवार के जीविकोपार्जन के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी। उनका यह मानना था कि एक बार ससुराल आ गई हूं; दुबारा बांग्लादेश जाकर नहीं बसूंगी। यहां की नागरिकता के लिए जो भी संघर्ष होगा, वह किया जाएगा। इस कार्य मे उनकी बेटी ने काफी सहयोग किया। भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के लिए बेटी लगातार सरकारी विभागों के पोर्टल पर नियमों का अध्ययन करती रही। बेटी को जैसे ही नागरिकता संशोधन अधिनियम-2019 (सीएए) की जानकारी हुई, आवेदन कर दिया गया। परिवार ने सरकारी प्रक्रियाओं का अनुपालन किया। डाक अधीक्षक एवं समिति के सदस्य पवन कुमार ने बताया कि काफी गोपनीय तरीके से पूरी जांच की गई।

5 डिसमिल जमीन दिलाने का वादा कर वसूली

निज संवाददाता। बक्सर

सदर प्रखंड कार्यालय में एक व्यक्ति ने महिलाओं को 5 डिसमिल जमीन दिलाने का वादा करते हुए उनसे 10 रुपए वसूले। इस प्रक्रिया में कुल 146 फॉर्म अंचल कार्यालय में जमा किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, उस दिन एक व्यक्ति ने खुद को जिले के अरियांव गांव का निवासी और जन संघर्ष मोर्चा का संयोजक सुरेंद्र प्रसाद उपाध्याय बता कर प्रखंड कार्यालय के बाहर उपस्थित कई महिलाओं से बातचीत शुरू की। उन्होंने महिलाओं को 5 डिसमिल जमीन दिलाने का वादा किया और इसके लिए फार्म भरने का आग्रह किया। फॉर्म भरने के बदले में उनसे 10 रुपए की राशि ली जा रही थी। जब महिलाओं ने पूछा कि यह योजना किस सरकारी कार्यक्रम के तहत चल रही है, तो सुरेंद्र प्रसाद उपाध्याय ने स्पष्ट जानकारी देने से इनकार किया। अंततः उन्होंने यह स्पष्ट किया कि यह मांग सरकार से की जा रही है कि भूमिहीनों को 5 डिसमिल जमीन प्रदान की जाए।

गरीबों की लड़ाई लड़ने में आता खर्च: फार्म भरने के पीछे उनका उद्देश्य सरकार तक महिलाओं की मांग पहुँचाना था। जब उनसे पूछा गया कि वे रुपए क्यों वसूल रहे हैं, तो उन्होंने शुरुआत में मना कर दिया, लेकिन बाद में बताया कि गरीबों की लड़ाई लड़ने में खर्च आता है और इसके लिए बक्सर से पटना तक संघर्ष करना पड़ता है। अंचल कार्यालय के एक कर्मी ने इन फार्मों को स्वीकार किया और कुल 146 फॉर्म जमा कराए। हालांकि, अंचल कार्यालय के कर्मियों ने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये फॉर्म किस योजना के तहत जमा किए जा रहे थे।इस घटना के बाद, सदर प्रखंड विकास पदाधिकारी साधु शरण पांडेय मौके पर पहुंचे और महिलाओं को वहां से हटवा दिया।

जांच के बाद होगी कार्रवाई: अंचलाधिकारी प्रशांत शांडिल्य ने बताया कि इन आवेदनों की गहन जांच की जा रही है ताकि सही जानकारी सामने आ सके और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जा सके। स्थानीय प्रशासन ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। महिलाओं से अनुरोध किया गया है कि वे यदि इस घटना से संबंधित कोई अतिरिक्त जानकारी प्रदान कर सकें तो प्रखंड कार्यालय से संपर्क करें। इस प्रकार, सदर प्रखंड कार्यालय में महिलाओं से 10 रुपए वसूलकर 5 डेसिमल जमीन दिलाने की इस घटना ने ग्रामीण क्षेत्रों में भरोसे की कमी को उजागर किया है और प्रशासन ने इसे रोकने के लिए तत्परता दिखाई है।

बीपीएससी परीक्षा रद्द करने व अभ्यर्थियों पर लाठी चार्ज के विरोध में सड़क जाम

निज संवाददाता। आरा

बीपीएससी अभ्यर्थियों के मांगों के समर्थन एवं लाठी चार्ज के विरोध में छात्र युवा शक्ति भोजपुर के कार्यकर्ताओं ने आरा के धोबीघटवा के समीप सड़क जाम किया। जन अधिकार पार्टी के जिलाध्यक्ष आशुतोष सिंह ने कहा कि एसएसी अभ्यर्थी पटना के गर्दनीबाग में पिछले 16 से 17 दिनों से लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन उनका सरकार अनदेखी कर रही है। छात्र और युवा देश के भविष्य होते है इनके साथ यह खिलवाड़ ठीक नहीं है। पूर्णिया सांसद माननीय राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के आवाहन पर सड़क जाम कर अभ्यर्थियों का समर्थन किया गया है। जाप नेता डॉ कुमार ने कहा कि जब तक अभ्यर्थियों की मांगे सरकार नहीं मान लेती है, तब तक विरोध में धरना प्रदर्शन, रोड जाम छात्र युवा शक्ति भोजपुर करती रहेगी। रघुपति यादव ने कहा कि इस कड़ाके की ठंड में पटना के गर्दनीबाग में धरना प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों के साथ लाठी डंडे चलाना व वॉटर कैनल से पानी बरसाना ठीक नहीं है। मानवाधिकार भी इस मामले में कुछ नहीं बोल रही है। नीतीश सरकार को इसके प्रति सकारात्मक रवैया अपनाना चाहिए। मनोज सिंह ने कहा कि पटना के गर्दनीबाग में धरना प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर लाठी बरसाने के मामले में सिटी एसपी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दोषी पुलिस कर्मियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। संजय यादव उर्फ नेताजी ने कहा कि प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों पर हुए एफआइआर को तुरंत वापस लिया जाय। मौके पर अजय कुमार सुमन, सुजीत कुशवाहा, मनोज यादव, कुणाल सिंह, अभिनव सिंह, गुड्डू यादव आदि मौजूद थे।

स्कूल में पढ़ाई छोड़ अलाव तापते नजर आए शिक्षक

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में ठंड के मौसम में बच्चों के लिए स्कूल का समय बदल गया है। करहंसी उच्च स्कूल में शनिवार को शिक्षक कक्षाओं को छोड़कर अलाव जलाकर आग तापते नजर आए। बच्चे भी पढ़ाई छोड़ इधर उधर घूमते नजर आए है। जिसका वीडियो बना कर किसी ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। ग्रामीणों के मुताबिक, सुबह 11:30 बजे स्कूल परिसर में शिक्षक-शिक्षिकाएं अलाव के पास बैठे थे, जबकि बच्चे परिसर और उसके बाहर घूमते देखे गए। जब ग्रामीणों ने शिक्षकों से सवाल किया, तो उन्हें फटकार लगाकर भगा दिया गया।

ग्रामीणों ने जताई नाराजगी: ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों की पढ़ाई के प्रति इस तरह की लापरवाही अनुचित है। उन्होंने कहा, "अगर ठंड के मौसम में स्कूल खोले गए हैं, तो शिक्षकों को पढ़ाई करानी चाहिए। लेकिन यहां बच्चे अनदेखा किए जा रहे हैं, और शिक्षक खुद को आराम देने में लगे हैं।" ग्रामीणों ने बताया कि जब उन्होंने शिक्षकों से बातचीत की कोशिश की, तो शिक्षकों ने नाराजगी जाहिर की और उन्हें धमकाकर वहां से भगा दिया। "शिक्षकों के इस रवैये से हम हैरान हैं। उनके पास बच्चों की जिम्मेदारी है, लेकिन वे इसे गंभीरता से नहीं ले रहे।"

जिला शिक्षा पदाधिकारी ने टिप्पणी करने से किया इनकार: इस मामले में जिला शिक्षा पदाधिकारी अमरेंद्र पांडेय ने मीटिंग में होने का हवाला देते हुए फिलहाल कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। ग्रामीणों और अभिभावकों को उम्मीद है कि जिला प्रशासन इस मामले में सख्त कदम उठाएगा। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल और शिक्षा विभाग शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उम्मीद की जा रही है कि इस मामले में उचित जांच होगी और दोषी शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि स्कूलों में शैक्षणिक माहौल सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कदम उठाया जाएं।

शहरी स्वास्थ्य मिशन पर हुआ उन्मुखीकरण कार्यशाला

निज संवाददाता। आरा

स्वास्थ्य विभाग द्वारा शहरी स्वास्थ्य मिशन पर उन्मुखीकरण कार्यशाला ग्रीन हेवेन रिजॉर्ट में शुक्रवार को हुआ। शहरी स्वास्थ्य मिशन के तहत हुए इस कार्यशाला में मेयर समेत नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्ड पार्षद शामिल थे। सिविल सर्जन शिवेंद्र कुमार सिन्हा ने सिविल सर्जन डॉ सिन्हा ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का कार्यक्रम, सदर अस्पताल के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, रेफरल अस्पताल, अनुमंडलीय अस्पताल व सभी हेल्थ एंड वैलनेस केंद्र पर हो रहा है। आरा शहर में 4 शहरी स्वास्थ्य केंद्र धनुपरा, गौसगंज, मौला बाग अनाईठ कार्य कर रहे हैं। वार्ड पार्षद से अनुरोध है कि अपने-अपने वार्ड की जनता को इन केंद्र से टीकाकरण और परिवार कल्याण कार्यक्रम व अन्य स्वास्थ्य सुविधा मुहैया उपलब्ध कराने में सहयोग करें। मेयर इंदु देवी ने हर तरह के स्वास्थ्य विभाग को सहयोग देने का आश्वासन दिया। एसीएमओ डॉ सिन्हा ने कहा कि सभी वार्ड पार्षद सहयोग करें ताकि गरीब जनता को स्वास्थ्य सेवा मुहैया हो सके। अश्विनी कुमार ने कहा कि शहर का उन्मुखीकरण, स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में बहुत ही जरूरी है, ताकि गरीब एवं पीड़ित लोगों को स्वास्थ्य सेवा समुचित मिल सके। इस दौरान वार्ड पार्षदों की बातों कोई निष्कर्ष नहीं निकलने पर सभी वार्ड पार्षद विरोध करते हुए बाहर निकल गए। समुचित स्वास्थ्य सुविधा हो बहाल : वार्ड पार्षद स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में 180 तरह की दवा उपलब्ध है एवं 51 तरह की जांच होती है। वार्ड नंबर 35 की पार्षद उषा की तरफ से आये अरुण कुशवाहा उर्फ टुनटुन ने कहा कि मैं पिछले दिनों धरहरा स्वास्थ्य केंद्र पर वार्ड के लोगो के साथ गया था वहा न डॉक्टर थे और कोई जांच केंद्र नहीं खुला था। वार्ड पार्षद फैज अहमद ने कहा कि शहर के सभी प्राथमिक उपचार केंद्रों व सदर अस्पताल में समुचित इलाज नहीं मिल पाता। जांच के नाम पर प्रताड़ित किया जाता है। एसएनसीयू में बेड बढ़ाई जाय। डिलीवरी वार्ड में डॉक्टर और नर्स इमरजेंसी कह कर मरीज को रेफर कर देते है। इमरजेंसी वार्ड में दो डॉक्टरों को नियुक्त किया जाए। वार्ड पार्षद रंजीत कुमार ने कहा कि सभी वार्ड में मेडिकल कैम्प लगाया जाय। राहुल चौरसिया ने स्वास्थ्य विभाग के वरीय अधिकारियों एवं वार्ड पार्षदों के वाट्स एप ग्रुप बनाने की बात कहीं।डॉक्टर और स्टाफ को पहचान पत्र निर्गत करे। वार्ड पार्षद रंजना श्रीवास्तव की तरफ से आये अभी श्रीवास्तव ने मौला बाग़ पीएचसी की असुविधाओं को बताया। मौके पर वार्ड पार्षद राजिव कुमार,अंकित कुमार वर्मा, डॉ जितेंद्र कुमार, संध्या देवी, मालती देवी, प्रभावती देवी, सीता देवी, प्रयाग यादव, श्रीकांत, सम्राट सक्सेना उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

223 विशिष्ट शिक्षकों की हुई काउंसलिंग

भागलपुर। डीआरसीसी में दूसरे चरण की सक्षमता परीक्षा पास शिक्षकों की काउंसलिंग में शुक्रवार को 250 शिक्षकों में 236 ही पहुंचे। इनमें से 223 की काउंसलिंग हुई, जबकि 13 शिक्षकों की काउंसलिंग आधार ओटीपी नहीं आने और अन्य कारणों से नहीं हो सकी। स्थापना शाखा के डीपीओ देवनारायण पंडित ने 223 शिक्षकों की काउंसलिंग होने की पुष्टि की है।

बच्चों का होगा साप्ताहिक मूल्यांकन

भागलपुर। जिले के सरकारी स्कूलों में अब प्रत्येक सोमवार को बच्चों का साप्ताहिक मूल्यांकन होगा। इसमें पहली से 12वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को अनिवार्य रूप से शामिल होना है। मूल्यांकन रिपोर्ट जारी कर अभिभावकों को इससे अवगत कराया जाएगा। शिक्षा विभाग के निर्देश पर इसे लागू कर दिया गया है। जिले के 6 लाख छात्र-छात्राओं का पहली बार साप्ताहिक मूल्यांकन होगा। मासिक मूल्यांकन को बंद कर त्रैमासिक, अर्द्धवार्षिक और वार्षिक परीक्षा की शुरुआत की गई है। यह परीक्षा विद्यालय स्तर पर आयोजित की जायेगी। वहीं त्रैमासिक, अर्द्धवार्षिक व वार्षिक परीक्षा विभाग के स्तर पर होगी।

सचिव पर वित्तीय गड़बड़ी के आरोप की आज शुरू होगी जांच

भागलपुर। डीएनएस कॉलेज भूसिया रजौन की गवर्निंग बॉडी के सचिव और टीएमबीयू के प्रतिनिधि अवधेश रजक पर लगाए गए वित्तीय गड़बड़ी के आरोप की जांच शनिवार से शुरू होगी। जांच विवि के कॉलेज इंस्पेक्टर प्रो. संजय कुमार झा करेंगे। बताया कि व्यस्तताओं के कारण शुक्रवार को जांच शुरू नहीं हो सकी। वे इसे शनिवार को शुरू करेंगे। सचिव पर कॉलेज के प्राचार्य ने बिना पत्र के मौखिक रूप से सचिव बने रहने व सेवानिवृत्त कर्मियों के चेक पर दस्तखत नहीं करने का आरोप लगाया है।

20 सरकारी अनुदानित स्कूलों से 24 घंटे में मांगा स्पष्टीकरण

भागलपुर। जिले के सरकारी व निजी स्कूलों में 31 दिसंबर तक अपार आईडी बनाने का निर्देश अपर मुख्य सचिव ने दिया था। जिसमें 20 सरकारी अनुदानित स्कूल इन स्कूलों से 24 घंटे के अंदर अपार नहीं बनाने को लेकर शिक्षा विभाग ने स्पष्टीकरण मांगा है। 135 निजी स्कूलों के बच्चों का अपार आईडी नहीं बना है। पिछले तीन माह में सात बार सभी स्कूलों पर कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। शिक्षा विभाग ने एक भी स्कूलों पर अब तक कार्रवाई नहीं की है। जिले में 30 से अधिक निजी स्कूलों ने नए यू डाइस पोर्टल पर स्कूल का ब्यौरा अपलोड नहीं किया है। पूर्व प्राथमिक शिक्षा निदेशक ने सभी निजी स्कूल संचालक के साथ बैठक भी की था। सभी संचालकों को डाटा अपलोड करने का निर्देश दिया गया था। एक वर्ष बीत जाने के बाद भी इन 30 स्कूलों ने यू डाइस पर डाटा डाटा अपलोड नहीं किया है। वहीं शिक्षकों का कहना है कि तकनीकी परेशानी के कारण अपार नहीं बनाया जा रहा है। छात्रों के आधार में कहीं माता - पिता का नाम तो कहीं का पता गलत है। इस कारणवश से इंट्री नहीं हो पा रही है। डीईओ राजकुमार शर्मा ने कहा कि जिनको समस्या है, वो शिक्षा विभाग के कर्मी से अपनी परेशानी को साझा कर सकते हैं।

छात्रों ने डीएसडब्ल्यू को बताई शिक्षक और संसाधन की कमी

भागलपुर। टीएनबी कॉलेज में पीजी केमिस्ट्री के छात्रों ने फिजिकल केमिस्ट्री के शिक्षक की कमी और अन्य समस्याओं को लेकर शुक्रवार को टीएमबीयू में विरोध प्रदर्शन किया। छात्र डीएसडब्ल्यू कार्यालय के बाहर बैठ गए। डीएसडब्ल्यू प्रो. बिजेन्द्र कुमार ने छात्रों से मिलकर उनकी समस्या हल करने का आश्वासन दिया। छात्र खालिद, अमृतांशु, राधा, अनिमेश, शोभा भारती और अन्य ने कहा कि कॉलेज में केमिस्ट्री की पीजी के स्तर पर पढ़ाई के लिए न शिक्षक हैं और पर्याप्त संसाधन है। प्रयोगशाला की भी सुविधा नहीं है। 75 प्रतिशत उपस्थिति को लेकर कॉलेज प्रशासन दबाव बनाता है। डीएसडब्ल्यू ने छात्रों से कहा कि विवि के केमिस्ट्री विभाग में फिजिकल केमिस्ट्री के शिक्षक हैं। टीएनबी कॉलेज में पीजी में केमिस्ट्री के छात्र कम हैं। वे चाहें तो में विवि के विभाग में फिजिकल केमेस्ट्री की कक्षा में शामिल हो सकते हैं। डीएसडब्ल्यू ने कहा कि इसको लेकर कुलपति से भी चर्चा कर निर्देश मांगा जाएगा।

काउंसलिंग से वंचित अभ्यर्थियों को 8 और 9 जनवरी को मौका

भागलपुर। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा अनुशंसित प्रधान शिक्षकों को अपनी नियुक्ति के लिए तीन जिलों का विकल्प देना होगा। इस संबंध में शिक्षा विभाग ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। प्रधान शिक्षक 10 से 20 जनवरी के बीच ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर अपने आईडी और पासवर्ड का उपयोग कर लॉगिन करेंगे और तीन जिलों के विकल्प भर सकेंगे। पोस्टिंग अवरोही क्रम में की जाएगी। यदि पहले जिले में रिक्ति नहीं होगी, तो दूसरे जिले में, और वहां भी रिक्ति नहीं मिलने पर तीसरे जिले में पोस्टिंग दी जाएगी। प्राथमिक शिक्षा निदेशक पंकज कुमार ने डीईओ को पत्र भेजकर स्पष्ट निर्देश दिया है कि सभी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को तीन-तीन जिलों का विकल्प देना अनिवार्य है। मेधा सूची के आधार पर जिलों का आवंटन किया जाएगा। यदि तीनों विकल्पों में से किसी भी जिले में रिक्ति नहीं होती है, तो प्रशासनिक दृष्टिकोण से समीपवर्ती जिले में पोस्टिंग दी जाएगी। जिन अभ्यर्थियों ने किसी कारणवश अब तक काउंसलिंग नहीं कराई है, उन्हें 8 व 9 जनवरी को काउंसलिंग कराने का मौका दिया गया है। बिहार लोक सेवा आयोग के द्वारा अनुशंसित प्रधान शिक्षकों को तीन जिलों का विकल्प देना होगा। शिक्षा विभाग ने दिशा-निर्देश जारी किया है। ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर आइडी व पासवर्ड की मदद से लागइन कर 10 से 20 जनवरी के बीच तीन जिलों का विकल्प दे सकते हैं। वहीं प्राथमिक शिक्षा निदेशक पंकज कुमार ने इसको लेकर डीइओ को पत्र के माध्यम से डीईओ राजकुमार शर्मा को कहा कि उत्तीर्ण सभी अभ्यर्थियों को हर हाल में तीन-तीन जिलों का विकल्प देना है। तीनों विकल्प में से किसी जिले में रिक्ति नहीं होने की स्थिति में प्रशासनिक दृष्टिकोण से नजदीक वाले जिले में पोस्टिंग की बात कही गयी है।

जैन मंदिर में भगवान शांतिनाथ ज्ञान कल्याणक महोत्सव नौ जनवरी को

भागलपुर। चंपापुर स्थित दिगंबर जैन मंदिर में 9 जनवरी को भगवान शांतिनाथ ज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। महोत्सव के लिए मंदिर में तैयारी शुरू हो गई है। मंदिर समिति की ओर से अष्टमंगल द्रव्य, अक्षत, आरती पूजन, मुकुट माला समेत अन्य पूजन सामग्री की व्यवस्था की जाएगी। इस बार राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, बंगाल समेत कई राज्यों से श्रद्धालु कल्याणक महोत्सव में शामिल होंगे। इसके लिए मंदिर समिति के सदस्य लगातार श्रद्धालुओं से संपर्क कर रहे है। मंदिर के मंत्री सुनिल जैन ने बताया कि भगवान के अभिषेक के लिए मध्य प्रदेश से विशेष कलश मंगाया गया है। भक्ति भाव के साथ ज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। स्वर्ण कलश एवं रजत कलश से भगवान शांतिनाथ का अभिषेक किया जाएगा।

इस दिन मंदिर में श्रद्धालुओं के रहने एवं पूजन अनुष्ठान की विशेष व्यवस्था रहेगी। बताया कि जबलपुर से आये पंडित जगदीश शास्त्री श्रद्धालुओं को ज्ञान कल्याणक महोत्सव पर संबोधित करेंगे। कहा कि ज्ञान कल्याणक हमें प्रेरणा देते हैं कि ज्ञान धन से ज्यादा श्रेष्ठ है। क्योंकि धन की रक्षा हमें करनी होती है ज्ञान हमारी रक्षा करता है। ज्ञान कल्याणक का उद्देश्य मनुष्य को सार्थक जीवन जीने देने के लिए योग्य बनाना है। बहस समस्या है, समाधान नहीं। अभिमान, व्यक्ति को कुछ भी सीखने नहीं देता है। गलती दूर करिये वरना वो आपको प्रसन्नता से दूर कर देगी। सेवा, अपेक्षा रखकर नहीं की जाती है। वासना अर्थात दुख से सामना। काम का व्यक्ति ही, किसी के काम आ सकता है। विरोध से घबराए नहीं, वो तो आपका प्रचार करता है। विवाद, संक्लेशता के अलावा कुछ भी नहीं बढ़ाते हैं। आगे बढ़ने के लिए दूसरे से नहीं, स्वयं से ही कंपटीशन करना पड़ता है। जैसे निद्रा थकान दूर करती है वैसे ही संतोष भी थकान मिटा देता है। गलती पर न टोकना और बड़ी गलती है। अज्ञानी को अक्सर हितेषी को पहचान ही नहीं पाता। पाप अपना खेल न दिखाए तो वो पाप ही क्यों कहलाये। गलती व्यक्ति को सदा छलती है।

रिटायर्ड नर्स की गैंगरेप के बाद हत्या, सिर और धड़ अलग कर फेंका, रिश्ते में मामी थी

निज संवाददाता। भागलपुर

भांजे ने नौकरी के नाम पर लोगों से पैसे लिए थे

भागलपुर में 72 साल की रिटायर्ड नर्स की गैंगरेप के बाद हत्या कर दी गई। महिला के भांजे राजीव रंजन (65) ने अपने 4 दोस्तों के साथ पहले गैंगरेप किया फिर हत्या कर दी। पहचान छिपाने के लिए सभी ने सिर और धड़ को अलग कर दिया। दोनों को अलग-अलग जगहों पर फेंका था। पुलिस ने सिर और धड़ बरामद कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में भांजे ने बताया कि 'मामी के साथ मिलकर उसने कई लोगों से नौकरी के नाम पर पैसे लिए थे। 5 से 6 लाख रुपए को लेकर मामी से विवाद था, इसलिए वारदात को अंजाम दिया।' मामला सुल्तानगंज थाना इलाके का है। सिटी एसपी शुभांक मिश्रा ने बताया 'महिला के पति ने 30 दिसंबर को अपहरण का मामला दर्ज कराया था। इसमें कहा गया था कि महिला 27 दिसंबर को जमुई जाने के लिए निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। पुलिस ने तकनीकी जांच और मोबाइल लोकेशन के आधार पर अपराधियों को पकड़ा।' '2 जनवरी को महिला का शव बांका के कुमरैल घाट से बरामद हुआ था। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की। आरोपियों ने बताया कि हत्या 27 दिसंबर की रात को हुई थी।'

मोबाइल लोकेशन के आधार पर धराए अपराधीः महिला के अपहरण का आवेदन के बाद सीनियर एसपी ने इस मामले में सिटी एसपी की निगरानी में जांच टीम गठित की। इसके बाद तकनीकी टीम ने मोबाइल नेटवर्क और लोकेशन को खंगाला। मृतका का सिम राजीव के मोबाइल में ही लगा था। इसी आधार पर उसकी गिरफ्तारी की गई। फिर उसकी निशानदेही पर अन्य आरोपियों को पकड़ा गया।

भांजे के फोन में लगा था मामी का सिमः हत्या के मामले में पुलिस ने बांका के बेलहर थाना क्षेत्र के बिसनपुर से राजीव रंजन, दिलीप गिरी उर्फ कांकटा उर्फ बाबा, कुमरैल से श्रवण कुमार, अजय कुमार मांझी और रजौन थाना क्षेत्र के डुमरिया के संतोष यादव को गिरफ्तार किया है। आरोपी राजीव अपनी मामी का सिम कार्ड इस्तेमाल कर रहा था। उसके पास से पुलिस ने मृतका के कपड़े, साड़ी, स्कार्फ, स्वेटर समेत घटना में इस्तेमाल किया गया चाकू और अन्य सामान भी बरामद किया गया है।

खड़गपुर व तारापुर अनुमंडल के मनरेगा पदाधिकारी को दी ट्रेनिंग

टेटिया बंबर। प्रखंड क्षेत्र के नोनाजी पंचायत अंतर्गत देवघरा प्लस टू विद्यालय देवघरा के प्रांगण में निर्माणाधीन खेल मैदान में ऑन द स्पॉट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका नेतृत्व जिला प्रोग्राम पदाधिकारी साहब यादव ने की। प्रशिक्षण हवेली खड़गपुर एवं तारापुर अनुमंडल के सभी मनरेगा पदाधिकारी, कनीय अभियंता, पीटीए एवं रोजगार सेवक को दिया गया। डीपीओ साहब यादव ने बताया गया कि जल्द से जल्द सरकार के महत्वपूर्ण योजना को पूर्ण करने का प्रयास करें। साथ ही सभी पदाधिकारी के साथ अंतिम चरण में चल रहे निर्माणाधीन खेल स्टेडियम एवं ग्रीन पार्क का भी निरीक्षण किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन मुखिया सुरेश यादव ने की। इस प्रशिक्षण के मौक पर रोजगार सेवक रंजीत कुमार, सुनील कुमार, अमित कुमार, मनीष कुमार समेत मनरेगा कर्मी उपस्थित थे।

आर्म्स मामले में गिरफ्तार व्यक्ति की मौत, आक्रोशित परिजनों ने किया थाना का घेराव, मुखबिर पर पिटाई का लगाया आरोप

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर में शुक्रवार शाम कासिम बाजार की थाना पुलिस ने बिदवाड़ा शर्मा टोला के एक घर में छापेमारी की। यहां आर्म्स के साथ एक व्यक्ति मोती कुमार शर्मा को गिरफ्तार किया। ये हथियार बनाने का काम करता था। गिरफ्तार व्यक्ति की तबीयत बिगड़ने लगी, तो पुलिस उसे आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गई। जहां इलाज के दौरान गिरफ्तार व्यक्ति मोती कुमार शर्मा की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस सहित कई थाना की पुलिस सदर अस्पताल पहुंची। घटना की जानकारी जब परिजनों को मिली तो वह थाना पहुंचे और घेराव कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लगे। परिजनों का आरोप है कि पुलिस की मुखबरी करने वाला छोटू और सुशील की सूचना पर कासिम बाजार थाना की पुलिस छापेमारी करने के लिए घर पर पहुंची। पुलिस ने मोती कुमार शर्मा को गिरफ्तार किया। लेकिन उसके साथ आए दो मुखबिर छोटू और सुशील ने लाठी से मारपीट की। इस कारण उसकी तबीयत खराब हो गई और इलाज के दौरान मौत हुई है।

मुखबिर को अरेस्ट करने की मांगः परिजनों ने एसपी से गुहार लगाया कि पुलिस के साथ आए मुखबिर को गिरफ्तार किया जाए। परिजनों के आक्रोश को देखकर एसपी सैयद इमरान मसूद और सदर एसडीपीओ राजेश कुमार सहित कई थाना की पुलिस कासिम बाजार पहुंची। काफी मशक्कत के बाद परिजनों को शांत करवाया। एसपी सैयद इमरान मसूद ने बताया कि कासिम बाजार थाना पुलिस को सूचना मिली की बिंदवादा शर्मा टोला में एक व्यक्ति आर्म्स बनाने का काम करता है। इसी सूचना पर पुलिस पहुंची और मोती कुमार शर्मा के घर में छापेमारी की, जहां पुलिस ने तीन पिस्तौल सहित हथियार बनाने के उपकरण को बरामद किया। इस मामले में 55 वर्षीय मोती कुमार शर्मा को गिरफ्तार कर कासिम बाजार लाया गया।

आवेदन के आधार पर होगी कार्रवाईः गिरफ्तार व्यक्ति की तबीयत खराब होने लगी, जिसके बाद पुलिस पदाधिकारी ने इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई । उन्होंने कहा कि पूर्व में भी आर्म्स एक्ट के मामले में जेल जा चुका है। शव का पोस्टमार्टम कराया जायेगा। मृतक के परिजनों ने जो आरोप लगाया है, उनके आवेदन देने पर पर प्रथामिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

देर रात तक थाने पर जमे रहे आरोपी के कई परिजन, बिजली गुल होते ही किया पथराव

मुंगेर। शहर के कासिम बाजार थाना क्षेत्र में शुक्रवार की शाम आर्म्स एक्ट के आरोपी मोती कुमार शर्मा की पुलिस हिरासत में मौत के बाद परिजन थाने पर देर रात हंगामा करते रहे। शाम करीब 5 बजे कासिम बाजार की थाना पुलिस ने आर्म्स की सूचना के आधार पर बिदवाड़ा शर्मा टोला में छापेमारी की। मोती कुमार शर्मा की गिरफ्तारी के बाद ही तबियत बिगड़ने लगी। पुलिस उसे आनन फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गई। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इधर घटना की जानकारी मिलते ही परिजन कासिम बाजार थाने पर जुट गए। एसपी सैयद इमरान मसूद व सदर एसडीपीओ राजेश कुमार के साथ कई थानों की पुलिस वहां पहुंची। जिले के विभिन्न थानों की पुलिस के साथ दंगा नियंत्रण जवान को बुला लिया गया। इस दौरान सदर अस्पताल और कासिम बाजार थाना पुलिस छावनी में तब्दील हो गई। परिजन लगातार आरोप लगा रहे थे।

छह पंचायत में बन रहे हैं खेल मैदान

निज संवाददाता। टेटिया बंबर

प्रखंड क्षेत्र में 10 लाख रुपए की लागत से सभी 6 पंचायत में एक साथ खेल मैदान बन रहा है। नोनाजी पंचायत के मुखिया सुरेश यादव, टेटिया पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि संजय सिंह, धौरी पंचायत के मुखिया धर्मेंद्र बिन्द एवं केशोली पंचायत के मुखिया मुरारी मोहन मुकुंद ने बताया कि हमारे पंचायत में पहले खेल का मैदान नहीं था। खेल के मैदान नहीं रहने से सेना में एवं बिहार पुलिस की तैयारी करने वाले युवाओं को दौड़ने के लिए काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। युवक मुख्य सड़क पर दौड़ लगाते थे। जिससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती थी। लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी पंचायत में एक साथ खेल का मैदान का निर्माण कार्य प्रारंभ कर बिहार वासियों को बड़ी सौगात दी है। वहीं बहाली की तैयारी कर रहे कई युवाओं ने बताया कि हम लोगों को अब दौड़ने के लिए बाहर जाना नहीं पड़ रहा। निर्माणाधीन खेल मैदान पर ही हम लोग अपना प्रैक्टिस कर रहे हैं। प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि सभी पंचायत में खेल का मैदान का निर्माण होना है। किंतु अभी 6 पंचायत में निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है। जिसमें बास्केटबॉल, बैडमिंटन, खो-खो, कबड्डी, हाई जंप, वॉलीबॉल, रनिंग ट्रैक का निर्माण किया जा रहा है। सभी जगह पर जल्द ही निर्माण कर पूरे हो जाएंगे।

आउटसोर्सिंग कर्मियों की हड़ताल 20वें दिन भी रही जारी विश्वविद्यालय के कई काम इससे हो रहे हैं प्रभावित

निज संवाददाता। मुंगेर

आउटसोर्सिंग कर्मियों की 20 दिन लंबी हड़ताल शुक्रवार को भी जारी रही। जिससे विश्वविद्यालय का कार्य लगभग ठप रहा। कर्मियों ने बकाया वेतन भुगतान होने तक कार्य बहिष्कार जारी रखने की बात दुहराई। आउटसोर्सिंग कर्मी ने बताया कि कंपनी के प्रतिनिधि कह रहे हैं कि हड़ताल तोड़ दें। फिर एक महीने का भुगतान किया जाएगा। मगर कर्मी अड़े हैं कि पहले बकाया भुगतान हो, फिर हड़ताल तोड़ेंगे। कंपनी के सुपरवाइजर भीम प्रसाद राय ने शुक्रवार को भी दोहराया कि कंपनी भुगतान करेगी। इसलिए शुक्रवार को भी समस्या का कोई हल नहीं निकला। नए साल में विश्वविद्यालय खुलने के बाद कुछ अधिकारी छुट्टी पर चल रहे हैं। शनिवार के बाद मंगलवार को विश्वविद्यालय खुलेगा। इधर श्रम संसाधन विभाग में आउटसोर्सिंग कर्मियों के बकाए वेतन भुगतान मामले की सुनवाई अब 9 जनवरी को होगी। पहले सुनवाई के लिए 7 जनवरी की तिथि निर्धारित की गई थी। श्रम अधीक्षक सत्यप्रकाश ने बताया कि 9 जनवरी को विवि के अधिकारी, कंपनी के अधिकारी एवं आउटसोर्सिंग कर्मियों को बुलाया गया है। सबों की उपस्थिति में मामले की सुनवाई होगी। बता दें कि मुंगेर विवि में एलाइट फाल्कन प्रा. लि. के तहत 72 आउटसोर्सिंग कर्मी कार्यरत हैं। जो बकाए करीब 14 महीने के वेतन भुगतान की मांग को लेकर 16 दिसंबर से हड़ताल पर हैं। हाल में भी विवि ने कंपनी को सात महीने का वेतन भुगतान किया था। मगर इन कर्मियों को उनमें से केवल चार महीने के वेतन का ही भुगतान किया गया।

कांस्टेबल नीतू सामूहिक हत्याकांड का मामला

FSL रिपोर्ट का इंतजार, 2023 में एक ही कमरे में मिली थी परिवार के 5 सदस्यों की लाश

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के पुलिस लाइन में महिला सिपाही नीतू कुमारी समेत पांच लोगों की हत्या मामले में FSL रिपोर्ट अभी आना बाकी है। सिर्फ एक बिंदु पर रिपोर्ट आई है। इसमें गमछा, धारदार हथियार, मृतक के कपड़े व शरीर में आए अन्य निशान के आधार पर भी रिपोर्ट आनी है। इसके अलावा सुसाइड नोट की भी जांच होनी है। इन सभी बिंदुओं पर रिपोर्ट आने के बाद ही इस केस में किसी ठोस निर्णय पर पुलिस पहुंच पाएगी। हालांकि सिटी एसपी शुभांक मिश्रा ने कहा है कि जो सुसाइड नोट बरामद हुआ था, उसे हम अपने स्तर से भी देखकर मिलान करने की कोशिश करेंगे कि उसमें क्या था। इशाकचक थाने में इस मामले में केस दर्ज हुआ था।

क्या था मामला?: दरअसल, अगस्त 2023 में नीतू के पति पंकज ने अपनी पत्नी की हत्या कर खुद भी आत्महत्या कर ली थी। इसमें सुसाइड नोट में उसने लिखा था कि नीतू ने दो बच्चों और अपनी सास की हत्या गला रेतकर कर दी थी, जिसके बाद पंकज को पता चला तो उसने नीतू की हत्या ईंट से कूचकर और चाकू मारकर कर दी थी। हालांकि पूरे मामले का खुलासा पुलिस जांच के बाद होगा। वहीं, चर्चा है कि घटना के दौरान किसी तरह का शोर नहीं हुआ। जब सुबह दूध वाला रोज की तरह पहुंचा तब घटना बाहर आयी। नीतू के दो बच्चे थे, जिसमें बेटा शिवांश उर्फ शीबू साढ़े चार साल का और बेटी श्रेया साढ़े तीन साल की थी।

54.75 लाख का स्टेडियम देख-रेख के बिना बदहाल, बाउंड्री नहीं होने से जलावन रख रहे

निज संवाददाता। चंपानगर

एक तरफ सरकार के निर्देश पर जिले में खेल को बढ़ावा देने के लिए सभी 230 पंचायतों में खेल मैदान के निर्माण का कार्य तेज रफ्तार से चल रहा है। डीएम कुंदन कुमार निर्देश पर अधिकारी पंचायतों में जमीन चिह्नित कर खेल मैदान निर्माण के लिए प्रस्ताव भेज रहे हैं। दूसरी तरफ चंपानगर नगर पंचायत के प्लस टू वैद्यनाथ उच्च विद्यालय जगनी में 6 साल पहले 54.75 लाख की लागत से बना स्टेडियम देख-रेख व अधिकारियों की अनदेखी के कारण से दम तोड़ता नजर आ रहा है। स्कूल मैदान में चहारदीवारी नहीं होने से धीरे-धीरे लोगों ने अतिक्रमण करना शुरू कर दिया है, जो स्टेडियम खिलाड़ियों से गुलजार होना था। वहां लोग बकरी बांधने के साथ-साथ जलावन रख रहे हैं, लेकिन लाखों रुपए का स्टेडियम बेकार पड़ा है। ग्राउंड बनने के बाद से आज तक उपयोग नहीं हो पाया है। स्टेडियम को जैसे-तैसे बनाकर छोड़ दिया गया। ग्राउंड खेलने के लायक भी नहीं है।यहां के बच्चों में इतनी प्रतिभा है कि प्रत्येक वर्ष यहां के बच्चे खेल में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। चाहे वो कबड्डी हो या खो-खो या सांइस ओलम्पियाड। इसी स्कूल की छात्रा सपना कुमारी अंडर -17 बालिका वर्ग खो-खो खेल प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर चयनित होकर बीते 21 से 24 दिसंबर में अयोध्या में आयोजित 68 वीं राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता में बिहार का प्रतिनिधित्व कर चुकी है।

विद्यालय के शारीरिक शिक्षक सुशील कुमार ने बताया विद्यालय के चयनित छात्रा सपना कुमारी को राष्ट्रीय स्तर पर बिहार टीम से खेलने के लिए चयनित किया गया था। प्लस टू वैद्यनाथ उच्च विद्यालय जगनी के बदहाल स्टेडियम को लेकर स्कूल की प्राचार्या आशा शरण ने बताया कि प्रबंध समिति का अब तक गठन नहीं हो सका है। जिस कारण चहारदीवारी का निर्माण नहीं हो सका है। लोगों को बार-बार हिदायत दी जाती है। चहारदीवारी नहीं होने के कारण से लोग स्टेडियम का अतिक्रमण कर उसमें जलावन रख देते हैं। हमलोग तो चाहते हैं जल्द चहारदीवारी बन जाए। इससे ज्यादा से ज्यादा बच्चों को प्रैक्टिस करने का मौका मिलेगा।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

तेज रफ्तार ट्रक और ऑटो के बीच आमने सामने की टक्कर में चार लोगों की मौत

- पिकनिक के बाद लौटते परिवार की खुशियां मातम में बदली
- घायलों को अस्पताल पहुंचाने में स्थानीय लोगों ने की मदद
- हादसे के बाद ट्रक चालक फरार

निज संवाददाता | दुमका

शनिवार की शाम दुमका जिले में एक भीषण सड़क दुर्घटना ने चार लोगों की जान ले ली। यह घटना दुमका-रामपुरहाट मुख्य मार्ग पर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दासोंराय के पास हुई, जहां एक तेज रफ्तार ट्रक और ऑटो के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसा इतना भयंकर था कि ऑटो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार चार लोग अपनी जान से हाथ धो बैठे। इन चारों मृतकों के नाम नोनीहाट निवासी संजय साह (55), उनकी पत्नी पूनम देवी (45), उनकी बेटी मुस्कान (22) और ऑटो चालक थे। यह परिवार मसानजोर डैम से पिकनिक मना कर घर लौट रहा था, जब यह हादसा हुआ। पिकनिक मनाने के बाद सभी लोग खुश थे और घर लौटने के रास्ते में थे, लेकिन इस दुर्घटना ने उनकी जिंदगी को हमेशा के लिए बदल दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग बुरी तरह से घायल हो गए। मृतक संजय साह का बेटा रोशन भी इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया है और उसका इलाज दुमका के फूलों झानो मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। वहीं, संजय साह के साढू जितेंद्र साह और उनके परिवार के कुछ सदस्य भी घायल हुए हैं। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद धनबाद रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया और पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल भेजा।

पुलिस ने बताया कि ट्रक चालक दुर्घटना के बाद घटनास्थल से फरार हो गया है। ट्रक का चालक इतनी बड़ी दुर्घटना के बाद भी पुलिस के पकड़ में नहीं आ पाया है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है, और जल्द ही उसकी पहचान कर गिरफ्तारी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। हादसे के बाद, हादसे की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस ने घटनास्थल से सबूत जुटाना शुरू कर दिया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि टक्कर के बाद ऑटो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था और उसमें सवार सभी लोगों के शरीर पर गहरे चोटें आई थीं। ऑटो को क्षतिग्रस्त देख कर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि हादसा काफी तेज रफ्तार से हुआ होगा। हादसे के समय परिवार के सदस्य मसानजोर डैम से वापस लौट रहे थे और घर लौटने की खुशी से उनके चेहरे पर मुस्कान थी। लेकिन यह दुखद दुर्घटना उनके परिवार की खुशियों को चुराकर उन्हें गहरे शोक में डुबो दिया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे के बाद जब उन्होंने घायलों की मदद की, तो उनकी हालत देखकर हर कोई हैरान था। सभी लोग मदद के लिए दौड़े, लेकिन कोई भी उन्हें बचा नहीं पाया। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। परिवार के सदस्य और स्थानीय लोग इस दुर्घटना से स्तब्ध हैं और इस दुखद घटना पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और उन्हें इस दुख को सहन करना बहुत कठिन हो रहा है। यह दुर्घटना एक दर्दनाक याद बनकर रह गई है, और इलाके के लोग इस त्रासदी पर शोक मना रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस हादसे के पीछे क्या कारण था। क्या यह एक दुर्घटना थी या फिर कोई और कारण था, यह सवाल अब तक अनुत्तरित है। पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि वे पूरी तरह से मामले की जांच करेंगे और ट्रक चालक को जल्द ही गिरफ्तार करेंगे। यह दुर्घटना जिले के लोगों के लिए एक बड़ी चेतावनी है कि सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीरता से कदम उठाने की जरूरत है। हादसे के कारण लोग अब सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के पालन को लेकर सचेत हो गए हैं।

गोड्डा में भू-अर्जन की समीक्षा बैठक, डीसी ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

- महागामा-हंसडीहा एनएच-133 परियोजना पर चर्चा
- मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश
- अधिग्रहित भूमि और भवन संम्पदा के भुगतान की कार्रवाई

निज संवाददाता | गोड्डा

गोड्डा जिले में शनिवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में भू-अर्जन से संबंधित मामलों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिला उपायुक्त (डीसी) ने विभिन्न परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रगति पर चर्चा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिले में चल रहे सड़क और रेलवे लाइन निर्माण परियोजनाओं के तहत अधिग्रहित की गई भूमि, भवन संम्पदा और मार्ग में पड़ने वाले रैयती तथा गैर वन भूमि में स्थित वृक्षों के मामलों की समीक्षा की गई। इस दौरान डीसी ने निर्देश दिया कि सभी हितबद्ध व्यक्तियों को जल्द से जल्द मुआवजा राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने महागामा से हंसडीहा एनएच-133 परियोजना पर भी चर्चा की और संबंधित व्यक्तियों को नोटिस निर्गत करने की प्रक्रिया को तेज करने का आदेश दिया ताकि उन्हें यथाशीघ्र उनकी लंबित भुगतान राशि मिल सके। यह सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने भू-अर्जन से संबंधित मामलों में तत्परता से कार्य करने का संकल्प लिया। इसके अतिरिक्त, डीसी ने सभी अधिकारियों को आदेश दिया कि सभी परियोजनाओं में अधिग्रहित भूमि और भवन संम्पदा के लिए मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया को शीघ्र और पारदर्शी तरीके से पूर्ण किया जाए, ताकि किसी भी हितधारक को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। बैठक में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला नजारत उपसमाहर्ता, अपर समाहर्ता और अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे। यह बैठक इस दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण मानी जा रही है कि जिले में विकास कार्यों को गति देने के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को पूरा किया जा रहा है, ताकि सभी प्रभावित व्यक्तियों को उनका उचित मुआवजा मिल सके और विकास योजनाओं में कोई रुकावट न आए। डीसी के नेतृत्व में इस बैठक का आयोजन यह दर्शाता है कि प्रशासन भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामलों में पूरी पारदर्शिता और तत्परता से काम कर रहा है। डीसी ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे परियोजना से जुड़े सभी प्रासंगिक दस्तावेजों और फाइलों का समय-समय पर निरीक्षण करें और किसी भी तरह की देरी को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करें। इस बैठक के बाद अधिकारियों द्वारा सक्रिय रूप से संबंधित मामलों पर काम करने की योजना बनाई गई है।

नगर प्रशासन की ओर से बांटे गए 300 कंबल

निज संवाददाता | हरिहरगंज (दुमका)

शीतलहर और बढ़ती ठंड को देखते हुए नगर प्रशासन की ओर से शनिवार को विशुनपुर स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय के प्रांगण में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत वार्ड संख्या 15 और 16 के जरूरतमंद लोगों के बीच 300 कंबल वितरित किए गए। यह कदम नगर प्रशासन द्वारा गरीब और असहाय लोगों को ठंड से बचाने के लिए उठाया गया है, ताकि वे सर्दी से राहत महसूस कर सकें। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सीटी मैनेजर नजीबुल्लाह अंसारी ने भाग लिया और कंबल वितरण के दौरान कहा कि ठंड के मद्देनजर विभागीय निर्देशों के तहत कंबल वितरण का कार्य चल रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि सभी वार्ड के गरीब, वृद्ध और असहाय लोगों को कंबल दिए जाएंगे, ताकि उन्हें सर्दी से सुरक्षित रखा जा सके। इस कार्यक्रम में जेई कुलदीप कुमार, सुबोध कुमार, सामुदायिक संगठनकर्ता विचित्रा कुमारी, सीआरपी शाजदा अंजुम, लालमुनी कुमारी, रिशु कुमारी, शशि भूषण कुमार और अन्य स्थानीय गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।

सभी ने इस पहल को सराहा और नगर प्रशासन के प्रयासों को सकारात्मक रूप से देखा। कंबल वितरण कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंदों को सर्दी के मौसम में सहारा देना था, और यह सुनिश्चित करना था कि कोई भी गरीब या असहाय व्यक्ति ठंड के कारण परेशान न हो। प्रशासन की इस पहल को स्थानीय निवासियों द्वारा बेहद सराहा गया, और कार्यक्रम को एक सफलता के रूप में देखा गया।

एयरटेल कम्पनी के कर्मी से 1.30 लाख की ठगी

दुमका (नि.सं.)। दुमका जिले में साइबर अपराधियों ने एयरटेल कम्पनी के एक कर्मी से 1.30 लाख रुपए की ठगी कर ली है। ठगी का शिकार हुए कर्मी का नाम विकास कुमार है, जो एयरटेल कम्पनी में वाय-फाई कनेक्शन से जुड़ा हुआ कार्य करता है। विकास कुमार ने बताया कि उसे एक शेयर बाजार के निवेश स्कीम के बारे में किसी अज्ञात व्यक्ति से जानकारी मिली थी, जिसमें उसे पैसे लगाने के लिए प्रलोभन दिया गया था। इस प्रलोभन में फंसकर उसने पहले थोड़ी सी रकम शेयर बाजार में निवेश की, और उसे कुछ मुनाफा भी हुआ। मुनाफे को देखकर विकास कुमार और अधिक लालच में आ गया और उसने अपनी जमा पूंजी, जिसमें बैंक से निकाले गए पैसे भी शामिल थे, शेयर बाजार में निवेश करने का फैसला लिया।

विश्व ब्रेल दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

निज संवाददाता | दुमका

झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश पर तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका संजय कुमार चन्द्धरियावी के आदेश से शनिवार को 'विश्व ब्रेल दिवस' के अवसर पर दुमका जिला के श्रीअमडा स्थित नेत्रहीन आवासीय विद्यालय में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वहां के नेत्रहीन और दृष्टि बाधित छात्रों को ब्रेल लिपि के महत्व और इसके माध्यम से मानवाधिकारों की पूर्ण प्राप्ति के बारे में जागरूक करना था। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राधिकार के सचिव, उत्तम सागर राणा ने की। उत्तम सागर राणा ने अपने संबोधन में कहा कि दुनिया भर में करीब एक अरब विकलांग व्यक्ति हैं, जिनमें से कई व्यक्तियों के लिए सामान्य परिस्थितियों में भी स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और रोजगार जैसे बुनियादी अधिकारों का अभाव है। विशेष रूप से नेत्रहीनता जैसी विकलांगता की स्थिति में इन व्यक्तियों के अधिकारों और मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने में अत्यधिक कठिनाइयाँ आती हैं। इसके परिणामस्वरूप इन व्यक्तियों को जीवनभर समानता की कमी, खराब स्वास्थ्य जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत सरकार ने विकलांग व्यक्तियों के लिए नौकरियों में आरक्षण कोटा निर्धारित किया है, और यह कोटा विकलांगता, शिक्षा और उम्र के आधार पर निर्धारित किया जाता है। सागर राणा ने यह भी बताया कि दृष्टिहीनता या किसी अन्य शारीरिक विकलांगता का मतलब यह नहीं कि उनमें प्रतिभा या कौशल की कमी होती है। इसके बावजूद, वे जीवन की राह पर आने वाली कठिनाइयों को पार करने के लिए दृढ़ संकल्प और साहस के साथ आगे बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन के रास्ते में आने वाली चुनौतियाँ किसी भी दृष्टिहीन व्यक्ति को जीवन बनाने और आगे बढ़ने से रोक नहीं सकतीं। कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित 10 प्रमुख योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया, जिनका उद्देश्य बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं प्रदान करना है, साथ ही मानसिक रूप से विकलांग और मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों के लिए विधिक सेवाएं भी मुहैया कराना है। उन्होंने बताया कि यह योजनाएं दृष्टिहीन और विकलांग व्यक्तियों के संरक्षण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा, जिले के विभिन्न प्रखंडों में पैरा लीगल वालंटियर्स द्वारा भी ब्रेल दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें दिव्यांगजन और दृष्टिहीन लोगों को विधिक सेवाओं, उनके अधिकारों और ब्रेल लिपि के उपयोग के बारे में जागरूक किया गया। इन कार्यक्रमों में विधिक सेवाओं का महत्व समझाया गया और बताया गया कि कैसे यह सेवाएं दृष्टिहीन और विकलांग व्यक्तियों के जीवन को आसान बना सकती हैं। यह जागरूकता कार्यक्रम न केवल दृष्टिहीन और विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा, बल्कि यह समाज में समावेशिता और समानता के महत्व को भी उजागर करने में मददगार साबित हुआ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों पर अंतर्राष्ट्रीय वर्कशॉप का होना एक गर्व का विषय: डॉ. खिरोधर

निज संवाददाता | दुमका

संताल परगना कॉलेज दुमका में शनिवार को 'इंटरनेशनल वर्कशॉप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एण्ड मशीन लर्निंगः द नेक्स्ट फ्रंटियर इन रिसर्च इवेंट' विषय पर एक चार दिवसीय वर्चुअल अंतरराष्ट्रीय वर्कशॉप के तीसरे दिन के तकनीकी सत्र को कॉलेज प्राचार्य डॉ. खिरोधर प्रसाद यादव ने संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संताल परगना जैसे अविकसित और पिछड़े क्षेत्र के विकास के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वर्कशॉप एक गर्व का विषय है। डॉ. खिरोधर प्रसाद यादव ने सभी शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों से अपील की कि वे इस वर्कशॉप से अधिक से अधिक लाभ उठाएं और इसे अपने व्यक्तिगत तथा संस्थागत विकास के लिए उपयोग करें। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को नए तकनीकी पहलुओं से परिचित कराते हैं, जो भविष्य में उनके काम को और बेहतर बना सकते हैं। वर्कशॉप के कन्वेनर और मनोविज्ञान विभाग के निदेशक डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने पिछले दो दिनों के सत्र के मुख्य बिंदुओं को साझा करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) मानव के सर्वांगीण विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने बताया कि AI का उपयोग करने से मानव संवेदनाओं और संवेगों को ध्यान में रखते हुए, यह थकान और तनाव को कम करने में मदद करता है। इसके साथ ही AI चैटबोट्स द्वारा उपयोगकर्ताओं को अच्छा मार्गदर्शन और सुझाव प्रदान किए जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि AI और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल मानव की सहायता करने के लिए किया जाता है, और यह एक वफादार साथी के रूप में कार्य करता है। मुख्य संसाधन के रूप में जस्टिंदर कौर, जो कि ज्योति विद्यापीठ विमेंस यूनिवर्सिटी जयपुर से हैं, ने AI और मशीन लर्निंग के बीच के संबंधों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मशीन लर्निंग के प्रकार क्या हैं और एक मशीन किस प्रकार मानव द्वारा दिए गए इनपुट और अनुभवों के आधार पर बेहतर आउटपुट प्रदान करती है। इसके साथ ही उन्होंने AI के उपयोग को विभिन्न क्षेत्रों में जैसे बैंकिंग, ट्रैवल और हेल्थ के क्षेत्र में बताया। मनोविज्ञान विभाग की शिक्षिका डॉ. त्रिजा जेनिफर टोप्पो ने भी अपने विचार साझा किए और इस तकनीकी वर्कशॉप की उपयोगिता को विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए अत्यधिक लाभकारी बताया। वर्कशॉप का मंच संचालन और धन्यवाद ज्ञापन आईक्यूएसी के असिस्टेंट कोऑर्डिनेटर डॉ. रूपम कुमारी ने सफलतापूर्वक किया। इस अंतरराष्ट्रीय वर्कशॉप में विश्वविद्यालय के विभिन्न शिक्षक, रिसर्च स्कॉलर, स्नातकोत्तर और स्नातक के विद्यार्थी सक्रिय रूप से शामिल हुए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर प्रो. पूनम बिन्झा, असिस्टेंट नैक कोऑर्डिनेटर डॉ. अनीता चक्रवर्ती, असिस्टेंट आईक्यूएसी डॉ. रूपम कुमारी, और प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ. कुमार सौरभ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ का किया गया आयोजन

गोड्डा (नि.सं.)। स्थानीय महिला कालेज परिसर में सरस श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। ज्ञान यज्ञ के छठे दिन कथावाचक वाचक पं. रविशंकर ठाकुर ने राम-सीता विवाह कथा प्रसंग पर प्रकाश डाला। राम-सीता सहित चारों भाईयों व बहनों की अद्भुत झांकी निकाली गई। फूलों की वर्षा होने लगी। पूरे यज्ञ परिसर महिला कालेज में मिथिला जैसा नजारा उत्पन्न हो गया। बाजा-गाजा के साथ बारातियों का प्रवेश होते ही उत्सवी माहौल हो गया। जयघोष के बीच राम-सीता विवाह की झांकी का दर्शन कर उपस्थित श्रोता अभिभूत हो गए। पारंपरिक विवाह गीतों की प्रस्तुति से सारा वातावरण भक्तिमय हो गया। सभी श्रोताओं ने जी भरकर भक्ति के सागर में गोता लगाया। कथा वाचक पं.रविशंकर ठाकुर ने कहा कि जिस तरह नदियां स्वयं जाकर समुद्र में मिल जाती है उसी प्रकार धर्मशील प्राणी के जीवन में धन-संपत्ति, ऋधि-सिद्धि स्वयं आ जाती है। इसके पूर्व उन्होंने स्वयंवर पर भी प्रकाश डाला। कहा कि धनुष यज्ञ के स्वयंवर में पिनाक को तोड़ देने पर सीता मैया ने ठाकुर के गले में जयमाल डाली।

माध्यमिक शिक्षकों ने लंबित मांगों के समाधान को लेकर सौंपा ज्ञापन

निज संवाददाता | दुमका

झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को सांसद नलिन सोरेन और शिकारीपाड़ा विधानसभा से नवनिर्वाचित विधायक से मुलाकात कर शिक्षकों की लंबित मांगों के समाधान के लिए ज्ञापन सौंपा। इस मुलाकात में संघ के राज्य अध्यक्ष दिवाकर महतो के नेतृत्व में पहुंचे शिक्षकों ने पहले सांसद और विधायक का पुष्प गुच्छ और शाल देकर सम्मान किया। इसके बाद शिक्षकों ने अपनी मांगों पर चर्चा करते हुए उनका ध्यान समस्याओं की ओर आकर्षित किया। शिक्षकों ने बताया कि उनकी प्रमुख मांगों में अन्य सरकारी सेवकों की भांति एम.ए.सी.पी. (मोदीफाइड एश्योर्ड करियर प्रोग्रेशन) का लाभ देना, प्रधानाध्यापकों के रिक्त पदों के 50% हिस्से पर वरिष्ठ शिक्षकों को प्रोन्नति देना और प्रत्येक माध्यमिक विद्यालय में लाइब्रेरियन और रात्रि प्रहरी के पद सृजित कर उनकी नियुक्ति करना शामिल है। उन्होंने कहा कि इन मांगों पर विचार न होने से शिक्षकों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सांसद और विधायक ने शिक्षकों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि माध्यमिक विद्यालयों से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता से सुलझाया जाएगा और जल्द ही उनकी मांगों का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। इस बैठक के बाद प्रतिनिधिमंडल महेशपुर स्थित प्रोफेसर स्टीफन मरांडी के आवास पर भी पहुंचा। यहां भी प्रोफेसर मरांडी को पुष्प गुच्छ और शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। शिक्षकों ने उन्हें भी अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। प्रोफेसर मरांडी ने शिक्षकों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं को मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के समक्ष प्रमुखता से रखा जाएगा। उन्होंने शिक्षकों को भरोसा दिलाया कि उनकी मांगें अवश्य पूरी होंगी और सरकार इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाएगी। प्रतिनिधिमंडल में झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रमंडलीय अध्यक्ष दिलीप कुमार झा, शिशिर घोष, जुल्कर अंसारी, मु. शरीफ अंसारी के अलावा पाकुड़ जिले के शिक्षक भी शामिल थे।

प्रखंड मुख्यालय परिसर में धूमधाम से मनाया गया प्रखंड स्तरीय मरांग दाय सोहराय पर्व

निज संवाददाता | जामा (दुमका)

ग्राम प्रधान मांझी संगठन संथाल परगना जामा दुमका द्वारा शनिवार को जामा प्रखंड मुख्यालय परिसर में धूमधाम से प्रखंड स्तरीय मरांग दाय सोहराय पर्व मनाया गया। यह पर्व संथाल समुदाय की महत्वपूर्ण सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा है, जिसमें उनकी परंपराओं, रीति-रिवाजों और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने का उद्देश्य रहता है। कार्यक्रम का शुभारंभ नाइकी बाबा गिराम मुर्मू ने संथाली रीति रिवाज के अनुसार पूजा अर्चना कर किया। उन्होंने विशेष रूप से देवी-देवताओं का आह्वान किया और संथाल समाज की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर गौड़ टंडी में पांच मुर्गी और एक अंडे को विधि-विधान से देवी-देवताओं को चढ़ाया गया। यह पूजा संथाल समाज के धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन का अहम हिस्सा है, जिससे उनकी मान्यताओं और आस्थाओं की गहरी प्रतिबद्धता झलकती है। पूजा अर्चना के बाद, कार्यक्रम में संथाल समाज के पुरुष और महिला सदस्यों ने पारंपरिक परिधान में मांदर की थाप पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। इस नृत्य में संथाल समुदाय की संस्कृति और एकता की भावनाओं का उत्तम प्रदर्शन हुआ। पारंपरिक नृत्य की ध्वनियों ने समारोह को जीवंत बना दिया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग एकत्रित हुए। कार्यक्रम के दौरान विभूति भूषण यादव, बाबूलाल हांसदा, मुकेश मिश्रा, निर्मल रक्षित, पगान हांसदा, मोहन लाल मुर्मू, छबि मरांडी, शिबू सोरेन, मिसील हांसदा, घुमा हेंब्रम, अशोक हेंब्रम, मुखा हांसदा, हरीश मुर्मू, बुदीलाल मरांडी सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे। इस अवसर पर ग्रामीणों ने एकजुट होकर पर्व की खुशी साझा की और अपने समुदाय की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के संकल्प लिया।

तसर रेशम कृषि मेला-2025 का वृहद् का किया गया आयोजन

तसर उद्योग से आदिवासी और आर्थिक रूप से जरूरतमंद समुदाय बनेगा आत्मनिर्भर

निज संवाददाता | दुमका

केंद्रीय रेशम बोर्ड-केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान रांची ने शनिवार को दुमका में तसर रेशम कृषि मेला-2025 का वृहद् आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अभिजीत सिन्हा, डीडीसी दुमका ने कहा कि तसर रेशम उत्पादन से ग्रामीण रोजगार सृजन की असीम संभावना है। डॉ.एन. बी.चौधरी, निदेशक ने कहा कि तसर उद्योग को गति प्रदान करने में केंद्रीय रेशम बोर्ड-केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान रांची का अप्रतिम योगदान है। इस अवसर पर प्रो. बिमल प्रसाद सिंह, कुलपति सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका ने कहा कि तसर रेशम कृषकों की सफलता की कहानी के आयाम ले कर आयेगी। डॉ.एन.बी.चौधरी, निदेशक ने कहा कि पत्ती से रेशम बनाने की अद्भुत कला प्रकृति ने तसर रेशम कीट को प्रदान किया है, तसर रेशमकीट को एंथेरिया माईलिट्टा कहते हैं। ये रेशमकीट जंगली जंगलों में टर्मिनलिया प्रजाति और शोरिया रोबस्टा के पेड़ों के साथ-साथ बेर, जामुन जैसे अन्य खाद्य पौधों पर रहते हैं एवं इन पेड़ों की पत्तियों को खाते हैं। तसर रेशम अपनी समृद्ध बनावट और प्राकृतिक, गहरे सुनहरे रंग के लिए मूल्यवान है, और इसके अनेक एकोरेश भारत के विभिन्न राज्यों में उत्पादित की जाती हैं। रेशम उद्योग की विभिन्न कड़ियां रोजगार का सृजन करती हैं कीटपालन का कार्य या कीट के गुणवत्तापूर्ण अंडों का निर्माण हो, या धागाकरण, कताई बुनाई व वस्त्र निर्माण का कार्य हो सभी जगह स्वरोजगार की संभावना है। भारत में तसर रेशम उद्योग का गौरवशाली इतिहास सदियों पुराना है एवं झारखण्ड राज्य तसर रेशम उत्पादन में अग्रणी है। तसर रेशम की विलक्षण गुणवत्ता इस उद्योग को अनोखा स्थान प्रदान करता है। जैसा कि हम जानते हैं, तसर रेशम का उत्पादन मुख्य रूप से आदिवासी और आर्थिक रूप से जरूरतमंद समुदायों द्वारा किया जाता है एवं यह सदियों से आदिवासी संस्कृति का एक अभिन्न अंग रहा है। लगभग 50 से 60 प्रतिशत तसर रेशम का उत्पादन झारखंड में होता है जिससे तसर रेशम उत्पादन में झारखंड अग्रणी राज्य है। झारखंड के खरसावां, कुचाई, आमदा, भगैया, मंडरो, दुमका क्षेत्र अपनी उत्कृष्ट गुणवत्ता और उपस्थिति के लिए जाने जाने वाले तसर रेशम कपड़ों के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए जाने जाते हैं। झारखंड के गोड्डा जिले का भगैया तसर क्लस्टर कई अद्यतन डिजाइन और प्राकृतिक रंग तसर कपड़े के लिए जाना जाता है। भारत में तसर रेशम उद्योग से जुड़े 3.5 लाख लोगों में से लगभग 2.22 लाख लोग झारखंड से हैं, तसर रेशम उद्योग गरीब लोगों के आय सृजन के लिए रोजगार के अवसरों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉ.एन.बी.चौधरी, निदेशक केंद्रीय रेशम बोर्ड-केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान रांची ने बताया कि तसर उद्योग को बढ़ावा देने में संस्थान का अप्रतिम योगदान रहा है, साथ ही कहा कि यह संस्थान तसर रेशम के अनुसंधान और विकास के लिए समर्पित देश की एकमात्र संस्थान के रूप में कार्य करता है। आगामी वर्ष में तसर को बढ़ावा देना और उत्पादकता बढ़ाना अनुसंधान एवं विकास का मुख्य फोकस क्षेत्र होगा. तसर रेशम को इसकी चमक और अद्वितीय गुणवत्ता के साथ-साथ बड़े पैमाने पर गरीब आदिवासियों और महिलाओं की संख्या के पारंपरिक ग्रामीण स्तर के व्यवसाय के कारण एक विशिष्ट और अद्वितीय सामग्री के रूप में लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

किसी का फोन आने पर निकला था घर से बाहर, पीठ में मारी गोली

दिनदहाड़े युवक की गोली मारकर हत्या

- पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के इलाकों में जांच बढ़ा दी है
- मृतक के परिजनों ने फिलहाल किसी पर शक जाहिर नहीं किया है

निज संवाददाता | साहिबगंज

शनिवार को साहिबगंज में दिनदहाड़े एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना जीरवा बड़ी थाना क्षेत्र के पशुपालन कार्यालय के पास मुख्य सड़क के नजदीक हुई। मृतक युवक की पहचान दिलीप तांती के पुत्र नवल कुमार उर्फ बड़कू के रूप में की गई। नवल कुमार गुल्ली भट्टा के पांच मोड़वा के पास रहता था और फूल डेकोरेशन का काम करता था। घटना के समय, नवल किसी का फोन आने पर घर से बाहर निकला था। उसके मोबाइल पर सुबह लगभग 10:30 बजे एक व्यक्ति का कॉल आया, जिसके बाद नवल ने अपने बड़े भाई गौतम कुमार से कहा कि वह थोड़ी देर में घर लौटेगा। इसके बाद वह बाहर गया और अचानक किसी ने उसे पीछे से गोली मार दी। गोली उसके पीठ में मारी गई, जो शरीर को छेदते हुए बाहर निकल गई। गोली लगने के बाद नवल गिर पड़ा और आसपास के लोगों ने उसे देखा और तत्काल पुलिस को सूचित किया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस निरीक्षक अमित कुमार गुप्ता और जीरवा बाड़ी थाना प्रभारी पंकज कुमार दुबे ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जांच में जुट गए हैं। हालांकि, हत्या के कारण का अब तक पता नहीं चल पाया है और पुलिस इस दिशा में अपनी छानबीन कर रही है। मृतक के परिजनों ने फिलहाल किसी पर शक जाहिर नहीं किया है। मृतक के बड़े भाई गौतम कुमार ने बताया कि उनके भाई के मोबाइल पर जिस व्यक्ति का कॉल आया था, उस व्यक्ति के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। वह यह मानते हैं कि नवल कुमार किसी से मिलने बाहर गया था और अचानक यह घटना घटी। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के इलाकों में जांच बढ़ा दी है और घटना के बारे में स्थानीय लोगों से पूछताछ शुरू की है।

फिलहाल, पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि नवल कुमार को क्यों और किसने निशाना बनाया। पुलिस का मानना है कि यह घटना व्यक्तिगत रंजिश, पारिवारिक विवाद या फिर किसी अन्य कारण से हो सकती है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है और स्थानीय लोग इस हत्याकांड के बारे में चर्चा कर रहे हैं। इस मामले में आगे की जांच और खुलासे का इंतजार किया जा रहा है।

हाइवा की चपेट में आने से मजदूर की मौत

निज संवाददाता | साहिबगंज

साहिबगंज थाना क्षेत्र के छोटा सोनाकड़ पेट्रोल पम्प के पास शुक्रवार की रात एक तेज रफ्तार हाइवा की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान बटाइल गांव निवासी प्राण रजवार (35 वर्ष) के रूप में की गई है। वह घटना के समय पेट्रोल पम्प के पास सड़क पर चल रहा था, तभी अचानक तेज रफ्तार हाइवा उसके ऊपर चढ़ गया। हाइवा के पहिए प्राण के दोनों पैरों पर चढ़ गए, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। उसका शरीर पूरी तरह से कुचल गया और दोनों पैर पूरी तरह से खराब हो गए। हादसे के बाद, हाइवा चालक ने अपनी गाड़ी को तुरंत तेज गति से भगाया और मौके से फरार हो गया, जिससे वह दुर्घटना स्थल पर कोई मदद नहीं कर पाया। स्थानीय लोग और आसपास के लोग जब तक मौके पर पहुंचे, तब तक प्राण की हालत गंभीर हो चुकी थी। उसे तुरंत पाकुड़ के सोनाजोरी अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने हाइवा चालक के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है, लेकिन चालक के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस ने सड़क पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच शुरू कर दी है, ताकि हाइवा और उसके चालक की पहचान की जा सके। पुलिस का कहना है कि इस मामले में जल्द ही आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना से क्षेत्र में शोक की लहर है और स्थानीय लोग सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल उठा रहे हैं। लोग इस बात की मांग कर रहे हैं कि तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण रखा जाए ताकि ऐसी दुर्घटनाएं दोबारा न हों। वहीं, मृतक के परिवार के सदस्यों का कहना है कि उन्हें न्याय की उम्मीद है और वे जल्द से जल्द आरोपी चालक को गिरफ्तार होते देखना चाहते हैं। पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है और यह सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है कि दोषी चालक को सजा मिले।

तालझारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का जिला उपायुक्त ने किया निरीक्षण

निज संवाददाता | साहिबगंज

शनिवार को साहिबगंज जिले के तालझारी प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण जिला उपायुक्त हेमंत सती ने किया। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले पीएम जनमन मोबाइल मेडिकल यूनिट का निरीक्षण किया और इसके संचालन से संबंधित दिशा-निर्देश दिए। स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के दौरान डीसी ने स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की उपस्थिति, उपलब्ध दवाइयों की स्थिति और आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध दवाइयों की सूची को हिंदी और संथाली भाषाओं में डिस्प्ले करने का निर्देश दिया, ताकि वहां आने वाले मरीजों को सुविधाजनक तरीके से जानकारी मिल सके। इसके साथ ही, उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया, जिसमें वार्ड, शौचालय, प्रसूति गृह, दवाइयों के काउंटर और ड्रेसिंग रूम शामिल थे। डीसी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहे निर्माण कार्यों का भी जायजा लिया, जिसमें डीपीएचयू (डिस्ट्रिक्ट पब्लिक हेल्थ यूनिट) का निर्माण शामिल था। उन्होंने निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री जैसे बालू, ईंट, सीमेंट की गुणवत्ता की जांच की और निर्माण कार्य में कुछ सुधार करने के निर्देश दिए। इसके बाद, डीसी ने तालझारी प्रखंड कार्यालय में बीडीओ पवन कुमार सहित प्रखंड के सभी कर्मचारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान, उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लिए निर्धारित लक्ष्य और उनकी प्रगति की जानकारी ली और अधिकारियों से आग्रह किया कि वे निर्धारित समय सीमा में योजनाओं को पूरा करें। डीसी ने अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए इस बात पर जोर दिया कि सभी योजनाओं को समय पर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए ताकि जनता को सही समय पर लाभ मिल सके।

बसंतराय प्रखंड क्षेत्र में अब तक नहीं हुआ है कंबल का वितरण

बसंतराय(नि.सं.)। जिले में ठंड का प्रकोप चरम पर है लेकिन अब तक सरकारी कंबलों का वितरण नहीं हो सका है जबकि सरकार की ओर से पिछले माह में ही कंबल वितरण को लेकर टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है। जिले के बसंतराय प्रखंड में गरीबों के बीच कंबल वितरण का कार्य अब तक नहीं हुआ है। जीपीएस गंगाराम साह ने बताया कि अब तक जिला से कंबल की आपूर्ति प्रखंड को नहीं कराई गई है जिस से जनवरी आ जाने के बाद भी जरूरतमंदों को कंबल नसीब नहीं हो सका है। मालूम हो कि कंबल वितरण हेतु सरकार की ओर से न सारी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है इसके न बाद भी कंबल वितरण का कार्य अटका हुआ है। जानकारी हो कि मुखियाओं की निगरानी में होना है। जानकारी के अनुसार इस बार सामाजिक सुरक्षा विभाग की ओर से कंबल का क्रय सीधे राज्य मुख्यालय से किया गया है। राज्य मुख्यालय से ही कंबलों की आपूर्ति अंचल एवं प्रखंडों में की जानी है।

इंस्पेक्टर ने की लंबित कांडों की समीक्षा

निज संवाददाता | पाकुड़

लिट्टीपाड़ा सर्किल इंस्पेक्टर अनिल कुमार गुप्ता ने शनिवार को अपने कार्यालय कक्ष में थाना प्रभारियों के साथ मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य लंबित कांडों की समीक्षा करना और कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देना था। इंस्पेक्टर अनिल कुमार गुप्ता ने दिसंबर माह के दौरान दर्ज सभी कांडों की विस्तार से समीक्षा की और लंबित कांडों को शीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया। उन्होंने थाना प्रभारियों को अपराध नियंत्रण में सख्ती बरतने और कानून का कड़ाई से पालन कराने की हिदायत दी। इसके साथ ही, अपराधियों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखने और रात्रि गश्ती को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निर्देशित किया। इंस्पेक्टर ने थाना प्रभारियों से कहा कि वे वारंटियों और फरार अपराधियों को पकड़ने के लिए ठोस कार्रवाई करें और ऐसे मामलों का शीघ्र समाधान करें। उन्होंने मंदिरों और स्कूलों पर विशेष निगरानी रखने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि इन स्थानों पर किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधियों को रोका जा सके। अवैध खनन पर विशेष ध्यान देने का निर्देश देते हुए इंस्पेक्टर ने थाना प्रभारियों से कहा कि वे इस पर पैनी नजर रखें और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। इसके अलावा, उन्होंने विशेष वाहन जांच अभियान चलाने और गैरकानूनी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए कदम उठाने को कहा। इंस्पेक्टर ने पुलिस और ग्रामीणों के बीच समन्वय स्थापित करने की भी आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जनता और पुलिस के बीच विश्वास को मजबूत करना अपराध नियंत्रण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैठक के दौरान इंस्पेक्टर ने सभी थाना प्रभारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि वे अपने क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तत्परता से काम करें। इस अवसर पर लिट्टीपाड़ा थाना प्रभारी अभिषेक कुमार, हिरणपुर थाना प्रभारी रंजन कुमार, सिमलोंग ओपी प्रभारी बिनोद कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित थे। सभी ने बैठक में अपने-अपने क्षेत्रों में अपराध और कानून-व्यवस्था से जुड़ी जानकारियां साझा कीं और इंस्पेक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने का आश्वासन दिया।

यौन शोषण मामले में आरोपी गिरफ्तार

देवघर (नि.सं.)। शहर के एक मोहल्ला निवासी नाबालिग छात्रा को शादी का झांसा देकर 6 माह तक यौन शोषण करने और बाद में आरोपी द्वारा उसका अश्लील फोटो वायरल करने के मामले में नामजद आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गुप्त सूचना पर आरोपित युवक मोहम्मद मासूम अंसारी उर्फ मासूम को जिले के सारवां थाना अंतर्गत गोपालपुर गांव से पकड़ा है। पुलिस में यह मामला दर्ज होने के बाद आरोपी अपने रिश्तेदार के यहां छुप के रह रहा था। पीड़िता के पिता ने गत दिनों पुलिस में मामला दर्ज कराते हुए कहा है कि उसकी बेटी मधुपुर के स्कूल में नवम कक्षा की छात्रा है। स्कूल जाने के क्रम में मोहल्ले का ही एक युवक उसके साथ छेड़खानी करता था। हम पति-पत्नी काम करने घर से बाहर चले जाते हैं। इस क्रम में बेटी को अकेली पाकर आरोपी युवक फोन से संपर्क कर घर आ जाता था। बेटी को शादी का झांसा देकर करीब छह माह तक यौन शोषण करता रहा।

विश्व ब्रेल दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

निज संवाददाता | पाकुड़

विश्व ब्रेल दिवस के अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़, शेष नाथ सिंह के निर्देश और सचिव अजय कुमार गुड़िया के मार्गदर्शन में पाकुड़ शहरी अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को ब्रेल लिपि के महत्व और इसके उपयोग के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में ब्रेल दिवस के महत्व को विस्तार से समझाया गया। वक्ताओं ने बताया कि यह दिवस लुईस ब्रेल के सम्मान में मनाया जाता है, जिन्होंने दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए ब्रेल लिपि की खोज की थी। यह लिपि एक अनूठी स्पर्शनीय लेखन प्रणाली है, जिसे अंधे और आंशिक रूप से दृष्टिहीन लोग स्पर्श के माध्यम से पढ़ सकते हैं। वक्ताओं ने इसे दृष्टिहीन लोगों के जीवन के लिए एक वरदान बताया, जो न केवल उन्हें शिक्षित करता है, बल्कि उनके जीवन में आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास भी भरता है। ब्रेल लिपि के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि यह प्रणाली दृष्टिहीन लोगों को उनके लक्ष्यों तक पहुंचने में सहायता करती है। उन्होंने कहा कि इस लिपि के माध्यम से दृष्टिहीन लोग अपनी शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं, नौकरी कर सकते हैं और समाज में अपना योगदान दे सकते हैं। यह लिपि उन्हें आत्मनिर्भर बनने और समाज में समान अवसर प्राप्त करने में मदद करती है। कार्यक्रम के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ की ओर से उपलब्ध मुफ्त कानूनी सहायता के बारे में भी जागरूकता फैलाई गई। मौके पर उपस्थित लोगों को जागरूकता पर्ची और पुस्तिकाएं वितरित की गईं, जिनमें जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यों और सेवाओं की जानकारी दी गई थी।

यह पहल दृष्टिहीन और जरूरतमंद लोगों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने और उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। इस अवसर पर पीएलवी कमला राय, गांगुली उत्पल मंडल, विजय राजवंशी, अमूल्य रत्न रविदास और नीरज कुमार राउत उपस्थित रहे। उन्होंने भी लोगों को ब्रेल लिपि के महत्व के बारे में बताया और जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से मिलने वाली सेवाओं पर जानकारी दी। वक्ताओं ने बताया कि समाज में हर व्यक्ति को समान अधिकार मिलना चाहिए, चाहे वह किसी भी शारीरिक असमर्थता से जूझ रहा हो। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और ब्रेल लिपि के महत्व को समझा। उन्होंने इसे दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए शिक्षा और आत्मनिर्भरता का एक सशक्त माध्यम बताया। इस जागरूकता कार्यक्रम ने समाज में दृष्टिहीन व्यक्तियों के अधिकारों और उनकी आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का समापन इस अपील के साथ किया गया कि लोग दृष्टिहीन व्यक्तियों को प्रोत्साहित करें और उनके लिए ब्रेल लिपि के उपयोग को बढ़ावा दें, ताकि वे अपने जीवन में आगे बढ़ सकें और समाज के विकास में अपना योगदान दे सकें। यह आयोजन समाज में समानता और समावेशिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

एडीसी बरहेट का तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट शुरू

निज संवाददाता | साहिबगंज

साहिबगंज जिले के बरहेट प्रखंड क्षेत्र में स्थित सिंगा मैदान में शनिवार को तीन दिवसीय भव्य फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देना और क्षेत्रीय खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। टूर्नामेंट के उद्घाटन के अवसर पर बड़ी संख्या में खेल प्रेमी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। टूर्नामेंट का शुभारंभ बीडीओ अंशु कुमार पांडे, थाना प्रभारी पवन कुमार, बीस सूत्री अध्यक्ष राजाराम मरांडी, उपाध्यक्ष मुजीबुर रहमान, प्रखंड संयोजक मंडली सुनीराम हांसदा और प्रखंड प्रमुख बर्नार्ड मरांडी सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और फुटबॉल को किक मारकर किया। इस अवसर पर पूरे मैदान में उत्साह और उल्लास का माहौल था। इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। आयोजन समिति ने प्रतियोगिता को आकर्षक बनाने के लिए शानदार पुरस्कारों की घोषणा की है। विजेता टीम को 5 लाख रुपये की नकद राशि और एक ट्रॉफी प्रदान की जाएगी, जबकि उपविजेता टीम को 4 लाख रुपये की नकद राशि और ट्रॉफी दी जाएगी। इसके अलावा, सेमीफाइनल में पहुंचने वाली प्रत्येक टीम को 70 हजार रुपये का सांत्वना पुरस्कार मिलेगा। टूर्नामेंट के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (मैन ऑफ द सीरीज) को मोटरसाइकिल भेंट की जाएगी, जबकि बेस्ट गोलकीपर को साइकिल प्रदान की जाएगी। यह पहल न केवल खिलाड़ियों के उत्साह को बढ़ाएगी बल्कि उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित भी करेगी। सिंगा मैदान को उत्सव के रूप में सजाया गया है। मैदान के चारों ओर मेले का स्वरूप बनाया गया है, जिसमें विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए गए हैं। खेल के अलावा, यह आयोजन स्थानीय लोगों और बच्चों के लिए मनोरंजन और खरीदारी का भी केंद्र बन गया है। इस टूर्नामेंट की खासियत यह है कि इसमें देश के विभिन्न राज्यों के अलावा विदेशी खिलाड़ी भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। शनिवार को टूर्नामेंट का पहला मैच बहादुरगढ़ बनाम छोटा दुर्गापुर के बीच खेला गया। यह मुकाबला रोमांच और खेल भावना से भरपूर रहा। मैदान में खेल प्रेमियों का जनसैलाब उमड़ पड़ा, जिससे पूरा वातावरण उत्साह से भर गया। इस आयोजन में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकर्ता और अन्य स्थानीय प्रतिनिधि भी शामिल हुए। मौके पर समदा सोरेन, मो. अली, समीम अंसारी, सुनील किस्कू, सनाउल्लाह अंसारी सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने आयोजन को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया। टूर्नामेंट का यह आयोजन स्थानीय खेल प्रतिभाओं के लिए एक बेहतरीन मंच है। इससे न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं में खेल के प्रति रुचि भी बढ़ेगी। आयोजकों का मानना है कि यह प्रतियोगिता क्षेत्र में खेल और सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगी।

अज्ञात वाहन के धक्का से युवक घायल

हरिहरगंज (नि.सं.)। शुक्रवार की रात हरिहरगंज शहरी क्षेत्र अंतर्गत शनि मंदिर के समीप एक दुखद दुर्घटना घटित हुई, जिसमें अज्ञात वाहन के धक्के से 40 वर्षीय युवक सुनील पासवान घायल हो गया। सुनील पासवान औरंगाबाद जिला के मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित कारखाना गांव का निवासी है और वह नागेश्वर पासवान का पुत्र है। घटना की सूचना मिलते ही हरिहरगंज थाना के एसआई रंजीत कुमार सिंह और राकेश कुमार सिंह घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने घायल युवक को तुरंत इलाज के लिए सीएचसी (सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र) पहुंचाया। यहां पर युवक को प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया, लेकिन उसकी स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है और संभावना जताई जा रही है कि सड़क पार करते समय सुनील पासवान को किसी अज्ञात वाहन ने धक्का मारा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

योजना निर्माण पर सहजकर्ता दल ने दिया प्रशिक्षण

निज संवाददाता | साहिबगंज

सबकी योजना सबका विकास अभियान 2024 के संचालन के तहत ग्राम पंचायत सहजकर्ता दल ने शनिवार को दूसरे दिन प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। यह प्रशिक्षण साहिबगंज प्रखंड कार्यालय के सभागार में हुआ, जिसमें पंचायत स्तर पर विकास योजनाओं को तैयार करने के तरीकों पर चर्चा की गई। ग्राम पंचायतों को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए विकास योजना तैयार करने के उद्देश्य से यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया। मास्टर ट्रेनर डॉली साहा और प्रीति झा ने विस्तार से बताया कि कैसे ग्राम पंचायतें अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार योजनाएं तैयार कर सकती हैं। साथ ही, वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रबंधन के पहलुओं को भी समझाया गया। बीपीआरओ सुरेश प्रसाद यादव और एसीओ प्रणव कुमार ने भी प्रशिक्षण में भाग लिया। इन अधिकारियों ने पंचायत प्रतिनिधियों को बताया कि विकास योजनाओं में स्थानीय जरूरतों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। साथ ही, योजनाओं को इस प्रकार बनाया जाए कि वे सरकार की प्राथमिकताओं और ग्रामीण जनता की आवश्यकताओं के बीच सामंजस्य स्थापित कर सकें। प्रशिक्षण में बताया गया कि पंचायतों को अपनी योजनाएं तैयार करते समय उपलब्ध संसाधनों का ध्यान रखना होगा। पंचायतों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उनके क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क, पेयजल और बिजली जैसे बुनियादी मुद्दों को प्राथमिकता दी जाए। इन योजनाओं को ग्राम सभा की बैठक में अनुमोदित कराने के बाद जिला स्तर पर भेजा जाएगा। सहजकर्ता दल ने बताया कि वे पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों को योजना निर्माण में सहयोग देंगे। उनकी भूमिका है यह सुनिश्चित करना कि योजनाएं न केवल कागजों पर बने, बल्कि उनके क्रियान्वयन से ग्रामीणों को वास्तविक लाभ हो। प्रशिक्षण के दौरान इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि ग्राम पंचायत की योजनाओं में ग्रामीणों की भागीदारी होनी चाहिए। ग्रामीणों की समस्याओं और सुझावों को सुनकर ही प्रभावी योजनाएं बनाई जा सकती हैं। प्रशिक्षण के अगले चरण में पंचायत प्रतिनिधियों को फील्ड विजिट कराई जाएगी, जहां वे योजनाओं के व्यावहारिक पहलुओं को समझेंगे। इसके बाद, प्रत्येक पंचायत से उनकी प्राथमिकताओं के अनुसार प्रस्ताव मांगे जाएंगे।

नारायणपुर प्रखंड के 28 गांव में एक विशेष नियमित टीकाकरण शिविर का आयोजन

निज संवाददाता | नारायणपुर

स्वास्थ्य विभाग द्वारा नारायणपुर प्रखंड के सबनपुर समेत कुल 28 गांवों में शनिवार को एक विशेष नियमित टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर झारखंड सरकार के निर्देश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, नारायणपुर की एएनएम टीम द्वारा आयोजित किया गया। इसमें गर्भवती महिलाओं और बच्चों को टीकाकरण के लाभों की जानकारी देकर विभिन्न प्रकार के टीके लगाए गए। शिविर का मुख्य उद्देश्य गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना और टीकाकरण के महत्व को जागरूक करना था। इसमें सबनपुर, नयाडीह, मंझलाडीह, टोपाटांड, डोकीडीह, भैयाडीह, जानेडीह, कानाडीह, धबना, बनखंजो, भगवानपुर, दक्षिणीडीह, रधुनाथपुर, पोखरिया, कठडाबर, बुधुडीह, आनंदपुर, कालीपहाड़ी, अमजोरा, जंगलपुर, चेरकपानी समेत कुल 28 गांवों में शिविर लगाए गए। शिविर में एएनएम ने ओपीवी, रोटा, पेंटा, एमआर, डीपीटी बूस्टर जैसे टीके लगाए। गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित गर्भावस्था के लिए आवश्यक टीके दिए गए, जबकि बच्चों को उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए निर्धारित टीकाकरण किया गया। एएनएम ने ग्रामीण महिलाओं और बच्चों के साथ संवाद करते हुए टीकाकरण के फायदे और इसकी आवश्यकता को सरल भाषा में समझाया। शिविर में टीकाकरण के बाद, एएनएम और स्वास्थ्य सहायिकाओं ने महिलाओं को परिवार नियोजन के अस्थाई और स्थाई उपायों के बारे में जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि छोटे और स्वस्थ परिवार से उनकी जीवनशैली में सुधार हो सकता है। परिवार नियोजन कीट का वितरण भी किया गया, जिसमें गर्भनिरोधक गोलियां और अन्य अस्थाई साधन शामिल थे। इसके साथ ही, महिलाओं और पुरुषों को परिवार नियोजन की स्थाई विधियां अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सीएचसी नारायणपुर में आयोजित होने वाले विशेष शिविरों के बारे में भी जानकारी दी गई, जहां महिलाएं बंध्याकरण ऑपरेशन और पुरुष नसबंदी करवा सकते हैं। यह कदम ग्रामीण क्षेत्रों में परिवार नियोजन को बढ़ावा देने और लोगों को इसकी उपयोगिता समझाने के उद्देश्य से उठाया गया। शिविर में एएनएम बसंती मुर्मू, कुमारी अनुपम, नंदनी कुमारी, मनीषा मरांड़ी, सुजाता कुमारी, कंचनलता हांसदा, हालोमुनी मुर्मू, सरोदी हेंब्रम, फतीमा खातुन, मुस्कान प्रवीण, सुषमा टुडू, सरीता मुर्मू, ममता कुमारी, शकुंतला शर्मा, बेबी पुष्पा, ज्योति दास समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मी शामिल रहे। इनके सहयोग से शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। स्वास्थ्य कर्मियों ने लाभुकों से अपील की कि वे नियमित टीकाकरण करवाएं और स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या के लिए निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करें।

बच्चों को कानूनी जानकारियों से कराया गया अवगत

निज संवाददाता | पाकुड़

झालसा रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में शनिवार को प्रखंड के नवीनगर पंचायत के ग्रामीण क्षेत्रों और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों और समाज में व्याप्त कुरीतियों से अवगत कराना था। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सदस्यों अमूल्य रत्न रविदास, चंद्र शेखर घोष और विजय राजवंशी ने संयुक्त रूप से भाग लिया और बच्चों को उनके हक और अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करना और उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देना अत्यंत आवश्यक है। इस दौरान बच्चों को मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया, बाल श्रम के खिलाफ कानून, साइबर अपराध से बचाव, बाल विवाह के दुष्परिणाम, घरेलू हिंसा से निपटने के उपाय और शिक्षा के अधिकार जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने विशेष रूप से बाल विवाह के मुद्दे पर जोर दिया।

उन्होंने बताया कि समय पूर्व विवाह न केवल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को प्रभावित करता है, बल्कि कई गंभीर बीमारियों और समस्याओं का कारण भी बनता है। वक्ताओं ने बच्चों को समझाया कि बाल विवाह से जुड़े दुष्परिणाम परिवार और समाज पर भी गहरा प्रभाव डालते हैं। यह कुप्रथा बच्चों के जीवन को खतरे में डालती है और उनके उज्जवल भविष्य की संभावनाओं को समाप्त कर देती है। इस कार्यक्रम के दौरान बाल श्रम जैसे संवेदनशील मुद्दे पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि बाल श्रम बच्चों के अधिकारों का हनन है और यह उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत हानिकारक है। उन्होंने बच्चों से अपील की कि यदि वे अपने आसपास बाल श्रम जैसी गतिविधि देखें तो तुरंत इसकी सूचना प्राधिकार को दें। साइबर अपराध के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए वक्ताओं ने बच्चों को डिजिटल सुरक्षा के उपायों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस प्रकार साइबर ठगी के शिकार होने से बचा जा सकता है और ऐसे मामलों में कानूनी मदद कैसे ली जा सकती है। बच्चों को यह भी समझाया गया कि उन्हें अपने व्यक्तिगत डेटा को सुरक्षित रखना चाहिए और किसी अज्ञात व्यक्ति के संपर्क में आने से बचना चाहिए। कार्यक्रम में घरेलू हिंसा पर भी चर्चा की गई और बच्चों को यह बताया गया कि घरेलू हिंसा के मामलों में वे किससे मदद ले सकते हैं और उन्हें कैसे कानूनी सहायता मिल सकती है। शिक्षा के अधिकार पर जोर देते हुए वक्ताओं ने बच्चों से कहा कि हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है और यह समाज और देश के विकास के लिए आवश्यक है। इस अवसर पर वक्ताओं ने बच्चों से यह अपील भी की कि वे अपने परिवार और समाज को बाल विवाह, बाल श्रम और अन्य सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक करें।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार की मौत

गिरिडीह (नि.सं.)। गिरिडीह में शनिवार को तेज रफ्तार सब्जी लदे पिकअप वैन ने बाइक सवार युवक को ठोकर मार दी। इस हादसे में युवक की मौत हो गई। वहीं, हादसे के बाद पिकअप वैन एक पेड़ से टकराकर पलट गई। हादसा बेंगाबाद थाना क्षेत्र के डाकबंगला के पास हुआ। वहीं, पुलिस ने पिकअप वैन ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। मृतक की पहचान बेंगाबाद थाना क्षेत्र के डाकबंगला नगरी निवासी नवल किशोर सिंह के रूप में की गई। नवल किशोर सिंह बाइक से अपने रिश्तेदार के यहां जसीडीह कोइरीडीह जाने के लिए घर से निकला था। जैसे ही वो डाक बंगला के पास पहुंचा, तेज रफ्तार पिकअप वैन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में नवल किशोर के सिर पर गंभीर चोट लगी। स्थानीय लोगों की मदद से नवल को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संपादकीय

2008 की मंदी के बाद सबसे बड़ी गिरावट, चिंता का विषय

विदेशी मुद्रा भंडार और डालर के मुकाबले रुपए की कीमत में गिरावट आर्थिक विकास की दृष्टि से गंभीर चिंता का विषय है। डालर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर लंबे समय से नीचे का रुख किए हुए है। अब विदेशी मुद्रा भंडार भी तेजी से घटना शुरू हो गया है। बीते सप्ताह शुक्रवार को इसमें 8.48 अरब डालर की कमी दर्ज की गई। यह 2008 की मंदी के बाद अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। इसके पिछले हफ्ते भी 1.99 अरब डालर की गिरावट दर्ज हुई थी। सितंबर में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ कर 704.88 अरब अमेरिकी डालर के अपने सर्वाधिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। मगर उसके बाद इसमें लगातार कमी दर्ज हो रही है। अब विदेशी मुद्रा भंडार गिर कर 644.87 अरब अमेरिकी डालर पर पहुंच गया है।हालांकि यह स्तर अभी चिंताजनक नहीं माना जा सकता, मगर जिस तरह निरंतर इसमें गिरावट दर्ज हो रही है, वह अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। विदेशी मुद्रा भंडार गिरने का अर्थ है कि अपेक्षित विदेशी निवेश नहीं आ पा रहा। इसकी वजह भी साफ है। अमेरिकी डालर लगातार मजबूत हो रहा है, जिसके चलते विदेशी निवेशक भारत से अपना पैसा निकाल कर लगाने लगे हैं।दुनिया के कारोबार में डालर की स्थिति अहम भूमिका निभाती है। डालर कमजोर होता है, तो विदेशी निवेशक दूसरे देशों का रुख करने लगते हैं। मगर जैसे ही डालर मजबूत होने लगता है, वे अमेरिकी बाजार का रुख कर लेते हैं। कोरोना के बाद मंदी की मार झेल रहे अमेरिका के फेडरल रिजर्व ने अपने यहां ब्याज दरों में बदलाव किए। इससे निवेशकों को वहां निवेश करने के लिए आकर्षित करने में मदद मिली। फिर, डोनाल्ड ट्रंप के दुबारा राष्ट्रपति चुने जाने और आर्थिक नीतियों को लेकर उनके बयानों से निवेशकों में विश्वास जगा है कि निवेश की दृष्टि से अमेरिका ज्यादा फायदेमंद जगह है। इसका असर भारत के मुद्रा भंडार पर भी पड़ा है।मगर केवल यही कारण प्रमुख नहीं है। सबसे अहम बात है कि हमारा व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। निर्यात पर जोर देने के बावजूद इसमें बेहतरी के संकेत नजर नहीं आ रहे। आयात लगातार बढ़ रहा है। इसका सीधा असर घरेलू उत्पादन और बाजार पर पड़ रहा है। यह अकारण नहीं है कि पिछली कुछ तिमाहियों से विनिर्माण क्षेत्र हिचकोले खाता नजर आ रहा है। सभी महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में औद्योगिक उत्पाद गिरा है। जब तक इस क्षेत्र में मजबूती नहीं आएगी, तब तक रुपए की कीमत और विदेशी मुद्रा भंडार में बेहतरी की उम्मीद धुंधली बनी रहेगी।रुपए की कीमत गिरने से विदेशी निवेशकों का उत्साह भी कम होता है। कोई भी निवेशक ऐसी जगह अपना पैसा नहीं लगाना चाहता, जहां उसे मुनाफा न हो। फिर तमाम कोशिशों के बावजूद महंगाई अपने उच्च स्तर पर बनी हुई है।

मानसिक और भावनात्मक रूप से कमजोर होते जा रहे बच्चे

अगर माता-पिता अपने बच्चे को वक्त बर्बाद न करने और पढ़ाई करने की हिदायत देते हैं, तो यह बच्चों के हित में ही होता है। मगर विडंबना है कि आजकल बहुत सारे बच्चों में ऐसी प्रवृत्ति देखी जा रही है, जो उनके भावनात्मक या मानसिक रूप से बेहद कमजोर होने का संकेत देती है। बहुत मामूली बातों पर किसी बच्चे के भीतर इतना गुस्सा उभरता है कि या तो वह प्रतिक्रिया स्वरूप अपने सामने के किसी व्यक्ति को या फिर खुद को ही नुकसान पहुंचा देता है।पिछले कुछ समय से अक्सर ऐसी खबरें सामने आने लगी हैं, जिनमें अभिभावक ने अपने बच्चे को पढ़ाई करने के लिए थोड़ा डांटा तो बच्चा इस कदर तनाव में आ गया कि उसने आत्महत्या कर ली। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से शनिवार को ऐसी ही एक खबर आई, जिसमें बारहवीं कक्षा में पढ़ाई करने वाली सत्रह वर्ष की एक बच्ची को उसके पिता ने पढ़ाई करने के लिए थोड़ी डांट लगाई, तो उसके बाद बच्ची ने फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली।इससे पहले, हाल ही में महाराष्ट्र के पुणे में भी एक बच्ची ने सिर्फ इसलिए अपनी जान दे दी कि उसकी मां ने उसे ज्यादा मोबाइल देखने के बजाय पढ़ाई पर ध्यान देने को कहा। बच्चों के भीतर उभर रही इस तरह की प्रवृत्ति व्यापक चिंता का कारण बनने लगी है। यह कहा जा सकता है कि किशोरावस्था में कई स्तर पर मानसिक उथल-पुथल के नाजुक दौर से गुजर रहे बच्चों से संवेदनशीलता के साथ पेश आना चाहिए।

नई लकीर खींचने की कोशिश में जुटे मोहन यादव

(उमेश चतुर्वेदी)

राज्य के प्रमुख शहरों, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और रीवां समेत सात जगहों पर आईटी पार्क स्थापित करने की तैयारी है। युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए राज्य में 55 पीएम एक्सीलेंस कॉलेज खोले जा रहे हैं। शासन में फिजूलखर्ची रोकने की योजना भी बनाई गई है। इसके तहत स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा जैसे अलग विभागों को एकीकृत कर दिया गया है। राज्य के प्रशासन में जहां भी जरूरी होगा।

मोहन यादव महाकाल की नगरी उज्जैन के निवासी है। उज्जैन में ही भगवान कृष्ण ने संदीपनी ऋषि के आश्रम में शिक्षा ली थी। मोहन यादव कहते हैं कि कंस-वध के बाद कान्हा जी चाहते तो खुद सिंहासन पर बैठ सकते थे। विधानसभा चुनाव में अभूतपूर्व जीत के बाद मध्य प्रदेश में बीजेपी ने तकरीबन अपरिचित चेहरे को राज्य की कमान सौंपने का फैसला लिया, तो राजनीतिक हलकों में हैरत जताई गई थी। उन्हीं मोहन यादव ने बतौर मुख्यमंत्री सालभर की यात्रा पूरी कर ली है। मंत्री के तौर पर मोहन यादव मध्य प्रदेश शासन का हिस्से रहे, लेकिन मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें समझ आया कि एक या दो विभाग संभालना अलग बात है और पूरे राज्य की कमान के साथ राजनीतिक संतुलन बनाए रखना कठिन चुनौती है। लेकिन मोहन यादव ने इस चुनौती को ना सिर्फ संभाल लिया है, बल्कि नवाचार के साथ शासन और प्रशासन को बखूबी संभाल रहे हैं। शासन की पहली वर्षगांठ के अवसर पर विशेष भेंट में मोहन यादव ने अपनी चुनौतियों के साथ ही अपने सपनों को जिस सहज अंदाज में साझा किया, वह उनकी राजनीति और चरित्र को समझने का सूत्र है। बड़ा राजनीतिक दल हो या संभ्रांत परिवार, हर नए नेतृत्व के सामने अक्सर अतीत और पूर्वज से तुलना का सवाल उठ खड़ा होता है। अगर अतीत का नेतृत्व विराट रहा हो तो नए नेतृत्व के हर कदम को पुराने की कसौटी पर कसा जाना स्वाभाविक है। मोहन यादव को बखूबी पता है। वे खुद भी स्वीकार करते हैं कि उनके मुख्यमंत्री बनने से पहले करीब साढ़े अठारह साल तक राज्य में बीजेपी की सत्ता रही। उसकी कमान जिन हाथों में रही, वे प्रभावशाली रहे। मोहन यादव स्वीकार करते हैं कि उनके नेताओं ने जो वायदे किए, जिस जैसा शासन चलाया, उन्हें पूरा करना और उस परिपाटी को बरकरार रखना उनका पाथेय है। मोहन यादव को पता है कि उन्हें अपनी भी एक नई लकीर खींचनी होगी। वे खुलकर इसे स्वीकार नहीं करते, बल्कि खुद को विनम्र कार्यकर्ता बताते हैं। मध्य प्रदेश को लेकर उनके भी अपने कुछ सपने हैं। सपना यह कि समृद्ध और वैविध्यपूर्ण प्राकृतिक संपदा वाला उनका राज्य समृद्ध बने, आर्थिक रूप से समृद्ध हो, कृषि विकास की मौजूदा दर बनी रहे और किसान लगातार समृद्ध होते रहें। सांस्कृतिक रूप से संपन्न राज्य की भारत ही नहीं, वैश्विक मानचित्र पर गहन पहचान भी बने। इन सपनों को हकीकत बनाने के लिए वे अहर्निश जुटे हैं। उनका कहना है कि सोते-जागते हर वक्त उन्हें एक ही चिंता रहती है, यह कि मध्य प्रदेश समृद्ध हो, संपन्न हो और अपनी सांस्कृतिक धरोहरों के साथ आगे बढ़ता रहे। मोहन यादव महाकाल की नगरी उज्जैन के निवासी है। उज्जैन में ही भगवान कृष्ण ने संदीपनी ऋषि के आश्रम में शिक्षा ली थी। मोहन यादव कहते हैं कि कंस-वध के बाद कान्हा जी चाहते तो खुद सिंहासन पर बैठ सकते थे। लेकिन उन्होंने कुर्सी की बजाय शिक्षा को चुना और उज्जैन चले आए। जहां सुदामा से उनकी ऐसी मित्रता हुई, जिससे दुनिया आज भी सीख लेती है। मोहन यादव ने कान्हा की याद में 'श्रीकृष्ण पाथेय' परियोजना की कल्पना की है। मोहन यादव कहते हैं कि कंस वध के बाद मथुरा से चलकर कृष्ण उज्जैन आए। यहां उन्होंने शिक्षा ली। 'श्रीकृष्ण पाथेय' के तहत उज्जैन को मथुरा से जोड़ने की योजना है। इस पथ पर तीन राज्य हैं। कृष्ण उत्तर प्रदेश के मथुरा से राजस्थान होते हुए मध्य प्रदेश के उज्जैन पहुंचे थे। श्रीकृष्ण पाथेय करीब साढ़े छह सौ किलोमीटर का होगा। इस पाथेय के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल से मोहन यादव की बात हो चुकी है। यह संयोग ही है कि भजनलाल और मोहन यादव ने तकरीबन साथ-साथ अपने-अपने राज्यों में कमान संभाली थी। मोहन यादव की योजना है कि इस पाथेय को गुजरात के द्वारका तक बढ़ाया जाए। इस सिलसिले में गुजरात सरकार से भी मध्य प्रदेश की बातचीत चल रही है। श्रीकृष्ण पाथेय सही मायने में सांस्कृतिक पथ होगा। मोहन यादव कहते हैं कि लोकजागरण भी उनकी जिम्मेदारी है। इस पाथेय के जरिए दुनिया को दो संदेश देने की कोशिश होगी, पहला शिक्षा का संदेश और दूसरा अमीर-गरीब की मित्रता का संदेश। समाज को जोड़ने में शिक्षा और मित्रता का योगदान अनमोल है। इस पाथेय पर श्रीकृष्ण जहां-जहां रूके, उन-उन जगहों, तीर्थों को विकसित करने और पाथेय पर हस्तशिल्प कलस्टर को बनाने की तैयारी है। इससे जहां पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि लोगों को रोजगार भी मिलेगा। मध्य प्रदेश सरकार साल 2024 में लाड़ली बहना योजना पर 9 हजार 455 करोड़ रूपये से अधिक की राशि खर्च की है। जिसका फायदा राज्य की एक करोड़ 29 लाख महिलाओं को मिला है। बेशक ऐसी योजनाएं सरकारों के लिए फायदेमंद साबित हुई हैं, लेकिन एक वर्ग के निशाने पर भी ये योजनाएं हैं। मोहन यादव को भी पता है कि ऐसी कल्याणकारी योजनाओं को लंबे समय तक चलाना तभी संभव होगा, जब राज्य की आर्थिक सेहत अच्छी हो। इसलिए राज्य में इन्वेस्टर समिट किए जा गए। राज्य स्तर पर सातवां निवेशक सम्मेलन फरवरी 2025 में होना है। ये सम्मेलन संभागीय स्तर पर भी आयोजित किए जाते रहे। इन सम्मेलनों से अब तक राज्य को चार लाख करोड़ का निवेश प्रस्ताव मिल चुका है। जिसे और बढ़ाने की तैयारी है। पर्यावरण संकट झेल रही दुनिया में भारत के कई राज्यों पर कार्बन रेटिंग ठीक करने का दबाव है। लेकिन उनके पास जंगल लायक जमीन नहीं है। मोहन यादव उन राज्यों के लिए कैप्टिव योजना लाने जा रहे हैं। जिसे कान्हा वन, वृंदावन योजना नाम दिया गया है। इसके तहत कार्बन रेटिंग ठीक करने की चाहत रखने वाला राज्य मध्य प्रदेश में लीज पर जमीन ले सकता है और यहां जंगल लगा सकता है। मुख्यमंत्री का कहना है कि इससे जहां दूसरे राज्यों की कार्बन रेटिंग सुधरेगी, वहीं मध्य प्रदेश का वन क्षेत्र बढ़ेगा। जिससे मध्य प्रदेश का पर्यावरण भी बेहतर होगा। कृषि विकास दर के लिहाज से मध्य प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। मोहन यादव ऐसी योजनाएं ला रहे हैं, जिससे किसानों की आय और बढ़े और राज्य की आर्थिक सेहत भी दुरूस्त हो। इस लिहाज से दुग्ध उत्पादन और बागवानी पर जोर दिया जा रहा है। देश के दुग्ध उत्पादन में मध्य प्रदेश की हिस्सेदारी नौ प्रतिशत है, योजना है कि इसे बढ़ाकर बीस प्रतिशत किया जाए। किसी भी राज्य के कृषि विकास में उस राज्य के कृषि विश्वविद्यालयों में हो रही पढ़ाई और शोध का बहुत योगदान होता है। राज्य में कपास का उत्पादन भी खूब होता है। मोहन यादव सरकार चाहती है कि मध्य प्रदेश की कपास से राज्य में ही कपड़े का उत्पादन हो, इसके लिए योजना लाई गई है। मध्य प्रदेश की कपड़ा मिलों में महिलाओं को नौकरी मिले।

दिल्ली चुनावों पर 'रेवड़ी कल्चर' का खतरनाक साया

(ललित गर्ग)

रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएं पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जतन करना छोड़ देते हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक सरगर्मी उग्र से उग्रतर होती जा रही है। आम आदमी पार्टी मतदाताओं को लुभाने की कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। चुनाव से पहले अब आम आदमी पार्टी ने एक ऐसी लुभावनी, मतदाताओं को आकर्षित करने की योजना की घोषणा की है जिसके अन्तर्गत मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथियों को 18 हजार रुपए महीने दिए जाएंगे। इस योजना का नाम पुजारी-ग्रंथी योजना है। मुस्लिम धर्म एवं उनके अनुयायियों को रिझाते-रिझाते एकदम से केजरीवाल को हिन्दू धर्म के पुजारी एवं सिख धर्म के ग्रंथी क्यों याद आ गये? विडम्बना है कि विभिन्न राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहार बांटने, तोहफों, लुभावनी घोषणाएं एवं योजनाओं की बरसात करने का माध्यम बनते जा रहे हैं। बजट में भी 'रेवड़ी कल्चर' का स्पष्ट प्रचलन लगातार बढ़ रहा है, खासकर तब जब उन राज्यों में चुनाव नजदीक हों। 'फ्रीबीज' या मुफ्त उपहार न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में वोट बटोरने का हथियार हैं। यह एक राजनीतिक विसंगति एवं विडम्बना है जिसे कल्याणकारी योजना का नाम देकर राजनीतिक पार्टियां राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकती है। अरविन्द केजरीवाल ने तो दिल्ली में अपनी हार की संभावनाओं को देखते हुए सारी हदें पार कर दी है। बात केवल आम आदमी पार्टी, कांग्रेय या भाजपा की ही नहीं है, बल्कि हर राजनीतिक दल सरकारी खजानों का उपयोग आम मतदाता को अपने पक्ष में करने के लिये करता है। 'मुफ्त की सौगात' राजनीतिक फायदे के लिए जनता को दाना डालकर फंसाने वाली पहल है, एक तरह से दाना डालकर मछली पकड़ने जैसा है। ऐसी सौगातें सिर्फ गरीबों के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए होती है, जिसके पीछे आम आदमी पार्टी के संयोजक जैसे राजनेताओं का एकमात्र उद्देश्य देश में अपनी और अपनी पार्टी का प्रभुत्व स्थापित करना है। केजरीवाल के द्वारा चुनावों में मुफ्त की घोषणाएं करना कोई नया चलन नहीं है। अपने देश में रेवड़ियां बांटने का वादा और फिर उन पर जैसे-तैसे और अक्सर आधे-अधूरे ढंग से अमल का दौर चलता ही रहता है। लोकलुभावन वादों को पूरा करने की लागत अंततः मतदाताओं को खासकर करदाताओं को ही वहन करनी पड़ती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के चलन पर गंभीर चिंता जताई थी। नीति आयोग के साथ रिजर्व बैंक भी मुफ्त की रेवड़ियों पर आपत्ति जता चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं। कई बार तो वे अपात्र लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देने के वादे कर देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुछ समय पहले उन दलों को आड़े हाथों लिया था, जो वोट लेने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां देने के वादे करते हैं। उनका कहना था कि रेवड़ी बांटने वाले कभी विकास के कार्यों जैसे रोड, रेल नेटवर्क आदि का निर्माण नहीं करा सकते। वे अस्पताल, स्कूल और गरीबों के घर भी नहीं बनवा सकते। यदि कोई नेता या राजनीतिक दल गरीबों को कोई सुविधा मुफ्त देने का वादा कर रहा है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि वह उसके लिए धन कहां से लाएगा? अनेक अर्थशास्त्री मुफ्त उपहार बांटकर लोगों के वोट खरीदने की खतरनाक प्रवृत्ति के प्रति आगाह कर चुके हैं, लेकिन उनकी चिंताओं से नेता बेपरवाह हैं। वे यह देखने को तैयार ही नहीं कि अनाप-शनाप चुनावी वादों को पूरा करने की कीमत क्या होती है और उनसे आर्थिक सेहत पर कितना बुरा असर पड़ता है। रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएं पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जतन करना छोड़ देते हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5603

			2	4		6		
9								3
1					3		4	5
5	6			7		1		
		4	8		5	9		
		1		6			5	2
6	9		5					1
4								9
		8		9	6			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5602

4	1	6	9	2	3	5	8	7
5	8	2	4	1	7	6	9	3
3	9	7	6	8	5	4	1	2
7	3	9	1	6	4	2	5	8
1	5	8	3	7	2	9	4	6
6	2	4	8	5	9	7	3	1
9	7	3	2	4	1	8	6	5
2	6	1	5	9	8	3	7	4
8	4	5	7	3	6	1	2	9

आज का राशिफल

मेष

आज मन नई योजनाओं में लगेगा। किसी देवस्थान की यात्रा से मन को सकून मिलेगा। कानूनी विवाद में सफलता, स्थान परिवर्तन की योजना सफल हो सकती है। दिन के उत्तरार्ध में उलझनों के बावजूद पराक्रम की वृद्धि होगी। कार्यालय में भी आपके अनुकूल वातावरण बनेगा तथा आपके साथी आपका सहयोग करेंगे।

वृष

आज लाभ का दिन है और आपके लिए सम्मान प्राप्ति के योग बने हैं। आपका भाग्य साथ देगा और आपकी लगातार प्रगति होगी। आपके लिए कारोबार में लाभ के प्रबल योग बन रहे हैं। रात में कोई खास डील फाइनल हो जाएगी और आपके लिए बिजनस में शानदार मुनाफा होगा। शाम के वक्त मंगलोत्सवों में शामिल होने के अवसर प्राप्त होंगे। समाज में शुभ व्यय से आपकी कीर्ति बढ़ेगी।

मिथुन

आज लाभ होगा और दिन आर्थिक मामलों में लाभ से भरा होगा। आपको दिन भर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अतः कार्यशील रहें। परिवार में सुख शान्ति और स्थिरता का आनन्द उठाएं। नौकरी या व्यापार में कुछ नवीनता ला सकें तो आगे चलकर लाभ होगा।

तुला

आज करियर में लाभ के योग हैं और आपका कोई बड़ा कार्य पूर्ण होने से आपका मन खुश रहेगा। जो काम आपको सबसे प्रिय है वही करने को मिलेगा। आपको रिलैक्स करने में मदद मिलेगी। नई योजनाएं भी दिमाग में आएंगी और आपकी तरक्की होगी। सीनियर से सहयोग पाने का प्रयास करें तो आपको लाभ और सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक

आज करियर में लाभ होगा और आपको सफलता प्राप्त होगी। आपसी वार्ता और व्यवहार में संयम व सावधानी बरतें। आस-पास के लोगों से टकराव की नौबत न आएं इस बात का ध्यान रखें। किसी शुभ मंगल कार्य की चर्चा हो सकती है। भाग्य पर भरोसा रखें और आत्मविश्वास के साथ कार्य करें। रात के समय स्थिति में और भी सुधार होगा। आपको खुशी होगी।

धनु

आज भाग्य साथ देगा और आपका दनि काफी सफलता से भरा होगा। आप जो भी काम लगन के साथ करेंगे आज उस का फल उसी समय मिल सकता है। अधूरे काम निपट जाएंगे, महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी। ऑफिस में अपने विचारों के मुताबिक माहौल बन जाएगा और आपके साथी भी आपका सहयोग करेंगे। रात में कहीं आयोजन में जाने के अवसर आपको प्राप्त हो सकते हैं। आपकी योजनाएं सफल होंगी।

कर्क

आज दिन लाभकारी रहने वाला है। कुंभ राशि वाले कल आत्मविश्वास के साथ अपने काम में आगे बढ़ेंगे और शत्रुओं से निपटने की स्थिति में नजर आएंगे। विदेश में बिजनस करने वाले लोगों को कल कोई शुभ सूचना मिलेगी, जिससे उन्हें आर्थिक लाभ हो सकता है। राजनीति से जुड़े लोग कल राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

सिंह

आज योग का शुभ संयोग बन रहा है। साथ ही करियर में भी आप सफलता हासिल करेंगे। जो लोग नौकरी बदलने का विचार कर रहे हैं उन्हें भी कोई अच्छी ऑफर आज मिल सकता है। नौकरी करने वालों को किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा, नकारात्मकता को दूर करके ही आप अपनी जिम्मेदारियों को अच्छे से निभा पाएंगे।

कन्या

आज लाभ होगा और आपका दिन सावधानी में बीतेगा। बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएं तो बड़ा लाभ होने की आशा है। रोजमर्रा के कामों से परे कुछ नये कामों में हाथ आजमाएं। किसी अपने के लिए कुछ पैसों का इंतजाम करना पड़ सकता है।

मकर

आजदिन लाभकारक है और आपको सफलत प्राप्त होने से आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा। सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं और नए प्रॉजेक्ट भी आपके सभी समय से पूरे हो जाएंगे। आपके नए प्रॉजेक्ट पर भी कुछ काम शुरू हो सकता है। जमीन जायदाद के मामले में पारिवारिक और आस-पास के लोग कुछ परेशानी पैदा करने की कोशिश करेंगे।

कुंभ

आज दिन सामान्य है। साझे में किया व्यापार काफी फायदा पहुंचाएगा और आपको राहत होगी। रोजमर्रा के घरेलू काम को निपटाने का सुनहरा मौका है। हो सकता है आज आपको पुत्र-पुत्री के संबंध में कोई बड़ा फैसला लेना पड़े। ईमानदारी और निर्धारित नियमों का ध्यान रखे। कई प्रकार के काम एक साथ हाथ में आने से आपके मन में काफी बेचैनी बढ़ सकती है।

मीन

आज दिन काफी व्यस्त रहने वाला है। आपकी योजनाएं सफल होंगी और कारोबार में सफलता प्राप्त होगी। धर्म आध्यात्म के मामले में आपका मन प्रसन्न होगा और आपको पढ़ाई-लिखाई में समय निकालने से प्रसन्नता होगी। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्य में बाधा डालने का प्रयास कर सकते हैं और उसमें आपको समस्या हो सकती है।

वर्ग पहेली 5603

1	2	3			4	5	6
7				8		9	
			10		11		
12	13	14				15	16
	17					18	
19			20		21		
	22	23			24		
		25					

संकेत: बाएं से दाएं
1. यह एशिया का निष्प्राण क्षेत्र कहलाता है (3)
4. यह देश 1814 में ब्रिटेन के अधीन हो गया था और 26 मई 1966 को राष्ट्रमंडल के भीतर स्वाधीन बना जिसकी राजधानी जार्जटाउन है (3)
7. हस्तलिखित, उपरोपित, पैबंदी (3)
9. एक बार सांस लेने का समय, बल, कश, फूंक (2)
10. किसी वी.आई.पी. के आने पर की जाने वाली तोपों का फैर (3)
12. इस स्वतंत्रता सेनानी को पंजाब केसरी भी कहा जाता था (8)
17. न्यौछावर करना, उत्सर्ग करना (3)
18. अंधकार, तमोगुण, विजय वासना रूपी अज्ञान (2)
19. जल, आब, नीर, पानी (2)
20. थलीय धरातल, पृथ्वी (3)
22. अनलंकृत, दर्पहीन, सरल, सामान्य (3)
24. कुएं के आसपास बना हुआ चबूतरा (4)
25. मनुहार, मनाने का काम, मन्नत (4)

ऊपर से नीचे
1. रसोईघर को यह भी कहा जाता है (4)
2. दूरी नापने की एक प्राचीन इकाई (2)
3. सुमात्रा द्वीप में होने वाली एक प्रकार की घास (2)
5. अविस्मरण, स्मृति, वियोग, दुख (2)
6. संज्ञा, इस्म, उपाधि, संज्ञिका (2)
8. मिलन, समझौता, समागमन, इस फिल्म में शत्रुघ्न सिन्हा ने सर्प की भूमिका निबाही थी (3)
10. श्रृंगार करना, तैयार होना, बनना-ठनना (6)
11. प्रेमी, पुरूष मित्र को यह भी कहा जाता है (2)
13. उत्तराधिकारी, अनाथ, स्वामीहीन (4)
14. राल, लुआबा, लासा (2)
15. निशा, विभावरी, रात्रि, रजनी (2)
16. यमराज की भेजे जाने वाले संदेशवाहक (4)
21. पंडवानी शैली की प्रसिद्ध लोकगायिका (3)
23. समाकार, समकोटीय, अनेतर, सदृश्य (2)

वर्ग पहेली 5602 का हल

ब	ह	री	न		म	हु	आ
या	र		म	दी	ना		स
र	फ	बु	क		व		पा
		त	ह	स	न	ह	स
सु	ख		ला	वा		स्ती	
न	ल		ल	लि	ता		फों
य		आ		या	र	बा	ज
ना	म	ज	द		क	र	

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

सबरीमाला तीर्थयात्रा के दौरान मस्जिदों में न जाएं श्रद्धालु, भाजपा विधायक की अपील

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में भाजपा विधायक राजा सिंह के सबरीमाला मंदिर को लेकर दिए बयान पर विवाद हो गया है। उन्होंने केरल में सबरीमाला मंदिर जाने वाले अयप्पा भक्तों से अपील की कि वे अपनी तीर्थयात्रा के दौरान किसी भी मस्जिद में न जाएं। राजा सिंह ने शुक्रवार को हैदराबाद में संवाददाताओं से कहा कि भक्तों को अयप्पा दीक्षा के नियमों का सख्ती से पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर वे मस्जिद जाते हैं तो अशुद्ध हो जाएंगे। गोशामहल से विधायक सिंह ने कहा कि यह एक साजिश है कि भक्तों को मस्जिद में जाने के लिए मजबूर किया जाता है। एमएलए राजा सिंह ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्रियों ए रेवंत रेड्डी और एन चंद्रबाबू नायडू से भी अपील की। उन्होंने कहा कि केरल सरकार को पत्र लिखकर भक्तों के ठहरने के लिए आश्रयस्थल बनाने के वास्ते 10 एकड़ जमीन उपलब्ध कराने की मांग हो। भाजपा विधायक के बयान की सोशल मीडिया पर भी काफी चर्चा हो रही है और इंटरनेट यूजर्स ने तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दी हैं। दूसरी ओर, नायर सर्विस सोसाइटी के महासचिव जी सुकुमारन नायर ने मंदिर में रीति-रिवाजों में बदलाव का समर्थन करने के लिए केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की आलोचना की है। विजयन ने एक मठ के प्रमुख स्वामी के उस आह्वान का समर्थन किया है, जिसमें राज्य के मंदिरों में प्रवेश करने से पहले पुरुष श्रद्धालुओं को कमर से ऊपर के वस्त्र उतारने की आवश्यकता संबंधी लंबे समय से जारी प्रथा को समाप्त करने की बात कही गई है। नायर ने 6 साल पहले सबरीमाला भगवान अयप्पा मंदिर में महिलाओं के प्रवेश के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व किया था। उन्होंने कहा कि मंदिर की परंपराओं में हस्तक्षेप नहीं किया जाना चाहिए। नायर ने कहा कि प्रत्येक मंदिर की अपनी परंपराएं होती हैं, जिन्हें न तो सरकार और न ही कोई व्यक्ति बदल सकता है।

बाल-बाल बचीं सौरव गांगुली की बेटी सना, कोलकाता में बस ने कार को मारी टक्कर

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की बेटी सना गांगुली शुक्रवार शाम को कोलकाता के डायमंड हार्बर रोड पर एक बस से टकरा गईं। हालांकि इस हादसे में सना गांगुली को कोई चोट नहीं आई। रिपोर्ट्स के अनुसार, सना अपनी कार में ड्राइवर के बगल वाली सीट पर बैठी हुई थीं। बेहला चौरास्ता के पास उनकी कार को एक बस ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद बस ड्राइवर घटनास्थल से फरार हो गया, लेकिन सना गांगुली की कार के ड्राइवर ने उसका पीछा किया। उसे सखेर बाजार के पास रोक लिया। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक इस घटना के बाद सना गांगुली ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और बस के ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। सना की कार को इस टक्कर में मामूली नुकसान हुआ। सना गांगुली सौरव गांगुली और उनकी पत्नी डोना गांगुली की इकलौती बेटी है। सना ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा कोलकाता के लॉरेटो हाउस से प्राप्त की थी और इसके बाद उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन से इकोनॉमिक्स में डिग्री हासिल की। वर्तमान में सना गांगुली लंदन स्थित एक बुटीक कंसल्टिंग फर्म में कंसल्टेंट के रूप में काम कर रही हैं। सना का पेशेवर अनुभव विभिन्न क्षेत्रों में है। उन्होंने इनाक्टस नामक एक संगठन के साथ फुल-टाइम काम किया है।

अयोध्या की तरह प्रयागराज महाकुंभ में स्टेशनों पर तैनात होंगे कई भाषाओं के जानकार अफसर

प्रयागराज, एजेंसी। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के दौरान तैनात किए गए कई भाषाओं के जानकार अफसरों की ड्यूटी प्रयागराज के महाकुंभ मेले में भी लगाई गई है। यह अफसर देश भर के रेलवे स्टेशनों और कार्यालयों से महाकुंभ मेले में ड्यूटी करेंगे। ताकि महाकुंभ मेले में विभिन्न राज्यों के अलावा दक्षिण के राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में आसानी हो। स्टेशनों पर द्विभाषी अफसर तैनात होंगे और ट्रेनों के आवागमन की सूचनाएं भी अलग-अलग भाषाओं में दी जाएगी।

उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की ओर से प्रयाग जंक्शन, फाफामऊ, संगम आदि स्टेशनों पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तमाम सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इनमें हिंदी सहित तमिल, तेलगु, मलयालम, कन्नड़, गुजराती, उड़िया, कोंकणी, बंगाली आदि भाषाओं

के प्रीरिकॉर्डेड मैसेज रहेंगे।

प्रयागराज महाकुंभ मेले को देखते हुए रेलवे ने कई ट्रेनों का ठहराव प्रयाग स्टेशन पर भी कर दिया है। इसमें लखनऊ होकर चलने वाली ट्रेन नंबर 22549/22550 गोरखपुर-प्रयागराज वंदे भारत एक्सप्रेस भी शामिल है। इसके अलावा 20941 बांद्रा टर्मिनस-गाजीपुर सिटी, 12669 चेन्नै सेंट्रल-छपरा एक्सप्रेस, 22434 आनन्द विहार टर्मिनस-गाजीपुर सिटी, 12165 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस, 11055 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर, 11059 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-छपरा एक्सप्रेस, 18205 दुर्ग-नौतनवा, 11071 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बलिया, 22584 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-छपरा और 22969 ओखा-बनारस एक्सप्रेस भी प्रयाग स्टेशन पर रुकेंगी। इन सभी ट्रेनों को दो मिनट का ठहराव दिया गया है।रेलवे प्रशासन ने प्रयागराज के महाकुंभ मेला के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा के लिए दो स्पेशल ट्रेनों का संचालन कर रही है। उक्त दोनों ट्रेनों आजमगढ़ से मचिलीपट्टणम एवं आजमगढ़ से गुटूंर के लिए चलेगी। 7083/ 7084 मचिलीपट्टणम-आजमगढ़-मचिलीपट्टणम कुंभ मेला विशेष गाड़ी का संचलन 5 फरवरी को मचिलीपट्टणम से और 7 फरवरी को आजमगढ़ से एक फेरे के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में एलएसएलआरडी का एक, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का एक, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 8, शयनयान श्रेणी के 9, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 2 और जनरेटर सह लगेज यान के एक कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जाएंगे।

वाराणसी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 15 टन चाइनीज मंझे के जखीरे के साथ 8 गिरफ्तार

वाराणसी , एजेंसी। यूपी के वाराण्सी में चाइनीज मंझे को लेकर सिगरा पुलिस ने शुक्रवार रात बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने 15 टन चाइनीज मंझे के जखीरे के साथ 8 को गिरफ्तार किया है। लल्लापुरा के माताकुंड और छित्तूपुर से डेढ़ करोड़ की कीमत का 15 टन चाइनीज मंझा बरामद करते हुए सगे भाइयों समेत चार को गिरफ्तार किया है। अन्य कार्रवाई में मंडुवाडीह और रामनगर पुलिस ने 1.22 क्विंटल चाइनीज मंझा बरामद करते हुए चार को गिरफ्तार किया है।

एसीपी चेतगंज गौरव कुमार ने माताकुंड में छापेमारी कर दो भाइयों मो. आजम और मो. अफजल के गोदाम से 130 क्विंटल चाइनीज मंझा बरामद किया। छित्तूपुर के हरिनगर के दो भाइयों जितेंद्र और कुंदन कुशवाहा के गोदाम से 20 क्विंटल चाइनीज मंझा बरामद हुआ। पुलिस ने चारों पर केस दर्ज कर सभी को गिरफ्तार कर लिया है। कुल 15 टन चाइनीज मंझे की कीमत 1.50 करोड़ रुपये आंकी गई है। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने पुलिस टीम को 50 हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की है।

यूपी के वाराण्सी में चाइनीज मंझे को लेकर सिगरा पुलिस ने शुक्रवार रात बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने 15 टन चाइनीज मंझे के जखीरे के साथ 8 को गिरफ्तार किया है। लल्लापुरा के माताकुंड और छित्तूपुर से डेढ़ करोड़ की कीमत का 15 टन चाइनीज मंझा बरामद करते हुए सगे भाइयों समेत चार को गिरफ्तार किया है। अन्य कार्रवाई में मंडुवाडीह और रामनगर पुलिस ने 1.22 क्विंटल चाइनीज मंझा बरामद करते हुए चार को गिरफ्तार किया है। एसीपी चेतगंज गौरव कुमार ने माताकुंड में छापेमारी कर दो भाइयों मो. आजम और मो. अफजल के गोदाम से 130 क्विंटल चाइनीज मंझा बरामद किया। छित्तूपुर के हरिनगर के दो भाइयों जितेंद्र और कुंदन कुशवाहा के गोदाम से 20 क्विंटल चाइनीज मंझा बरामद हुआ। पुलिस ने चारों पर केस दर्ज कर सभी को गिरफ्तार कर लिया है। कुल 15 टन चाइनीज मंझे की कीमत 1.50 करोड़ रुपये आंकी गई है। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने पुलिस टीम को 50 हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की है। मंडुवाडीह पुलिस ने बच्चों से चाइनीज मंझे के बारे में जानकारी लेकर लहरतारा के सगे भाइयों मनील गुप्ता और अनिल गुप्ता की बौलिया स्थित दुकान पर छापेमारी की। वहां 95 किलो चाइनीज मंझा मिला। रामनगर के कबीरपुर सुल्तानपुर में छापेमारी कर पुलिस ने 23 किलो चाइनीज मंझा जब्त किया।

सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार बताने वाले पत्रकार मुकेश चंद्राकर की छत्तीसगढ़ में हत्या, सेप्टिक टैंक में मिली लाश

बीजापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में मुकेश चंद्राकर नामक पत्रकार की हत्या कर दी गई है। मुकेश 1 जनवरी की शाम से लापता थे। उनकी लाश जिस ठेकेदार के परिसर में बने सेप्टिक टैंक में मिली है, उनसे पत्रकार का सड़क निर्माण से जुड़ी खबर छापने के मामले में पहले भी विवाद हुआ था। बताया जा रहा है कि ये मामला सड़क निर्माण से जुड़े भ्रष्टाचार का है। इस मामले में राज्य के सीएम विष्णुदेव साय ने ट्विट करके दुख प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि हमने अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा देने के निर्देश दिए हैं मुकेश चंद्राकर एक जनवरी की शाम से लापता थे। काफी देर तक कोई जानकारी ना मिलने पर उनके भाई युकेश चंद्राकर ने पुलिस को सूचित किया। इसके बाद उनकी तलाशी शुरू हुई तो मोबाइल की आखिरी लोकेशन एक बाड़े में बने सेप्टिक टैंक में मिली। इसके बाद वहां जाकर देखा गया तो उनकी लाश बरामद हुई। पुलिस ने शव को निकालकर संदिग्ध लोगों से पूछताछ शरू कर दी है। लाश जिस सेप्टिक टैंक से बरामद हुई, वह टैंक एक ठेकेदार के परिसर में बना हुआ था। पुलिस ने बताया कि लाश की हालत काफी खराब हो गई थी। फूलने के कारण लाश सड़ने लगी थी।

द्वारका एक्सप्रेसवे से मानेसर तक बनेगी 5.6 मिकी लंबी सड़क, 8 सेक्टरों को फायदा; एनएच-48 पर घटेगा दबाव

गुरुग्राम। गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे से आईएमटी मानेसर तक 5.6 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने सड़क के निर्माण का टेंडर एक कंपनी को आवंटित कर दिया है। इस सड़क के निर्माण पर 49.49 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। इस सड़क पर तीन लेन की मुख्य सड़क के साथ-साथ दो लेन की सर्विस रोड, फुटपाथ, साइकिल ट्रैक और बरसाती नाले का निर्माण किया जाएगा। इसके बनने से आईएमटी मानेसर आवागमन आसान हो जाएगा। टेंडर की शर्तों के मुताबिक, सवा साल तक इस कंपनी को इस सड़क का निर्माण कार्य पूरा करना होगा। सड़क बनने के बाद चार साल तक इस कंपनी को इस सड़क की देखरेख करनी होगी। मौजूदा समय में इस सड़क की हालत बदहाल अवस्था में है। इस सड़क पर रोजाना करीब 80 हजार वाहन निकलते हैं। सुबह-शाम में जाम की समस्या बन जाती है। ये मुख्य सड़क सेक्टर-84 से लेकर सेक्टर-91 तक कुल 8 सेक्टरों को विभाजित करती है। इस सड़क के बदहाल होने के कारण वाहन चालक आईएमटी मानेसर जाने के लिए द्वारका एक्सप्रेसवे से रामपुरा रोड होते हुए दिल्ली-जयपुर हाईवे पर चढ़ जाते थे। इस सड़क के दोबारा निर्माण होने के बाद दिल्ली-जयपुर हाईवे पर यातायात का दबाव कम हो जाएगा। इससे वाहन चालकों को लाभ होगा। आईएमटी मानेसर में छोटे-बड़े करीब 700 उद्योग हैं। रोजाना लाखों की संख्या में कर्मचारी इस औद्योगिक क्षेत्र में जाते हैं।

अवैध निर्माण पर एआई रखेगा नजर, जीडीए ने शुरू की तैयारी; इस तरह मदद करेगी तकनीक

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) तकनीक की मदद से अवैध निर्माण पर अंकुश लगाने की तैयारी है। इसके लिए सॉफ्टवेयर के माध्यम से अवैध निर्माण का सेटेलाइट डाटा चिह्नित करने की प्रक्रिया इस महीने शुरू होगी। प्राधिकरण इस पर तेजी से काम कर रहा।

जीडीए का वर्तमान दायरा 184 गांवों की 3,889 हेक्टेयर जमीन पर फैला हुआ है, जिसे प्राधिकरण ने आठ जोन में विभाजित किया है। इन जोन में अवैध व नक्शे के विपरीत निर्माण प्राधिकरण की सबसे बड़ी समस्या है। हालांकि, इसे रोकने के लिए प्राधिकरण में प्रवर्तन अनुभाग है, लेकिन फिर भी प्राधिकरण इसे पूरी तरह नहीं रोक सका है। अब जीडीए हाईटेक तकनीक से अवैध निर्माण पर लगाम लगाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए प्राधिकरण ने एक कंपनी से करार भी किया है। यह कंपनी इनफोर्समेंट जियाट्रिक्स सॉफ्टवेयर से सेटेलाइट डाटा के आधार पर अवैध निर्माण को चिह्नित करेगी, फिर इसमें मैप के अनुसार निर्माण होने का भी पता चलेगा।

अधिकारी बताते हैं कि जनवरी के अंत तक तकनीक के तहत प्रक्रिया को शुरू हो जाएगी। ऐसा

होने के बाद सुपरवाइजर और जेई जिम्मेदारी से नहीं बच सकेंगे। जब किसी जोन से किसी अधिकारी का ट्रांसफर होगा तो उसे सेटेलाइट इमेज पर हस्ताक्षर करके आने वाले अधिकारी को देना होगा। यदि कोई अधिकारी अवैध निर्माण पर कार्रवाई नहीं करेगा, तो उसके खिलाफ कार्रवाई भी होगी। इस व्यवस्था को कई चरण में लागू किया जाएगा। प्रथम चरण में एक हजार वर्ग मीटर या उससे अधिक बड़े भूखंडों को शामिल किया गया है। इस तकनीक से अवैध कॉलोनियों का आसानी से पता लगाया जा सकेगा। साथ ही इसकी सेटेलाइट से इमेज भी ली जाएगी, जिसमें वहां की वर्तमान स्थिति दर्शाई जाएगी। फिर प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम को यह रिपोर्ट भेजी जाएगी, ताकि वह कार्रवाई कर सके।

जीडीए सचिव बताते हैं कि सॉफ्टवेयर की मदद से सेटेलाइट इमेज से अवैध निर्माण चिह्नित होंगे। क्षेत्र की एक इमेज तीन महीने पहले और दूसरी इमेज तीन महीने बाद ली जाएगी। फिर इसका एआई से विश्लेषण होगा, जिसमें नक्शे के साथ उसका मिलान किया जाएगा। इससे पता चल जाएगा कि किस जगह पर नक्शे के विपरीत या अवैध निर्माण हो रहा है या हुआ है। यह रिपोर्ट प्रवर्तन टीम को भेजी जाएगी। साथ ही स्पष्टीकरण भी मांगा जाएगा।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के सचिव राजेश सिंह ने कहा, अवैध निर्माण के खिलाफ ठोस कार्यवाही की जा रही है। अब सॉफ्टवेयर से सेटेलाइट डाटा के आधार पर अवैध निर्माण चिह्नित होगा। इसमें एआई की भी मदद ली जाएगी। यह प्रक्रिया इस महीने के अंत तक शुरू करने का प्रयास है।

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो रूट की बड़ी बाधा होगी दूर

गुरुग्राम। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के निर्माण के बीच में आ रही एक बाधा को दूर करने की प्रक्रिया को शुरू कर दिया गया है। सेक्टर-चार और नौ के तीन मकान मेट्रो अलाइनमेंट के बीच में आ रहे हैं। इन्हें खरीदने के लिए हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (एचएमआरटीसी) और गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) के अधिकारियों की इन मकान मालिकों से बातचीत चल रही है।

मकानों को लेकर यदि बातचीत सिरे नहीं चढ़ती है तो इन मकानों के अधिग्रहण का विकल्प तलाश किया जाएगा। इस बाधा को सुलझाने में गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण और हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के अधिकारी भी मदद कर रहे हैं।

मेट्रो निर्माण की अलाइनमेंट के बीच

में सेक्टर-4 के दो और सेक्टर-9 का एक मकान आ रहा है। पहले इन मकानों के अधिग्रहण की योजना बनाई गई थी। अधिकारियों ने बातचीत के बाद निष्कर्ष निकाला कि अधिग्रहण करने में दो से तीन साल का समय लग जाएगा। अब इन मकान मालिकों से मकान को बेचने के लिए बातचीत की जा रही है। मेट्रो संचालन को लेकर सामान्य सलाहकार को अगले सप्ताह तक नियुक्त कर दिया जाएगा। जीएमआरएल में जल्द 20 अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति हो जाएगी।

पिछले दिनों इन मकान के मालिकों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की थी। इनकी तरफ से एक मांग पत्र मुख्यमंत्री को सौंपा गया है। इसमें मकानों के बदले में एचएसवीपी का सामान एरिया का वैकल्पिक प्लॉट देने का आग्रह किया है, जिसको लेकर अधिकारी विचार विमर्श कर रहे हैं। अगले 10 से 15 दिन के अंदर इन मकानों की खरीद को लेकर फैसला ले लिया जाएगा। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के तहत 27 स्टेशन का निर्माण होना है। 28.5 किलोमीटर लंबी इस मेट्रो के निर्माण में 5452 करोड़ रुपये का खर्चा आने का अनुमान है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने मेट्रो निर्माण की समीक्षा करने के दौरान जीएमआरएल के प्रबंध निदेशक डॉ. चंद्रशेखर खरे को आदेश जारी किए थे कि एक मई से मेट्रो रूट पर निर्माण कार्य शुरू करवाएं।

रिजिजू ने अजमेर दरगाह पर चढ़ाई पीएम मोदी की चादर, बोले- देश में अच्छा माहौल चाहते हैं

अजमेर, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से चादर लेकर अजमेर शरीफ दरगाह पहुंचे हैं। पूरी दुनिया में भाईचारे इंसानियत और सांप्रदायिक सद्भाव के लिए विख्यात राजस्थान के अजमेर में सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 813 वें सालाना उर्स के मौके पर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से चादर पेश की गई। यहां सर्किट हाउस में अजमेर के भाजपा नेताओं की ओर से उनका भव्य स्वागत किया गया। अजमेर की दरगाह में भी दरगाह कमेटी और खादिमों की संस्थाएं अंजुमन की ओर से भी प्रधानमंत्री की भेजी चादर का स्वागत किए जाने का एक दिन पूर्व ही पदाधिकारियों ने एलान किया था।0

उधर, राष्ट्रीय हिन्दू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की ओर से दरगाह में संकट मोचन महादेव मंदिर होने को लेकर सिविल न्यायालय में दायर वाद पर विवाद कायम बना हुआ है। हिन्दू सेना के अध्यक्ष और हिन्दू धर्म सभा के पदाधिकारी सेवानिवृत्त न्यायाधीश अजय शर्मा ने दो बार प्रधानमंत्री को उर्स के मौके पर इस बार चादर नहीं भेजने को पत्र लिखा था। इधर, दरगाह में जायरीन की आवक बढ़ने उर्स की रौनक बढ़ने लगी है और दरगाह में उर्स की रसूमात धूमधाम से मनाई जा रही है।

जनवरी महीने की 7 तारीख को उर्स की आध्यात्मिक रसूमात के तहत छठी होगी। उस दिन छोटे कुल की रस्म अदा होगी। वहीं 10 जनवरी को बड़े कुल पर दरगाह शरीफ को इत्र, केवड़े व गुलाब जल के छींटे से धोया जाएगा और इसके साथ ही उर्स की धार्मिक औपचारिक समापन हो जाएगा। इस बीच उर्स में देश दुनिया के बड़े नामचीन लोगों की ओर से चादर चढ़ाने का सिलसिला जारी है। उर्स के चलते दरगाह सहित पूरे शहर में देश के विभिन्न राज्यों से आए जायरीन की चहल पहल बढ़ गई है और दरगाह में उर्स के तहत मन्नतें मांगने, चादर चढ़ाने और अकीदत के फूल पेश करने का सिलसिला जारी है। उर्स में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से शनिवार को सुबह चादर पेश की गई। केन्द्रीय अल्पसंख्यक मामलात कार्य मंत्री किरन रिजिजू प्रधानमंत्री की तरफ से ख्वाजा साहब की पवित्र मजार पर चादर पेश की।

मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे बनकर तैयार, अब 8 घंटे में तय हो जाएगी दूरी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार की ओर से यात्रियों को बड़ी खुशखबरी दी गई है। 701 किलोमीटर लंबे मुंबई से नागपुर एक्सप्रेसवे का निर्माण पूरा हो गया है। माना जा रहा है कि इसका उद्घाटन अगले महीने फरवरी में होगा। इस एक्सप्रेसवे को हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग नाम दिया गया है। नागपुर से नासिक के इगतपुरी के बीच की दूरी 625 किलोमीटर है जहां एक्सप्रेसवे पहले से ही चालू है। अब एक बार उद्घाटन होने के बाद इससे होकर मुंबई से नागपुर की यात्रा काफी सुलभ हो जाएगा। दोनों शहरों के यात्रा का समय 16 घंटे से घटाकर 8 घंटे रह जाएगा।

मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे को दिसंबर 2022 और मार्च 2023 में आंशिक रूप से दो बार खोला जा चुका है। अब अंतिम

खंड का निर्माण कार्य भी पूरा हो गया है और इसका उद्घाटन अगले महीने फरवरी होने की संभावना है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की ओर से इस प्रोजेक्ट के लिए अनिल कुमार बलिराम गायकवाड़ को चीफ इंजीनियर के तौर पर चुना था। अगर गायकवाड़ की बात करें तो वह फिलहला महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम के मैनेजिंग डायरेक्टर के रूप में काम कर रहे हैं। बताते हैं कि यह परियोजना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट रही है। इसके चालू हो जाने से महाराष्ट्र के सामाजिक और आर्थिक विकास में बड़ा बदलाव आ सकता है।

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली के सांसदों ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को 4 परियोजनाओं का प्रस्ताव सौंपा है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी में यातायात की भीड़ और प्रदूषण के स्तर को कम करना है। पूर्वी दिल्ली के सांसद हर्ष मल्होत्रा ??ने बुधवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय में जूनियर मंत्री मल्होत्रा ने बताया कि दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य लगभग पूरा होने वाला है और जल्द ही इसे यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। इसी तरह, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे भी जल्द ही खोला जाएगा, जिससे दिल्ली से मुंबई की यात्रा 12 घंटे में पूरी हो जाएगी।

कर्नाटक के गडक में भीषण हादसा, कार सवार दो की मौत

गडक , एजेंसी। कर्नाटक के गडग में एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई है। यह हादसा गडग जिले के हुलाकोटी गांव के पास हुआ है। बताया जा रहा है कि तेज गति से आ रही कार ने अचानक नियंत्रण खो दिया और हुलाकोटी गांव के पास डिवाइडर से टकरा गई। कार में सवार 18 वर्षीय मोहम्मद जैद और 15 वर्षीय संजीव गिरार्डी की मौत हो गई है। इसके अलावा आशीष गुडुर और ड्राइवर सप्तगिरी गंभीर रूप से घायल हो गया है।

हादसे की भयावहता का अंदाजा क्षतिग्रस्त कार को देखकर लगाया जा सकता है। कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई है। सड़क से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचित किया। प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक कार की रफ्तार बहुत तेज थी। वहीं, हादसे की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची गडग पुलिस ने मशक्कत के बाद कार सवारों को निकाला। घायलों को इलाज के लिए जीआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया है। इसके साथ ही शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

टेनिस:

विश्व नंबर 293 ओपेल्का से हारे जोकोविच

● ब्रिस्बेन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में 6-7, 3-6 से मिली पराजय

ब्रिस्बेन, एजेंसी।

24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता सर्बिया के नोवाक जोकोविच को ब्रिस्बेन अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में विश्व नंबर 293 अमेरिका के रीली ओपेल्का के हाथों हार का सामना करना पड़ा। अपनी तेज सर्विस के दम पर ओपेल्का ने जोकोविच को सीधे सेटों में 7-6 (6), 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ओपेल्का ने पूरे मैच में 16 एस लगाए और दोनों सेट एस लगाकर ही समाप्त किए। यह उनके जीवन की सबसे बड़ी जीत में से एक है। सेमीफाइनल में ओपेल्का फ्रांस के जियोवानी पेरीकार्ड से भिड़ेंगे। पेरीकार्ड ने याकूब मेंसिक को 7-5, 7-6 से हराया।

तीन वर्ष पूर्व विश्व नंबर 17 थे

फरवरी, 2022 में ओपेल्का की विश्व रैंकिंग 17 तक पहुंच गई थी, लेकिन इसी वर्ष के अंत में उनके कूल्हे की सर्जरी हुई और ट्यूमर निकाला गया। जब से उन्होंने टेनिस कोर्ट पर वापसी की है, उसके बाद से यह उनके लिए सबसे बड़ा परिणाम है। जोकोविच का साल का यह पहला टूर्नामेंट है। 12 जनवरी से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलियाई ओपन में वह नए कोच एंडी मरे की कोचिंग में खेलने उतरेंगे। जोकोविच 10 बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीत चुके हैं। ओपेल्का ने कहा, जोकोविच के खिलाफ उनके पास खोने को कुछ नहीं था। वह इस खेल के सबसे महान खिलाड़ी हैं, जिसके चलते वह उनके खिलाफ स्वतंत्र होकर खेले और ज्यादा जोखिम भी उठाए। अगर आप उनके खिलाफ सामान्य या उससे कुछ अधिक स्तर पर खेलेंगे तो किसी भी खिलाड़ी को उनके खिलाफ हार मिलेगी।

जसप्रीत बुमराह को लगी चोट, क्या दूसरी पारी में कर पाएंगे बॉलिंग?

सिडनी, एजेंसी। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जा रहा सिडनी टेस्ट मैच रोमांचक स्थिति में पहुंच गया है. सिर्फ 2 दिन का खेल हुआ है और उसमें भी दो पारियां पूरी हो चुकी हैं, जबकि तीसरी पारी में भी टीम इंडिया के 6 विकेट गिर गए. हालांकि टीम इंडिया इसके बावजूद अभी 145 रन की बढ़त ले चुकी है. मगर टीम इंडिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती टीम के कप्तान और स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह की फिटनेस. मैच के दूसरे दिन बुमराह अचानक मैदान छोड़कर अस्पताल चले गए थे, जिसने भारतीय टीम और फैंस की धड़कनें बढ़ा दी हैं. अब खुलासा हुआ है कि बुमराह की पीठ में दर्द उठा है और मेडिकल टीम उन पर नजर बनाए हुए है.

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में शनिवार 4 जनवरी को सीरीज के आखिरी टेस्ट के दूसरे दिन का खेल हुआ. ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी को आगे बढ़ाना शुरू किया. दिन के पहले सेशन में तो बुमराह ने काफी गेंदबाजी की और मार्नस लाबुशेन का विकेट भी हासिल किया. फिर दूसरे सेशन में कुछ देर के खेल के बाद अचानक वो मैदान से बाहर चले गए. ये नजारा देखकर टीम इंडिया के फैंस भी टेंशन में आ गए.

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट:

पंत ने टेस्ट में लगाया टी-20 का तड़का

29 गेंद में अर्धशतक जड़ बनाया विराट रिकॉर्ड

सिडनी, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत ने सिडनी में खेले जा रहे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें टेस्ट में टी20 का तड़का लगाया. पंत ने 29 महज गेंदों में अर्धशतक पूरा कर लिया. अर्धशतक तक पहुंचने के लिए पंत ने 6 चौके और 3 छक्के लगाए. इस अर्धशतक के साथ पंत एक बार फिर भारत के लिए टेस्ट में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए. इसके अलावा पंत ऑस्ट्रेलिया में मेहमान टीम के खिलाड़ी के रूप में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी बने.

पंत ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्कों की मदद से 61 रनों की पारी खेली. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 184.85 का रहा. पंत के जरिए टीम इंडिया ने पांचवां विकेट खोया.

पंत का विराट रिकॉर्ड

पंत ने 29 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया. इससे पहले उन्होंने 2022 में श्रीलंका के खिलाफ बेंगलुरु में खेले गए मुकाबले में 28 गेंदों में फिफ्टी पूरी की थी, जिसके साथ वह भारत के लिए टेस्ट में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बने थे. अब सिडनी

टेस्ट में 29 गेंदों में हाफ सेंचुरी पूरी कर पंत एक बार फिर अपने रिकॉर्ड के करीब पहुंच गए. लिस्ट में पूर्व कप्तान कपिल देव तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने 1982 में पाकिस्तान के खिलाफ कराची में 30 गेंदों में अर्धशतक लगाया था.

अब तक सीरीज में ऋषभ पंत

पंत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के सभी पांच टेस्ट खेले. शुरुआती चार टेस्ट में पंत फ्लॉप नजर आए और उनके बल्ले से कोई अर्धशतक नहीं निकला. अब पांचवें टेस्ट में भारत की दूसरी पारी के दौरान पंत ने सीरीज का पहला अर्धशतक बनाया. सीरीज में पंत ने 9 पारियों में क्रमशः 37, 01, 21, 28, 09, 28, 30, 40 और 61 रन बनाए.

भारत के लिए टेस्ट में सबसे तेज अर्धशतक

28 गेंद ऋषभ पंत बनाम श्रीलंका, बेंगलुरु, 2022
29 गेंद ऋषभ पंत बनाम ऑस्ट्रेलिया, सिडनी, 2025
30 गेंद कपिल देव बनाम पाकिस्तान, कराची, 1982
31 गेंद शार्दुल ठाकुर बनाम इंग्लैंड, द ओवल, 2021
31 गेंद यशस्वी जयसवाल बनाम बांग्लादेश, कानपुर, 2024.

भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट हुआ रोमांचक

● सिडनी टेस्ट में भारत 145 रन से आगे
● पंत ने 184 के स्ट्राइक रेट से फिफ्टी बनाई
● जडेजा-सुंदर नाबाद

सिडनी, एजेंसी। भारत बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के 5वें टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से 145 रन आगे है। शनिवार को टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 6 विकेट खोकर 141 रन बनाए। रवींद्र जडेजा 8 और वॉशिंगटन सुंदर 6 रन पर नाबाद लौटे। सिडनी में भारतीय टीम से ऋषभ पंत ने 33 बॉल पर 61 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल ने 22 रन का योगदान दिया। केएल राहुल और शुभमन गिल 13-13 रन बना सके। विराट कोहली ने 6 रन बनाए। स्कॉट बोलैंड ने 4 विकेट झटके।

टी-ब्रेक से पहले ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 181 रन पर ऑलआउट हुई। यहां इंडिया को पहली पारी में 4 रन की बढ़त मिली थी। भारत ने पहली पारी में 185 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया से डेब्यू मैच खेल रहे ब्यू वेबस्टर ने सबसे ज्यादा 57 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 33 और सैम कोंस्टास ने 23 रन बनाए। प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज ने 3-3 विकेट झटके। जसप्रीत बुमराह और नीतीश रेड्डी को 2-2 विकेट मिले।

स्पोर्ट्स अवार्ड्स:

खेल पुरस्कार के लिए आगे नहीं आए क्रिकेटर, खेल रत्न और अर्जुन अवॉर्ड के लिए नहीं किया आवेदन

नईदिल्ली, एजेंसी। पिछली बार की तरह इस बार खेल मंत्रालय ने भी किसी भी क्रिकेटर को पुरस्कार देने के लिए स्वतः संज्ञान नहीं लिया। बीते वर्ष मंत्रालय ने मोहम्मद शमी को अर्जुन अवॉर्ड दिया था।

देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न और अर्जुन अवॉर्ड के लिए खिलाड़ियों में जबरदस्त होड़ रहती है, लेकिन किसी भी क्रिकेटर ने इनमें रुचि नहीं दिखाई।

भारतीय टीम के किसी भी क्रिकेटर ने खेल रत्न और अर्जुन अवॉर्ड के लिए इस बार आवेदन नहीं किया। पुरस्कार समिति के कुछ सदस्यों के अनुसार इस बार राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के लिए तकरीबन 350 खिलाड़ियों ने आवेदन किया, लेकिन इसमें किसी भी क्रिकेटर का नाम नहीं था। हालांकि, पिछली बार की तरह इस बार खेल मंत्रालय ने भी किसी भी क्रिकेटर को पुरस्कार देने के लिए स्वतः संज्ञान नहीं लिया। बीते वर्ष मंत्रालय ने मोहम्मद शमी को अर्जुन अवॉर्ड दिया था।

बुमराह, द्रविड़ माने जा रहे थे दावेदार

कुछ वर्षों से खेल मंत्रालय ने खेल पुरस्कारों के लिए सीधे आवेदन का प्रावधान रखा है। इससे पहले खिलाड़ी अपने खेल संघों के जरिये इनके लिए आवेदन करते थे। पिछले कई वर्षों से बीसीसीआई खेल पुरस्कार के लिए आवेदन भेजता था। सीधे आवेदन के चलते किसी भी क्रिकेटर ने इनमें रुचि नहीं दिखाई। इस बार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को अर्जुन अवॉर्ड और टी-20 विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ को द्रोणाचार्य अवॉर्ड का दावेदार माना जा रहा था, लेकिन उनका आवेदन नहीं होने के चलते उन्हें नहीं चुना गया। हालांकि द्रविड़ ने कई वर्ष पूर्व खेल रत्न के लिए आवेदन किया था, लेकिन तब उन्हें यह पुरस्कार नहीं दिया गया। इस बार द्रोणाचार्य अवॉर्ड के लिए कुछ क्रिकेट प्रशिक्षकों ने जरूर आवेदन किया था। इस बार पुरस्कार समिति में पूर्व क्रिकेटर अनिल कुंबले भी शामिल थे, लेकिन किन्हीं कारणों से वह बैठक में नहीं आ पाए।

शतरंज खिलाड़ी वंतिका का बयान

अर्जुन पुरस्कार उपलब्धि, मेरा लक्ष्य शीर्ष 10 में जगह बनाना

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत की उभरती शतरंज खिलाड़ी वंतिका अग्रवाल ने अर्जुन पुरस्कार जीतने को अपने करियर के सबसे बड़े क्षणों में से एक करार देते हुए कहा कि उनका अगला बड़ा लक्ष्य ग्रैंडमास्टर का खिताब हासिल करने के साथ महिला खिलाड़ियों की वैश्विक रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाना है। वंतिका ने कहा, अर्जुन पुरस्कार पाकर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह पुरस्कार हासिल करना मेरे करियर के सबसे सुखद पलों में से एक है। यह मेरे जीवन में एक प्रमुख व्यक्तिगत मील का पत्थर है। यह सम्मान मेरी कड़ी मेहनत, मेरे कोचों के समर्पण और मेरे परिवार और गुरुओं के अटूट समर्थन का प्रमाण है।

वंतिका के नाम अभी 2411 अंक हैं। उन्होंने 2024 में भारत की ऐतिहासिक शतरंज ओलंपियाड जीत के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। वह इस दौरान 13 ईएलओ अंक हासिल कर वैश्विक रैंकिंग में 12 स्थान सुधार करने में सफल रही।उन्होंने कहा, अब मेरा लक्ष्य

ग्रैंडमास्टर का तमगा हासिल कर महिलाओं की रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाना है।

भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी अभय सिंह को इंग्लैंड में प्रशिक्षण के लिए कैब में जाते समय एक बधाई संदेश मिला जिससे उन्हे अर्जुन पुरस्कार के लिए चुने जाने का पता चला। इस साल विश्व रैंकिंग में शीर्ष 30 में जगह बनाने का लक्ष्य रखने वाले 25 वर्षीय खिलाड़ी ने इस सम्मान को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि करार देते हुए कहा, हां, यह एक बड़ी उपलब्धि है। हो सकता है कि जब मैं 17 तारीख को वहां पहुंचूं तो यह मुझे और अधिक प्रभावित करे।

मैं अभी इंग्लैंड में ठंड में एक प्रशिक्षण शिविर में रुका हुआ हूं, इसलिए इसे प्राप्त करना थोड़ा कठिन है। एशियाई खेल 2023 में टीम स्वर्ण और मिश्रित युगल में कांस्य पदक जीतने वाले दुनिया के 54वें नंबर के इस खिलाड़ी ने कहा, यह पुरस्कार मेरी टीम और परिवार के बलिदानों और मुझमें उनके निवेश के लिए है। मुझे उम्मीद है कि वे खुश और गौरवान्वित होंगे। अभय से जब पूछा गया कि उन्हें पुरस्कार के बारे में कैसे पता चला, तो उन्होंने कहा, मैं प्रशिक्षण के लिए कैब से जाते समय झपकी ले रहा था तभी किसी ने मुझे बधाई संदेश भेजा। ईमानदारी से कहूं तो मुझे इस पुरस्कार के लिए चुने जाने का इसी तरह से पता चला।

तलाक की अफवाहों ने फिर पकड़ा जोर

धनश्री वर्मा और युजवेंद्र चहल के रिश्ते में दरार?

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी, कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा, एक बार फिर अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। दोनों के बीच तलाक की अफवाहें तब और तेज हो गईं जब दोनों ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया। खबरों के मुताबिक, युजवेंद्र चहल ने धनश्री के साथ अपने सभी सोशल मीडिया पोस्ट हटा दिए हैं, जबकि धनश्री ने चहल को अनफॉलो तो किया है, लेकिन उनके साथ की तस्वीरें अभी भी उनके प्रोफाइल पर मौजूद हैं। इस जोड़े के करीबी सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि दोनों का तलाक

लगभग तय है और आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। हालांकि, उनके अलगाव के पीछे के सही कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। साल 2023 में भी दोनों के अलगाव की अफवाहें उस समय उड़ी थीं, जब धनश्री ने अपने इंस्टाग्राम बायो से चहल उपनाम हटा दिया था।

इसी दौरान, चहल ने एक गुप्त स्टोरी शेयर की थी जिसमें लिखा था, नया जीवन लोड हो रहा है। हालांकि, उस वक्त चहल ने इन अफवाहों को खारिज करते हुए अपने प्रशंसकों से ऐसी बातें न फैलाने की अपील की थी। गौरतलब है कि इस जोड़े ने 11 दिसंबर, 2020 को शादी की थी।

खेल रत्न अवार्ड्स:

यह जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि: हरमनप्रीत

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के कप्तान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने मेजर ध्यानचंद खेल रत्न के लिए चुने जाने पर कहा, यह उनके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि में से एक है, लेकिन वह अभी संतुष्ट नहीं हुए हैं और अभी काफी कुछ आना बाकी है। हरमनप्रीत का कहना है कि उनका अगला लक्ष्य विश्वकप का पदक जीतना है। सबसे बड़ा सपना ओलंपिक और विश्वकप का स्वर्ण जीतना है।

हरमनप्रीत यह भी कहते हैं कि ये पुरस्कार और उपलब्धियां तो उनकी हैं, लेकिन इनके पीछे उनके टीम साथियों का हाथ है। इनके बिना कुछ भी संभव नहीं है। वर्ष 2014 से अंतरराष्ट्रीय करिअर की शुरुआत करने वाले हरमनप्रीत कहते हैं कि हमने अब तक जो कुछ भी हासिल किया है, एक टीम के रूप में हासिल किया है। अगले वर्ष बेल्जियम में होने वाले विश्वकप में पदक जीतना उन्होंने अगला लक्ष्य रखा है। इसके बाद वह 2028 के ओलंपिक में स्वर्ण का लक्ष्य लेकर उतरेंगे। विश्वकप का पदक इस वजह से महत्वपूर्ण है, क्योंकि हमने लंबे समय से विश्वकप में कोई पदक नहीं जीता है।

अभी संन्यास लेने की कोई योजना नहीं: रोहित शर्मा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के सिडनी टेस्ट मैच के दूसरे दिन लंच ब्रेक के दौरान ब्रॉडकास्टर को दिए इंटरव्यू में टेस्ट क्रिकेट में अपने भविष्य को लेकर अटकलों पर जवाब दिया। रोहित शर्मा ने इस इंटरव्यू में न्यू ईयर टेस्ट मैच से पहले ड्रेसिंग रूम में क्या हुआ इस बारे में विस्तार से बात की और निकट भविष्य के लिए अपनी योजनाओं के बारे में भी बताया। रोहित ने कहा कि सिडनी टेस्ट से बाहर रहने का उनका फैसला कठिन लेकिन समझदारी भरा था, लेकिन इससे उनके भविष्य में कोई बदलाव नहीं आएगा। रोहित शर्मा से सवाल हुआ, ऐसी खबरें थीं कि आपको आराम दिया गया या टीम से बाहर कर दिया गया?

रोहित ने जवाब दिया, इनमें से कुछ नहीं है। मैं बाहर हटा हूं। मैंने चयनकर्ताओं और कोच से कहा कि मेरे बल्ले से रन नहीं निकल रहा है, इसलिए मैंने हटने का फैसला किया। मैं थोड़ा बहुत कहूंगा, पचास बातें बनेंगी। कोच और कप्तान के साथ मेरी जो बातचीत हुई वह बहुत सरल थी मैं रन नहीं बना रहा हूं। रोहित शर्मा ने कहा, मैं फॉर्म में नहीं हूं, यह एक महत्वपूर्ण मैच

है, हमें फॉर्म में खिलाड़ियों की जरूरत है। हमारे बल्लेबाज फॉर्म में नहीं हैं। आप टीम में बहुत सारे आउट-ऑफ-फॉर्म खिलाड़ियों को नहीं रख सकते।

इसलिए मेरे लिए यह निर्णय लेना मुश्किल था, लेकिन अगर सब कुछ हमारे सामने रखा जाए तो यह निर्णय समझदारी भरा था। मैं बहुत आगे के बारे में नहीं सोचूंगा इस समय टीम को क्या चाहिए, बस यही सोचा था और इसके अलावा कोई और विचार नहीं था। बाद में इंटरव्यू में रोहित ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी अभी संन्यास लेने की कोई योजना नहीं है और उन्हें विश्वास है कि वह अपना फॉर्म सुधार सकते हैं। रोहित ने कहा, मैं जल्द ही रिटायर नहीं होने वाला हूं, ऐसा कोई फैसला नहीं है। मैंने सिर्फ इसलिए इस मुकाबले से बाहर रहने का फैसला किया क्योंकि रन नहीं बन रहे थे। मैं कड़ी मेहनत करूंगा और कमबैक करूंगा। अभी रन नहीं बन रहे हैं, लेकिन इस बात की गारंटी नहीं है कि 5 महीने बाद भी रन नहीं बनेंगे। हमने क्रिकेट में बहुत कुछ देखा है, हर मिनट, हर सेकंड, हर रोज जिंदगी बदलती है। इसलिए मुझे खुद पर पूरा भरोसा है कि चीजें बदलेंगी.

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

युवक ने रक्तदान कर बचाई किसान की जान

हसपुरा (औरंगाबाद) (नि. सं.)। हसपुरा थाना क्षेत्र के गवसपुर गांव निवासी विकास कुमार की गुरुवार को थ्रेसर मशीन से हाथ कट गई थी। काफी रक्त बहने के कारण इलाज के दौरान डॉक्टर ने हीमोग्लोबिन की कमी देखते हुए रक्त की जरूरत बताई थी। इसे लेकर परिजन चिंतित व परेशान थें। इसकी जानकारी किसी माध्यम से रक्तवीर कमिटी के सचिव अनीश केसरी को हुई। उन्होंने तत्परता दिखाते हुए अपनी कमिटी के रक्तवीर सुनील राज से संपर्क किया। जानकारी मिलते हीं सुनील राज ने कमिटी के अध्यक्ष राजू भारती के साथ अपने श्रृंगार दुकान से तुरंत ब्लड डोनेट करने पहुंचा और रक्तदान कर प्राण रक्षा में योगदान दिया। युवक ने बताया कि उसने दूसरी बार ब्लड डोनेट किया है। कहा कि हर युवा को समय-समय पर ब्लड डोनेट करना चाहिए।

नशे में झूम रहा शराबी धराया

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि. सं.)। रफीगंज पुलिस ने चरकुप्पा गांव निवासी मुकेश कुमार को नशे की हालत में पकड़ा। थानाध्यक्ष गुफरान अली ने बताया कि नशे की हालत में गांव में ही हंगामा कर रहा था। सूचना के आधार पर उसे हिरासत में लिया गया। जांच में शराब सेवन की पुष्टि के बाद अग्रम कार्रवाई के लिए न्यायालय भेजा गया है।

ट्रक में आलू के बीच छुपाकर लाई जा रही 4500 लीटर शराब जब्त

पटना (नि. सं.)। रूपसपुर में स्थानीय पुलिस और मद्य निषेध विभाग की टीम ने आपीएस मोड़ के पास आलू लदे ट्रक से 4500 लीटर शराब बरामद की है। शराब आलू के बीच में छुपाकर रखी हुई थी। ट्रक पंजाब के लुधियाना से मुजफ्फरपुर जा रहा था। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया। ट्रक चालक रमेश कुमार राजस्थान के बाड़मेर का रहने वाला है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि सूचना पर आपीएस मोड़ के समीप पेट्रोल टंकी के पास ट्रक को रोककर जांच की गई। जिसमें आलू के बोरे में छुपाकर रखी करीब 4500 लीटर अंगेजी शराब बरामद हुई। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस चालक से शराब धंधेबाजों के बारे में पूछताछ कर रही है। थानाध्यक्ष रणविजय कुमार ने बताया कि लुधियान से शराब लेकर ट्रक मुजफ्फरपुर के लिए चली थी। जो आलू के आड में रख कर लाया जा रहा था।

बंद घर से चोरों ने की 15 लाख की चोरी

पटना (नि. सं.)। बिहटा के सदिसोपुर गांव में आयुर्वेदिक चिकित्सा पदाधिकारी के बंद घर से 15 लाख की चोरी हुई है। शुक्रवार देर रात चोर दीवार फांदकर घर के अंदर घुसे। ताला तोड़कर गोदरेज से सोने-चांदी के जेवरात, कीमती सामान और सीसीटीवी का डीवीआर लेकर फरार हो गए। पीड़ित डॉ. अश्वनी उपाध्याय ने बताया कि घर में कोई नहीं था। मेरी पोस्टिंग बेगूसराय जिला में है।

गोदाम में लगी आग

पटना (नि. सं.)। पटना के नदी थाना क्षेत्र में एक गोदाम में अचानक आग लग गई। चंद मिनटों में ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की 2 गाड़ी मौके पर पहुंची। घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना जेठुली गांव की है। पीड़ित गोदाम मालिक बच्चा राय ने असामाजिक तत्वों पर आग लगाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा स्थानीय लोगों से घटना की जानकारी मिली थी। जिसके बाद गोदाम पर पहुंचा। आगजनी में लाखों का सामान जलकर राख हो गया है।

नेशनल बर्ड डे आज

पटना (नि.सं.)। पक्षी हमारे बिना रह सकते हैं मगर हमारा अस्तित्व पक्षियों के बिना मुश्किल है। पक्षियों का हमारे जीवन में क्या महत्व है, हम सब जानते हैं, स्वीकार नहीं कर रहे। क्या हम इस बात से इन्कार कर सकते हैं कि जब इलाके में महामारी फैलती है तो इसकी अग्रिम सूचना हमें इन पक्षियों के माध्यम से मिल जाती है। आंधी-तूफान और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के पहले ही पक्षियों के व्यवहार में फर्क आ जाता है, और अगर हम इन बातों पर नजर रखें तो पहले से ही सावधानी बरत कर अपने जान-माल की सुरक्षा कर सकते हैं । चूहे और कीट-पतिंगों को खाकर ये पक्षी हमारी फसल की सुरक्षा करते हैं। बतख और अन्य जल-पक्षी यदि हर साल बड़ी संख्या में आकर खर-पतवारों को खाकर हमारे झीलों-तालाबों की सफाई न करें तो ये झील और तालाब जमीन और फिर बंजर भूमि में तब्दील हो जायंगे और हम एक-एक बूँद पानी तथा खेती को तरस जाएंगे ।

पिता बोले- मेरा फोन लेकर कमरे में गई, दरवाजा तोड़ा तो लटकी मिली

दुपट्टा का फंदा लगा युवती ने की आत्महत्या

निज संवाददाता | हसपुरा (औरंगाबाद)

जिले के हसपुरा थाना क्षेत्र के मंगर बिगहा टोला में शनिवार को एक 18 वर्षीय युवती लक्ष्मी कुमारी ने पंखे में दुपट्टे का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका के पिता महेंद्र साव ने बताया कि घटना सुबह उस समय हुई, जब लक्ष्मी अपने कमरे में थी। लक्ष्मी कुमारी, जो बीए पार्ट-1 की छात्रा थी, दो महीने पहले अपनी नानी महेश्वरी देवी के साथ अरवल के मेहंदिया थाना क्षेत्र के कोयल इस्माइलपुर गांव से आई थी। शनिवार सुबह, शौचालय से लौटने के बाद वह अपने कमरे में गई। पिता महेंद्र साव ने बताया कि उनका मोबाइल लक्ष्मी के कमरे में था। जब उन्होंने मोबाइल मांगा, तो लक्ष्मी ने अंदर से आवाज दी कि वह कुछ देर में देगी। काफी इंतजार के बाद भी दरवाजा न खुलने पर, उन्होंने दरवाजा तोड़ा और देखा कि लक्ष्मी ने दुपट्टे से फांसी लगा ली थी। घटना की सूचना मिलते ही दाउदनगर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार ऋषिराज, हसपुरा थाना अध्यक्ष नरोत्तम कुमार, पीएसआई अमित कुमार और खुशबू कुमारी मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार ऋषिराज ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल टीम की जांच के बाद ही मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा। लक्ष्मी कुमारी के पिता महेंद्र साव सिक्योरिटी गार्ड के रूप में बैदराबाद में कार्यरत हैं। घटना से पूरे परिवार और गांव में शोक की लहर है। यह घटना न केवल एक परिवार के लिए बल्कि समाज के लिए भी एक चेतावनी है। युवाओं में मानसिक तनाव और भावनात्मक दबाव के कारण आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं।

ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए परिवार और समाज को संवाद और सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे ऐसी स्थितियों में तुरंत सहायता लें और किसी भी मानसिक दबाव के संकेत मिलने पर उचित परामर्श प्राप्त करें।

जनता दरबार : आठ जमीनी विवादों पर हुई सुनवाई, चार मामलों का हुआ निपटारा

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

जिले के रफीगंज थाना परिसर में अंचलाधिकारी भारतेन्दु सिंह की अध्यक्षता और थानाध्यक्ष गुफरान अली की देखरेख में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दरबार में जमीनी विवाद से जुड़े कुल आठ मामले प्रस्तुत किए गए। जनता दरबार में बलिगांव के सुरेश यादव, मखदुमपुर के कौशलेंद्र विश्वकर्मा, अब्दुलपुर की नूरजहां खातून और रफीगंज की कांति खत्री के मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। वहीं भोजपुर की शीला देवी, चांद बिगहा के उपेंद्र यादव, ढोसिला के बबन राम और रफीगंज के प्रिंस कुमार के विवादों पर सुनवाई के लिए अगली तिथि निर्धारित की गई। अंचलाधिकारी ने बताया कि जनता दरबार में आए अधिकतर मामले जमीनी विवाद से जुड़े थे।

हर मामले में दोनों पक्षों को बुलाकर उनकी बातें सुनी गईं और निष्पादन की प्रक्रिया को गंभीरता से पूरा किया गया। थानाध्यक्ष गुफरान अली ने कहा कि जमीनी विवादों को लेकर आने वाली शिकायतों पर प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जाती है। जनता दरबार के माध्यम से प्रशासन का उद्देश्य है कि लोगों के जमीनी विवादों का त्वरित और निष्पक्ष समाधान हो। इस प्रयास से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलती है और लोगों को न्याय मिलने का भरोसा कायम होता है।

घर से मिला अवैध राइफल के साथ आरोपी गिरफ्तार

निज संवाददाता | गोह (औरंगाबाद)

जिले के गोह थाना क्षेत्र के बंदेया थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मंजाठी गांव में छापेमारी कर शशिकांत कुमार सिंह के घर से एक अवैध राइफल बरामद की है। इस मामले में पुलिस ने शशिकांत कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सूचना मिली थी कि शशिकांत कुमार सिंह के पास अवैध हथियार हैं। इस आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई की और छापेमारी के दौरान राइफल बरामद किया। शशिकांत कुमार सिंह का आपराधिक इतिहास पहले से ही पुलिस के रिकॉर्ड में दर्ज है। पुलिस के अनुसार, गोह थाना में उसके खिलाफ कांड संख्या 85/06 के तहत मामला पहले से लंबित है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अवैध राइफल का उपयोग किस उद्देश्य के लिए किया जाना था। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या आरोपी का किसी अन्य आपराधिक गिरोह से संबंध है। पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अवैध हथियारों के उपयोग को रोकने के लिए पुलिस हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे मामलों में शामिल लोगों को कानून के तहत कड़ी सजा दिलाने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाएगी। इस छापेमारी और गिरफ्तारी को लेकर स्थानीय लोगों में पुलिस की सक्रियता और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत साझा करें ताकि अपराध पर अंकुश लगाया जा सके।

जदयू की पंचायत स्तरीय बैठक संपन्न, बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर जोर

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

जिले के रफीगंज प्रखंड में भेटनिया पंचायत के बराही बाजार में जदयू की पंचायत स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में भेटनिया, बौर, कजपा, पोगर, भदवा, और बलिगांव पंचायत के जदयू कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता भदवा पंचायत अध्यक्ष प्रेमचंद वर्मा ने की, जबकि रफीगंज विधानसभा प्रभारी अमरेश चौधरी और प्रखंड अध्यक्ष सुनील कुमार वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में मुख्यमंत्री के नेतृत्व को मजबूत करने और संगठन के विस्तार पर जोर दिया गया। अमरेश चौधरी ने कहा कि सभी पंचायत अध्यक्षों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में बूथ कार्यकारिणी का गठन जल्द से जल्द पूरा करें। उन्होंने कहा कि मजबूत बूथ संगठन के जरिए ही विधानसभा चुनाव में सफलता सुनिश्चित की जा सकती है।

प्रखंड अध्यक्ष सुनील कुमार वर्मा ने कहा कि विधानसभा चुनाव में अब केवल 9 महीने शेष हैं। ऐसे में एनडीए गठबंधन के कार्यों को घर-घर तक पहुंचाने और सरकार की उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार करने के लिए बूथ स्तर पर मजबूत टीम का गठन करना जरूरी है।

इस बैठक में विभिन्न पंचायतों के अध्यक्ष और कार्यकारिणी के सदस्य मौजूद रहे। इनमें भेटनिया पंचायत अध्यक्ष राजाराम चंद्रवंशी, कजपा पंचायत अध्यक्ष किशोर कुमार, बौर पंचायत अध्यक्ष दीपनारायण मेहता, पोगर पंचायत अध्यक्ष मुकेश कुमार और बलिगांव पंचायत अध्यक्ष उपेंद्र कुमार प्रमुख रूप से शामिल थे।

इसके अलावा, जिला कार्यकारिणी सदस्य विवेक कुमार सिंह, महिला प्रकोष्ठ की प्रभा देवी, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के शाहबाज आलम, और अन्य कई कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। सभी ने अपने-अपने क्षेत्र में संगठन को सशक्त बनाने और आगामी चुनावों के लिए तैयार रहने का संकल्प लिया।

बैठक के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की गई कि वे सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। पंचायत और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी को मजबूती देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करने का संकल्प लिया। इस दौरान पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीतियों पर भी चर्चा हुई।

358वें प्रकाश उत्सव पर्व का आगाज, छह जनवरी को आ सकते हैं अमित शाह

निज संवाददाता | पटना

बोले सो निहाल सत श्री अकाल की गूंज से पटना साहिब शनिवार की सुबह गूंजने लगा। प्रभात फेरी, नगर कीर्तन के साथ ही सिखों के 10वें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का 358वां प्रकाश उत्सव पर्व का आगाज शनिवार 4 जनवरी से हो गया। तीन दिनों तक चलने वाले इस प्रकाश उत्सव पर में देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई जा रही है। पटना साहिब गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह ने बताया कि इस वर्ष केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 6 जनवरी की दोपहर 1:00 बजे आ सकते हैं। शनिवार की सुबह से ही बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं का सिलसिला शुरू हो गया है।

पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों से हजारों की संख्या में सिख श्रद्धालु पटना साहिब पहुंचने लगे हैं। इसके लिए प्रबंधन कमेटी के लोगों ने भी सभी लोगों के ठहरने की पूरी व्यवस्था कर रखी है। पटना साहिब के बाल लीला गुरुद्वारा, कंगन घाट, मुख्य गुरुद्वारा पटना साहिब, अतिथिशाला सहित सभी जगह को श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित किया गया है।

नववर्ष एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं
मॉडर्न हाऊस डिजाइनर
क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार)

मकान का नक्शा, इस्टीमेट बनवाने, इंजीनियरों की देख-रेख में कम लागत में मजबूत मकान बनवाने, संपति के मूल्यांकन तथा अन्य तकनीकी जानकारी के लिए संपर्क करें।
ई. अरूण कुमार सिंह
मो. 9431410499, 7764913875
22 वर्षों का विश्वास, आपकी सेवा में सैदव तत्पर

खेलकूद प्रतियोगिता में बालिकाओं ने साइक्लिंग में दिखाया दम, खुशबू कुमारी बनी विजेता

निज संवाददाता | औरंगाबाद

शहर के अनुग्रह मध्य विद्यालय में शिक्षा विभाग, खेल विभाग और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'मशाल' खेलकूद प्रतियोगिता के तहत शनिवार को साइक्लिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अंडर-14 वर्ग में दर्जनों बालिकाओं ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। साइक्लिंग इवेंट का शुभारंभ औरंगाबाद के प्रसिद्ध साइक्लिस्ट और यूथ आइकन राकेश कुमार उर्फ पवन सिंह तथा स्कूल के प्रधानाध्यापक उदय कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस मौके पर राकेश कुमार ने बच्चों को साइक्लिंग के फायदे बताए और इसके स्वास्थ्य लाभों पर जोर दिया। उन्होंने सुरक्षित साइक्लिंग के लिए आवश्यक टिप्स भी साझा किए। साथ ही, विजेताओं को अपनी ओर से हेलमेट प्रदान करने की घोषणा की। प्रतियोगिता में वर्ग आठ की खुशबू कुमारी ने पहला स्थान हासिल किया। वर्ग सात की छोटी कुमारी उपविजेता बनीं, जबकि वर्ग सात की चंचल कुमारी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को अतिथियों द्वारा सम्मानित और पुरस्कृत किया गया। मशाल इवेंट को सफल बनाने में नोडल शिक्षक योगेंद्र पाल और अर्जुन कुमार सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण रही। उनकी सक्रियता और समर्पण ने आयोजन को सुव्यवस्थित और सफल बनाया। इस कार्यक्रम ने बालिकाओं में साइक्लिंग के प्रति उत्साह बढ़ाया और इसे एक स्वस्थ आदत के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया। आयोजकों ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं न केवल बच्चों के शारीरिक विकास में मदद करती हैं, बल्कि उनमें आत्मविश्वास और अनुशासन भी बढ़ाती हैं। प्रतियोगिता के समापन पर अतिथियों और शिक्षकों ने बच्चों को आगे भी खेलों में हिस्सा लेने और इसे अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की प्रेरणा दी।

'शुक्र गुलजार-शनि बहार' कार्यक्रम में संगीत की अनूठी शाम, प्रतिभाओं को मिला मंच

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शहर की एक निजी संगीत शिक्षण संस्था द्वारा 'शुक्र गुलजार-शनि बहार' कार्यक्रम के पार्ट-2 का आयोजन किया गया। यह आयोजन हर महीने के पहले शुक्रवार और आखिरी शनिवार को होता है। शुक्रवार की शाम कार्यक्रम का उद्घाटन महिला थाना की थानाध्यक्ष आरती कुमारी, संस्था के डायरेक्टर डॉ. रविंद्र कुमार, और जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में अमीषा गायकवाड ने अपनी गजल 'मेरा खत पढ़कर हैरत है सबको' से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भक्ति गीत 'सारे जहां के मालिक तेरा ही आसरा है' पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं और भाव विभोर हो गए। महिला थाना की थानाध्यक्ष आरती कुमारी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र के कलाकारों के लिए विशेष रूप से लाभकारी साबित होंगे। उन्होंने संस्था के इस प्रयास की सराहना की और इसे कलाकारों के लिए एक अद्भुत पहल बताया। संस्था ने बताया कि यह आयोजन लगातार जारी रहेगा और इसे सोशल मीडिया पर भी प्रचारित किया जाएगा। यह मंच कलाकारों के लिए अपनी कला को समाज के सामने लाने और प्रसिद्धि प्राप्त करने का बेहतरीन अवसर प्रदान करता है।

छिपी प्रतिभाओं को मिलेगा मंच : डा. अरविंद

संस्था के डायरेक्टर डॉ. रविंद्र कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य मगध क्षेत्र की छिपी हुई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम में मगध प्रमंडल के सात जिलों के कलाकार हिस्सा ले सकते हैं। यह आयोजन यूट्यूब पर भी उपलब्ध रहेगा, जिससे कलाकार अपनी प्रतिभा को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित कर सकें।

बिहार के 12 जिलों में कोल्ड वेव का अलर्ट

पटना(नि.सं.)। देश के पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी का असर बिहार में भी दिख रहा है। पिछले 3 दिनों से कई जिलों में ठंड बढ़ गई है। पछुआ हवा ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। आज 12 जिलों में घने कोहरे का यलो अलर्ट है। बीते 24 घंटे के दौरान बांका सबसे ठंडा जिला रहा। यहां का न्यूनतम तापमान 5.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, राजधानी पटना का तापमान 10 डिग्री के नीचे दर्ज किया गया। जबकि किशनगंज 25 डिग्री के साथ सबसे गर्म जिला रहा। उधर, ठंड बढ़ने के साथ कई जिलों की हवा भी दूषित हो गई है। शुक्रवार को राजधानी पटना की हवा सबसे खराब रही। विभाग की ओर से 8 जिलों का एक्यूआई जारी किया गया है। वहीं कोहरे की वजह से पटना एयरपोर्ट पर 100 मीटर विजिबिलिटी है। 9 ट्रेनें लेट चल रही हैं। शेखपुरा में शनिवार की दोपहर बाद बरबीघा प्रखंड के प्लस टू उच्च विद्यालय कुटौत में ठंड लगने से एक दर्जन छात्राएं बेहोश हो गईं। घटना के बाद स्कूल में अफरा तफरी मच गई।

बिहार सरकार
वाणिज्य–कर विभाग
GST पूर्व के बकाया समाप्त करने का सुनहरा अवसर
बिहार कराधान विवाद समाधान योजना के अंतर्गत आवेदन देने की अंतिम तिथि 22.02.2025 है। दिनांक 22.02.2025 तक आवेदन दाखिल करें एवं इस योजना का लाभ उठाएं।
सभी प्रकार के जुर्माना, शास्ति एवं ब्याज के बकाया राशि में 10 प्रतिशत या पूर्व से विवाद के मद में जमा राशि, दोनों में जो अधिक हो, के भुगतान पर विवाद का समाधान किए जाने के प्रावधान है।
बकाया प्रपत्र C/F दाखिल किए जाने पर प्रपत्र से संबंधित कर से 100 प्रतिशत छूट
अन्य निर्धारित कर के मामले में विवादित कर की राशि का 35 प्रतिशत या पूर्व से विवाद के मद में जमा राशि, दोनों में जो अधिक हो, के भुगतान पर विवाद का समाधान किए जाने का प्रावधान है।
योजना के लाभ
निर्धारित कर, ब्याज, पेनाल्टी अथवा फाईन के किसी विवाद के निपटारे हेतु देय राशि, पूर्व में किसी भी मद में संगत अधिनियम के अंतर्गत विवाद के संदर्भ में जमा हो तो, उस राशि को समाधान राशि का भुगतान माना जायेगा।
30 जून 2017 को या उससे पहले समाप्त होने वाले किसी अवधि के संबंध में पारित कोई आदेश जो किसी प्राधिकार के समक्ष दिनांक 31 जनवरी 2024 को लंबित हो, का समाधान इस अधिनियम के अंतर्गत किया जा सकेगा।
इस हेतु आवेदन नियमानुसार संबंधित अंचल को ई–मेल के माध्यम से भी भेजे जा सकते हैं। सभी अंचलों का ई–मेल आईडी विभागीय बेवसाईट पर उपलब्ध है। चेक पोस्ट पर पारित शास्ति अधिरोपण के मामलों को संबंधित अंचल में भेजे जाएंगे, जिनके क्षेत्राधिकार में वह चेकपोस्ट अवस्थित था।
यदि विवाद के लिए कोई अपील, रिवीजन दाखिल नहीं भी किया गया है, तो भी इस योजना का लाभ लिया जा सकता है।
यदि विवाद के विरूद्ध नीलाम पत्र दायर किया गया है, तब भी इस योजना का लाभ लिया जा सकता है।
शीघ्रता करें एवं इस हेतु आवेदन अपने वाणिज्य–कर अंचल में अविलंब दाखिल करें।
राज्य-कर आयुक्त-सह सचिव
वाणिज्य कर विभाग, बिहार, पटना
PR No.- 016351 (Commercial Tax)D. 2024-25